झूमे (ZÚME)

झूमे (ZÚME) गाइड बुक

विषय सूची

स्वागत, 5
S.O.A.P.S बाइबिल पठन, 13
जवाबदेही समूह, 14
प्रार्थना चक्र, 20
100 की सूची, 23
परमेश्वर की कहानी {सुसमाचार}, 31
सृष्टि से लेकर अंतिम निर्णय तक, 32
बपतिस्मा, 34
3 मिनट की गवाही, 37
प्रभु भोज, 44
प्रार्थना चलन, 47
B.L.E.S.S प्रार्थना, 49
3/3 समूह प्रारुप, 54
प्रशिक्षण चक्र, 58
लीडरशिप सेल्स, 64
3-महीने की योजना, 77
कोचिंग चेकलिस्ट, 82
सहकर्मी सलाह समूह, 83
चार फील्ड नैदानिक आरेख, 85
साधारण कलीसिया - वंशावली नक्शा, 86,
परिशिष्ट, 87

परिचय

क्या आपने कभी अचम्भा किया है कि कलीसिया का आरम्भ कैसे हुआ था?

कैसे एक अज्ञात बढ़ई के पुत्र के थोड़े से शिष्य, सभी मध्य पूर्व में एक छोटे से नगर में रहते, एक विश्वव्यापी क्रांति बन गए जो कि अब मानव जनसंख्य की एक तिहाई उसके सदस्य करके गिने जाते है।

पहली कलीसिया ने साधारण लोगों को संसार में अन्यों को यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा था। पहली कलीसिया ने साधारण लोगों को हाकिमों और सैनापतियों और शासकों और राजाओं के सामने खड़े होने के लिए भेजा था। पहली कलीसिया ने साधारण लोगों को बीमारो को चंगा करने, भूखों को खिलाने, मुर्दो को जीवित करने और संसार में प्रत्येक को परमेश्वर की सभी आज्ञाएं सिखाने के लिए भेजा था।

उन्होंने अपनी संपत्ति को दे दिया, अन्यों को कर्ज से छुड़ाया, गरीबों की सुरक्षा की, सबसे छोटों को ऊँचा उठाया, और बहुत सी स्थितियों में उन्होंने विश्वास किया था उसके लिए अपने जीवनों को दे दिया।

पहली कलीसिया ने साधारण लोगों को संसार को बदलने के लिए भेजा था।

और उन्होंने किया।

पर कैसे? यह सब कैसे ईमारतों या कर्मचारी या कार्यक्रम या बजट बनाए बिना हो गया था? यह सब कैसे आरम्भ हुआ? और इसने कैसे वृद्धि की थी? उत्तर यह है. . .यह छोटे से आरम्भ से हुआ था। केवल थोड़े से लोगों के साथ।

और यह इसलिए बढ़ गया क्योंकि वह साधारण लोग जैसे कि मैं और आप है. . .जो भी परमेश्वर ने उनसे करने के लिए कहा उसे करने के लिए "हां" कहने के इच्छुक थे। साधारण लोग। साधारण कदम। परमेश्वर की आज्ञा मानते गए। संसार बदलता गया।

और इस सब का केन्द्र यीशु था।

वह सारी परमेश्वर की योजना थी।

अगर आप कभी अचम्भा करे कि आप क्यों यहां पर है और एक फर्क बनाने के लिए आप क्या कर सकते है, तो आप झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण के बारे और सीख सकते है।

झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण एक आनॅलाईन पाठ्क्रम है जो साधारण लोगों के लिए परमेश्वर के आज्ञा पालन करने के कदमों को सीखने और संसार को बदलने के लिए तैयार किया था। और इस का केन्द्र यीशु है।

क्या आप पहले कदम के लिए तैयार है?

रूके और अभी इसी समय प्रार्थना करें।

यीशु से पूछें कि क्या झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण आपके लिए है।

अगर वह "हां" कहते है तो **www.Zume Project.com** को खोजें और इसे आरम्भ कर दें।

यह आसान है।

झूमे (ZÚME) ट्रेनिंग में आपका स्वागत है!

हम खुश हैं कि आप यहां हो!

झूमे (ZÚME) ट्रेनिंग एक ऑन-लाईन और जीवन में ऐसे सीखने का अनुभव है जो छोटे समूहों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो यीशु को उसके महान काम का पालन करने और चेलों को बनाने और गुणात्मक वृद्धि सीखने के लिए अनुसरण करते हैं।

सत्र प्रारूप

झूमे (ZÚME) ट्रेनिंग में 9 मूल सत्र और 1 उन्नत सत्र शामिल हैं, (आपका प्रारंभिक प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद आपका समूह वापस आ सकता है।) प्रत्येक 2 घंटे के सत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं।

- वीडियो और ऑडियो, समूह के लिए शिष्यों को गुणा करने के बुनियादी सिद्धांतों को समझने के लिए
- समूहिक चर्चा, ताकि आपको क्या सिखाया जा रहा है, इसके बारे में सोचने में मदद करें
- सरल तरीके से अपने समूह को जो उन्होंने सीखा है उसका अभ्यास करने में सहायता करने के लिए
- अलग-अलग सत्रों के बीच सीखने में आपकी मदद करने के लिए "सत्र चुनौतियां" हैं

प्रारंभिक और समापन प्रार्थना

दुनिया भर में यीशु के कई अनुयायी आपके और आपके समूह के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, और आप इस सामग्री के माध्यम से काम करते समय हम प्रार्थना करते रहेंगे। सुनिश्चित करें कि आपका समूह भी प्रार्थना करता है।

प्रत्येक सत्र की शुरुआत में, अपने समूह से किसी [या कई] लोगों को कहें की वे पवित्र आत्मा को आमंत्रित करें, आपके दिलों को तैयार करने और एक साथ समय का नेतृत्व करने केलिए। उसे अधिक जानने और उससे प्यार करने के अवसर के लिए ईश्वर का धन्यवाद देना याद रखें - वह हर किसी से यह चाहता है!

प्रत्येक सत्र के अंत में, आपको एक समूह के रूप में फिर से प्रार्थना करने का मौका मिलेगा। परमेश्वर से पूछना सुनिश्चित करें, किवह आपको जो बातें सिखा रहा है, उसे कैसे समझें, लागू करें और साझा करें। अपने समूह में विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए प्रार्थनाकरना याद रखें।

समूहिक चर्चाएं

आप अपने समूह के साथ क्या सीख रहे हैं, इसके बारे में बात करने के लिए आपके पास कई अवसर होंगे। जब तक उल्लेख नहीं किया जाए, समूह चर्चा लगभग10 मिनट की होनी चाहिए। हर किसी को भागलेने और अपने विचारों और दृष्टिकोणों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। किसी भी ऐसी बात को दूर न दें जहां परमेश्वर किसी के माध्यम से कुछ साझा करना चाहता है।

चेकइन करते हुए

पाठ्यक्रम के दौरान आपके समूह को एकदूसरे के साथ चेकइन करने का मौका मिलेगा ताकि आप यह देख सकें कि आपने जो सीखा है। उसे आप साझा कैसे या पालन कर रहे हैं। प्रशिक्षण के इस महत्वपूर्ण भाग को न छोड़ें, लेकिन सावधान रहें कि आप चीजों के बारे में मत न बनाए। परमेश्वर से आपको एक सौम्य दिल देने के लिए कहें जो दूसरों को बढ़ने मे मदद करता है।

शुरू करने के लिए तैयार? चलिए चलते हैं!

सत्र 01

इस सत्र में, आपके समूह को झूमे (ZÚME) ट्रेनिंग का अवलोकन मिलेगा। आप शिष्य बनने के दो बुनियादी सिद्धांतों को सीखेंगे और गुणा करेंगे वे चेले बनाने के लिए दो सरल उपकरण सीखेंगे।

शिष्य बनाना

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण में आपका स्वागत है!

झूमे (ZÚME) "खमीर" के लिए यूनानी शब्द है। यीशु हमें बताता है कि परमेश्वर का राज्य एक उस स्त्री के समान है जिस ने थोड़ी सी "झूमे (ZÚME)" की मात्रा ली और बहुत से छने हुए आटे में उसे मिला दिया। जैसे ही उसने इस खमीर को उसमें मिलाया, इसने फैल कर सारे आटे को ही खमीरा कर दिया।

यीशु यह दिखा रहा था कि एक साधारण सा व्यक्ति कुछ बहुत ही छोटी वस्तु को लेकर और इसका इस्तेमाल करके एक बड़े प्रभाव डाल सकता है! हमारा स्वपन जो यीशु ने कहा वह करना है-संसार भर में साधारण लोगों को छोटे स्रोतों का इस्तेमाल कर परमेश्वर के राज्य के लिए एक प्रभाव को बनाने में सहायता करना है!

यीशु के अपने शिष्यों को अंतिम निर्देश बहुत ही साधारण थे। उसने कहा—

> *स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाकर सभी जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओं; और देखों, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे साथ हूँ।*

यीशु की आज्ञा बहुत साधारण थी-शिष्य बनाओ। और कैसे इसे करना है उसके लिए उसका निर्देश साधारण था-जहां कहीं भी आप जा रहे है वहां चेले बनाओ।

-- उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देने के द्वारा शिष्य बनाओ।

-- मेरी सभी शिक्षाओं को उन्हें पालना करना सीखाने के द्वारा शिष्य बनाओ।

इस तरह शिष्य बनाने के कदम क्या है?

-- हम हर समय शिष्य बनाते है-जहां कहीं भी हम जाते और जब हम जा रहे होते है।

-- जब कोई यीशु के पीछे चलने का निर्णय करता है-उन्हें बपतिस्मा दिया जाना चाहिए

-- जब वह बढ़ते है-हमें प्रत्येक शिष्य को सीखाना चाहिए कि कैसे सब जो यीशु ने आदेश दिया उसका आज्ञा पालन करना है।

क्योंकि जो उसने आज्ञाएं दी उसमें से एक शिष्य बनाना है, इसका अर्थ है कि हर शिष्य जो यीशु के पीछे चलता उसे भी शिष्य बनाना सीखना है। उन शिष्यों को आगे शिष्य बनाना है। और उन शिष्यों को फिर आगे शिष्य बनाना है। गुणातामक शिष्यों की वृद्धि करना है। इसी तरह से झूमे (ZÚME) कार्य करता है। यह खमीर के समान है-तब तक सारे आटे में काम करता है जब तक सारा आटा खमीरा नहीं हो जाता है।

जब यीशु ने इस शिष्य बनाने की आज्ञा दी थी, उसने एक वायदा भी किया था। यीशु ने कहा - मैं सदैव तुम्हारे साथ रहूँगा। युग के अन्त तक। यीशु के प्रत्येक शिष्य को इस वायदे पर निर्भर होना चाहिए कि यीशु सदैव हमारे साथ है। क्योंकि वह है! पर इसका यह अर्थ भी है कि यीशु के प्रत्येक शिष्य को इस तथ्य के लिए समर्पित होना होगा कि यीशु प्रत्येक से चाहता है कि वह शिष्य बनाएं। क्योंकि वह करता है।

यीशु ने कहा - ***स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए जाओ और शिष्य बनाओ।*** अधिकार जो यीशु हमें सौंपता जब वह हमें भेजता है-यह उसका अधिकार है। यीशु कहता है कि यहां पर उसके अधिकार से ऊँचा और कोई ना हो। किसी भी परम्परा के पास ज्यादा अधिकार नहीं है। किसी भी संस्कृति के पास ज्यादा अधिकार नहीं है। पृथ्वी पर किसी भी कानून के पास ज्यादा अधिकार नहीं है।

यीशु ने कहा - ***जाओ और जाकर शिष्य बनाओ।***

और झूमे (ZÚME) के समान-खमीर समान-जब तक काम पूर्ण नहीं हो जाता हम तब तक बढ़ते और वृद्धि करते जाएंगे।

क्रिया (10 मिनट) - अपने समूह के साथ निम्नलिखित प्रश्न पर चर्चा करेः

क्या यीशु ने उसके प्रत्येक शिष्य से उसके महान आदेश की पालना करने को चाहा था, तो क्यों केवल कुछ ही असल में शिष्य बनाते है?

_____

_____

_____

_____

_____

एक शिष्य क्या है?

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

एक शिष्य क्या है? और कैसे हम एक शिष्य बनाते है?

कैसे आप यीशु के शिष्य को उसकी सभी आज्ञाओं का पालना करना सीखते है? कैसे आप किसी को जिसने अपना जीवन संसार का एक गुलाम होकर व्यतीत किया है लेकर उसे परमेश्वर के राज्य का एक नागरिक करके तैयार करते है?

शब्द शिष्य का अर्थ एक अनुसरण करने वाला होता है। इसलिए एक शिष्य परमेश्वर का एक अनुयायी है। यीशु ने कहा - स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इस लिए परमेश्वर के राज्य में, यीशु हमारा राजा है। हम उसके परिवार उसकी इच्छा के अधीन है। उसकी इच्छाएं, उद्देश्य, प्राथमिक्ताएं और मूल्य सबसे ऊँचे और उत्तम है। उसका वचन ही कानून है।

इस तरह राज्य का कानून क्या है? यीशु अपने नागरिकों को क्या करने के लिए कहता है?

यीशु ने कहा - ***तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।*** यीशु ने कहा. . .***अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।***

यीशु ने कहा कि पुराने नियम से परमेश्वर की आज्ञाएं-सारी व्यवस्था और भविष्यवाणियां इन सभी दो बातों में सारांश करके दी जा सकती है - **परमेश्वर से प्रेम करो और लोगों से प्रेम करो।**

यीशु ने कहा. . .***शिष्य बनाओ।*** यीशु ने कहा. . .***उन्हें मेरी सभी बातों की पालना करना सिखाओ।***

क्योंकि शिष्य बनाने में वह सब सीखना शामिल है जिसका यीशु ने आदेश दिया था-नया नियम इस एक बात में सारांश दिया जा सकता है-**शिष्य बनाओ।**

एक शिष्य यीशु मसीह का एक अनुयायी है जो परमेश्वर से प्रेम करता, लोगों से प्रेम करता और शिष्य बनाता है।

इस तरह एक कलीसिया क्या है?

आप ऐसा सोच सकते है कि कलीसिया एक ईमारत है-एक स्थान जहां पर आप जाते है। पर परमेश्वर का वचन कलीसिया के बारे एक संगठन/एकत्र होना कहता है-एक स्थान जहां पर आप जाते है।

शब्द “कलीसिया” बाइबिल में तीन भिन्न-भिन्न ढंगो में उपयोग किया जाता है।

- सार्वभौमिक कलीसिया-सभी लोग जो यीशु मसीह के शिष्य थे, है और कभी होंगे।

- शहर या क्षेत्रिय कलीसिया-सभी लोग जो यीशु के पीछे चलते और संसार के एक निश्चित क्षेत्र में रहते है।

- गृह कलीसिया-सभी लोग जो यीशु के पीछे चलते और जहां एक या ज्यादा मिलकर रहते है।

एक आत्मिक परिवार-यीशु के अनुयायी जो परमेश्वर को प्रेम करते, लोगों को प्रेम करते और शिष्य बनाते और जो सभी एक साथ स्थानीय स्थान पर एकत्र होते और इस किस्म की कलीसिया को बनाते है-घर पर कलीसिया या साधारण कलीसिया। जब यह साधारण कलीसिया के समूह कुछ बड़ा, एक साथ करने के लिए इकट्ठा होते, वह एक शहरी या क्षेत्रिय कलीसिया को आकार दे सकते है।

यह साधारण कलीसियाओं को क्षेत्र में नैटवर्क और इतिहास भर में विश्वव्यापी कलीसिया पहला अक्षर "बड़ा (च)" है।

साधारण कलीसियाएं यीशु को अपना केन्द्र और अपना राजा मानकर आत्मिक परिवार होते है। साधारण कलीसियाएं आत्मिक परिवार है जो परमेश्वर को प्रेम करते, अन्यों को प्रेम करते और वह शिष्य बनाते जो गुणात्मक वृद्धि करते है।

कुछ कलीसिया के पास ईमारतें और कार्यक्रम और बजट और कर्मचारी होते है, पर साधारण कलीसियाओं को परमेश्वर को प्रेम करने, अन्यों को प्रेम करने और वह शिष्य बनाने के लिए जो गुणात्मक वृद्धि करते उनको इन में किसी भी बात की आवश्यक्ता नहीं होती है। और क्योंकि कुछ भी अतिरिक्त एक कलीसिया को ज्यादा जटिल और गुणात्मक वृद्धि करने में मुश्किल करता है। हमारा प्रशिक्षण ऐसी बातों को छोड़ता है जैसा कि ईमारतें और कार्यक्रम और बजट और स्टाफ शहर या क्षेत्रीय कलीसिया का जो साधारण कलीसियाओं की गुणात्मक वृद्धि से निर्माण करते है।

याद रखे "झूमे(ZÚME)" का अर्थ "खमीर" है. . .एक साधारण, एक ही कोशिका अंग जो तेजी के साथ पुनरूत्पदान करता है। झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण के साथ-हम उस खमीर के समान होने जा रहे है-साधारण और गुणात्मक वृद्धि करते।

क्रिया {10 मिनट} - आपके समूह के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेः

1. जब आप एक कलीसिया के बारे सोचते तो क्या मन में आता है?
2. उस तस्वीर और जो एक "साधारण कलीसिया" करके वर्णन किया गया उसके बीच में क्या फर्क है?
3. कौन सा आप सोचते कि गुणात्मक वृद्धि करना आसान होगा और क्यों?

_____

_____

_____

_____

_____

आत्मिक श्वास

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

श्वास लेना ही जीवन है।

हम साँस अन्दर लेते। हम साँस बाहर निकालते है। जीवन।

साँस लेना परमेश्वर के राज्य में भी उतना ही महत्वपूर्ण है। असल में, परमेश्वर अपने आत्मा को-"श्वास" कहता है।

राज्य में, हम परमेश्वर में साँस लेते है जब हम परमेश्वर से सुनते है। हम जब परमेश्वर से उसके वचन-बाइबिल से सुनते है तो हम उसमें साँस लेते है। जब हम प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर से सुनते तो हम उसमें साँस लेते है-उसके साथ हमारी बातचीत। जब हम परमेश्वर से उसकी देह-कलीसिया, यीशु के शिष्यों से सुनते-तो हम उसमें साँस लेते है। जब हम परमेश्वर से उसके कार्यो-घटनाओं और अनुभवों और कभी-कभी सताव और दुःखों में भी जिनमें से वह अपने बच्चों को निकलने देता है के द्वारा भी परमेश्वर से सुनते तब उसमें साँस लेते है।

राज्य में हम जो परमेश्वर से सुने हुए अनुसार कार्य करते तो हम साँस बाहर छोड़ते है। जब हम आज्ञा पालन करते तो हम बाहर साँस छोड़ते है। कई बार आज्ञा मानने के लिए साँस बाहर छोड़ने का अर्थ हमारे विचारों को बदलना, हमारे शब्दों या कार्यो को यीशु और उसकी इच्छा के मेल में लाना होता है। कई बार बाहर साँस छोड़ने का अर्थ जो यीशु ने हमारे साथ बाँटा उसे बाँटना होता है-जो उसने हमें दिया है उसे देना-ताकि अन्य आशीष पा सके ठीक जैसा कि परमेश्वर ने हमें आशीषित किया है।

यीशु के एक शिष्य के लिए साँस अन्दर लेना और साँस बाहर छोड़ना गंभीर होता है। यही हमारा जीवन है।

यीशु ने कहा - *पुत्र स्वयं से कुछ नहीं कर सकता। वह केवल जो पिता को करते देखता वही करता है। जो कुछ भी पिता करता, पुत्र भी वही करता है।*

यीशु ने कहा - *मैं अपने अधिकार से नहीं बोलता हूँ। पिता जिसने मुझे भेजा जो कहना और इसे कैसे कहना है उस का आदेश दिया है।*

यीशु ने कहा कि प्रत्येक शब्द जो उसने बोला और प्रत्येक कार्य जो उसने किया वह परमेश्वर से सुनने और जो उसने सुना था उसकी आज्ञा पालन करने पर आधारित था।

अन्दर साँस लें-परमेश्वर से सुनें

बाहर साँस छोड़े-जो आपने सुना उसका आज्ञा पालन करें और इसे दूसरों के साथ बाँटे।

यीशु ने कहा कि उसके अनुयायी उसके पवित्र आत्मा-उसके श्वास-के कारण जो कि उस प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर फूँका जाएगा जो उसके पीछे चलता, परमेश्वर से सुनेंगे।

यीशु ने कहा - *सहायक, पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हे सब सिखाएगा और वह सबकुछ आपको याद कराएगा जो मैंने आपको बताया है।*

अन्दर साँस लें-परमेश्वर से सुनें
बाहर साँस छोड़े-जो आपने सुना उसका आज्ञा पालन करें और इसे दूसरों के साथ बाँटे।

यीशु हमें बता रहा था कि कैसे जीवन व्यतीत करना है।

इस तरह हम परमेश्वर की आवाज कैसे सुनते है? हम कैसे जानते है कि क्या आज्ञा पालन करना है?

यीशु ने स्वयं को "अच्छा चरवाहा" कहा। यीशु ने अपने शिष्यों को उसकी "भेड़" कहा।

यीशु ने कहा - *मेरी भेड़ मेरी आवाज सुनती है, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वह मेरे पीछे चलती है।*

यीशु ने कहा - *जो कोई भी परमेश्वर से है वह परमेश्वर की आवाज सुनता है। तुम्हारे ना सुनने का कारण यह है कि तुम परमेश्वर से नहीं हो।*

यीशु मसीह के अनुयायी होते हुए, हमें उसकी आवाज सुनने के लिए समर्पित होना है।

हम शांत होने के द्वारा उसकी आवाज को सुनते है। हम यीशु पर केन्दित होने के द्वारा उसकी आवाज को सुनते है। हम अपने विचारो, हमारे दर्शन, हमारी भावनाओं और प्रभावों में उसकी आवाज सुनते है। हम जब लिखते और जो हमने सुना होता उसको परखते तो उसकी आवाज को सुनते है।

प्रत्येक आवाज, प्रत्येक विचार, प्रत्येक दर्शन, भावना या प्रभाव परमेश्वर की आवाज नहीं होता है। कई बार यह दुश्मन की आवाज होती है। यीशु ने कहा कि हमारा दुश्मन एक झूठा है और वह झूठ का पिता है। यीशु ने कहा हमारा दुश्मन चोरी करने, मारने और नाश करने के लिए आता है।

पर परमेश्वर कहता है कि हम उसकी आवाज को सुनेंगे और हम इसे जानेंगे कि यह वो है जब वह बोलता है।

अभ्यास और प्रार्थना के साथ हम अच्छी तरह से परमेश्वर की आवाज को जानते है। हम यह जानना सीख सकते है कि यह परमेश्वर से या किसी अन्य से आवाज है। जो हम सुनते है उसे परखने के लिए यहां पर कुछ ढंग हैः

जब यीशु बोलता है - उसकी आवाज सदा उसके लिखित वचन-बाइबिल में जो उसने पहले से बोला के साथ मेल में रहेगी। उसकी बोली हुई आवाज कभी भी उसके लिखित वचन का खण्डन नहीं करेगी।

जब यीशु बोलता है-उसकी आवाज हमारे हृदयों को आशा और शांति की एक समझ देगी। उसकी आवाज हमें कभी भी दोषी नहीं ठहराएगी या निराश नहीं करेगी। यीशु दोषी नहीं ठहराता है। यीशु प्रेम में सुधार करता है।

यीशु की आवाज़ शरीर के कार्यों को प्रकट नहीं करेगा। व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन, मुर्तिपुजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, डाह, मतवालापन, लीलाक्रिड़ा। यह बातें परमेश्वर की आवाज से नहीं है।

जब यीशु बोलता है-उसकी आवाज परमेश्वर के आत्मा के फल को प्रकट करेगी-प्रेम और आनन्द, शांति और धीरज, भलाई और कृपा, वफादारी, नम्रता और संयम।

जब यीशु बोलता है - उसकी आवाज हमें शंका की बजाए आत्म-विश्वास की एक समझ देती है। हम हमारे अन्दर एक ज्ञान और शांति की समझ को प्राप्त करते है कि हम परमेश्वर से सुन रहे है। हम एकदम से सब कुछ नहीं सुन सकते है। हम असल में जो हमें जानने की आवश्यक्ता है उसका केवल भाग ही सुन सकते है। पर जो हम सुनते वह ठोस होगा-परिवर्तित या बदलने वाला नहीं।

यीशु के प्रत्येक शिष्य के लिए अच्छी खबर यह है कि जब हम परमेश्वर की आवाज सुनते हम साँस अन्दर लेते है और हम तब साँस बाहर छोड़ते जब हम जो सुना होता उसका आज्ञा पालन करते और अन्यों को साथ जो सुना उसे बाँटते-परमेश्वर फिर और ज्यादा स्पष्टता से बात करेगा।

उसकी साँस हमारे अन्दर से और भी ज्यादा बहेगी।

हम ज्यादा स्पष्टता के साथ उसकी आवाज को सुनेंगे। हम उसकी आवाज को जानेंगे और किसी और की नहीं। हम संसार में उसके कार्यो को देखेंगे और उसके साथ शामिल होंगे और कार्य करेंगे।

हम अन्दर साँस लेते। हम बाहर साँस छोड़ते है।

जीवन।

क्रिया {10 मिनट} -अपने समूह के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेः

1. परमेश्वर की आवाज को सुनना और पहचानना सीखना क्यों महत्वपूर्ण है?
2. क्या प्रभु को सुनना और जवाब देना सचमुच साँस लेने के समान है? क्यों या क्यों नहीं?

_____

_____

_____

_____

_____

S.O.A.P.S बाइबिल पठन

देखें/पढ़ें और चर्चा करं {15 मिनट}

यीशु ने कहा. . .--- *सभी जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओं; और देखों, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे साथ हूँ।*

अगर यीशु के प्रत्येक शिष्य को यीशु की आज्ञा का पालन करना है तो उन्हें पता होना चाहिए कि यीशु क्या आदेश देता है।

महान आदेश और महान आज्ञा उस सब का एक बड़ा सारांश है जो परमेश्वर हमारे बारे कहता है, पर अगर एक शिष्य उसके पूर्ण माप में बढ़ने जा रहा जिसके लिए परमेश्वर ने उसे उत्पन्न किया, तब उन्हें और ज्यादा जानने और ज्यादा आज्ञा पालन करने की आवश्यक्ता है।

S.O.A.P.S का अर्थ हैः

- Scripture - वचन-बइबिल ।
- Observation अवलोकन।
- Application अनुप्रयोग।
- Prayer and प्रार्थना।
- Sharing साझा करना।

यह याद रखने और सीखने का एक साधारण ढंग है, एक प्रभावशाली बाइबिल अध्ययन जो कोई भी यीशु का शिष्य उपयोग कर सकता है। आओ हम प्रत्येक भाग की थोड़ी व्याख्या को देखें। जब आप बाइबिल पढ़ते या सुनते हैः

- बाइबिल। बाइबिल से दो या तीन छंद लिखे जो आपके लिए बहुत सार्थक हैं
- अवलोकन। उन छंद को अपने शब्दों में फिर से लिखें, ताकि आप उन्हें बेहतर समझ सकें।
- अनुप्रयोग। इस आदेश को अपने स्वयं के जीवन में पालन करने का क्या अर्थ है इसके बारे में सोचें।
- प्रार्थना।आप एक प्रार्थना लिखें जिसमें आप परमेश्वर को बताते हैं कि आपने क्या सीखा है और आप दूसरों के साथ इसे कैसे साझा करेंगे
- साझा करना। परमेश्वर से यह पूछें कि आप जो कुछ भी सीख चुके हैं उसे आप कैसे साझा कर सकते हैं।

आओ हम S.O.A.P.S को कार्य करने वाला बनाएं :

S - "मेरे विचार आपके विचार नहीं हैं, न ही आपके तरीके मेरे तरीके हैं," परमेश्वर कहते हैं। "जैसे स्वर्ग पृथ्वी की तुलना में ऊंचा है, वैसे ही मेरा मार्ग आपके मार्गों से और मेरे विचारों से आपके विचारों से अधिक है। यशायाह 55: 8-9

O - एक इंसान के रूप में, मैं जो कुछ जानता हूं और मुझे क्या करना है, इसमें सीमित हूं, परमेश्वर किसी भी तरह से सीमित नहीं है। परमेश्वर सब देखता है और सब कुछ जानता है। परमेश्वर कुछ भी कर सकता है।

A - चूंकि परमेश्वर सबकुछ जानता है और उनके तरीके सबसे अच्छे हैं, अगर मैं अपने काम के तरीके पर निर्भर होने के बजाय उसके पीछे चलता हूं, तो मुझे जीवन में और अधिक सफलता मिलेगी।

P - प्रिय परमेश्वर, मुझे एक ऐस जीवन जीने के लिए सिखाए जो आपको प्रसन्न करता है और दूसरों के लिए उपयोगी है क्योंकि मुझे नहीं पता कि इस तरह के जीवन को कैसे जीना है। मेरे तरीके मुझे गलतियों की ओर ले जाते हैं। मेरे विचार मुझे दु:ख की ओर ले जाते हैं कृपया मुझे अपने तरीके और अपने विचार सिखाएं। आपका पवित्र आत्मा मेरा मार्गदर्शन करे, जब मैं आप का अनुसरण करता हूं।

S - मैं इन छंदों और इस आवेदन को अपने मित्र, स्टीव के साथ साझा करूँगा, जो कठिन समय से गुजर रहा है और महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दिशा की आवश्यकता है।

नोट: यीशु के अनुयायी के रूप में, हमें दैनिक रूप से पवित्र शास्त्र पढ़ना चाहिए। एक अच्छी दिशानिर्देश यह है कि हर हफ्ते बाइबिल में न्यूनतम 25-30 अध्याय पढ़ा जाए। S.O.A.P.S. बाइबिल पठन का प्रयोग करते हुए दैनिक पत्रिका को रखना आपकी मदद करेगा। उसे समझ ने में, आज्ञापालन करने और ज्यादा से ज्यादा साझा करने में।

जवाबदेही समूह

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा – "जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत माँगा जाएगा; और जिसे बहुत सौंपा गया है, उससे बहुत लिया जाएगा।"

यीशु मसीह ने जवाबदेही की गई कहानियां बताई और हमें बहुत सी सच्चाईयों को बताया कि कैसे हम जो करते और सुनते उसके लिए जवाबदेह ठहराए जाएंगे। यीशु हमें यह बातें अब बताता है, ताकि हम बाद के लिए तैयार हो सके। और क्योंकि हम एक दिन उसके आगे जवाबदेह होंगे, तो अभी इसी समय एक दूसरे के आगे जवाबदेह होने का अभ्यास करना अच्छा होगा।

जवाबदेही समूह एक समान लिंग के दो या तीन लोगों से बने होते हैं - पुरुषों के साथ पुरुषों, महिलाओं के साथ महिलाएं - जो उन सवालों के बारे में चर्चा करने के लिए एक सप्ताह में एक बार मिलते हैं, जहां उन क्षेत्रों को प्रकट करने में सहायता मिलती है जहां चीजें सही हो रही हैं और अन्य क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता होती है।

यीशु का प्रत्येक अनुयायी जवाबदेह ठहराया जाएगा, इसलिए यीशु के प्रत्येक अनुयायी को अन्यों के साथ जवाबदेही का अभ्यास करना चाहिए।

नोट: – समूह में सभी को यह समझने की जरूरत है कि जो साझा किया गया है वह गोपनीय है।

क्रिया [45 मिनट] – दो या तीन एक समान लिंग के समूह में विभाजित हो जाए। जवाबदेही प्रश्न - सूची 1 पर अगले 45 मिनट काम करें। क्योंकि आपने एक समूह के रूप में नहीं पढ़ा है, पिछले रीडिंग के बारे में सवाल छोड़ दें। सूची 2, परिशिष्ट में एक बढ़िया विकल्प है जैसा कि आप प्रशिक्षण में और आगे आते हैं।

जवाबदेही प्रश्न - सूची 1

- पिछले हफ्ते की पढ़ाई से अंतर्दृष्टि ने आपके विचार और जीवन को कैसे बदल दिया है?
- आपने पिछले सप्ताह से अपनी अंतर्दृष्टि किसने दी और इसे कैसे प्राप्त किया गया?
- परमेश्वर आपके लिए कैसे काम कर रहे हैं?
- किस तरह से आप अपने शब्दों और कामों के माध्यम से यीशु मसीह की महानता की गवाही बनने के लिए सक्षम रहें?
- क्या आप यौन आकर्षक सामग्री के संपर्क में थे या अपने दिमाग को अनुचित यौन विचारों को सोचने के लिए अनुमति दी थी?
- क्या आपने अपने पैसे के इस्तेमाल में परमेश्वर की स्वामित्व का स्वीकार किया है?
- क्या आप कुछ चीज़ों के बारे में लालची हैं?
- क्या आपने किसी की प्रतिष्ठा या भावनाओं को अपने शब्दों से चोट पहुंचाई है?
- क्या आप अपने शब्दों या कार्यों में बेईमान हैं या आप चीजों के बारे में अतिरंजित हैं?
- क्या आप एक व्यवहार [या आलसी या अनुशंसित हो] के आदी हो गए हैं?
- क्या आप कपड़े, दोस्तों, काम या संपत्ति का दास रहे हैं?
- क्या आप किसी को क्षमा करने में नाकाम रहे हैं?
- आपकी चिंताएं क्या हैं?
- क्या आपने शिकायत की है?
- क्या आपका एक आभारी दिल है?
- क्या आप अपने महत्वपूर्ण संबंधों में सम्मान, समझ और उदार हैं?
- आपको सोच, शब्द या क्रिया में क्या प्रलोभन का सामना करना पड़ा है और आप उनसे कैसे निकल गए?
- आप अन्य लोगों को कैसे आशीष देते हैं, और उनकी सेवा करते हैं- खासकर विश्वासियों?
- क्या आपने प्रार्थना के विशिष्ट उत्तर देखें है?
- क्या आपने सप्ताह के लिए पढ़ने को पूरा किया?

बधाई हो! आपने सत्र को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले सत्र की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा मानना

S.O.A.P.S बाइबिल पढ़ने का अभ्यास अब से लेकर आपकी अगली मीटिंग के बीच तक अभ्यास करें। मत्ती 5-7 पर केन्द्रित रहे कम से कम इसे दिन में एक बार पढ़े। S.O.A.P.S प्रारूप का इस्तेमाल करते प्रतिदिन लिखित विवरण रखें।

बाँटना

परमेश्वर से यह पूछते समय व्यतीत करें कि जो साधन आपने इस सत्र के दौरान सीखे है उनका इस्तेमाल करते हुए वह किनके साथ चाहता है कि आप एक जवाबदेही समूह का आरम्भ करें। आपके जाने से पहले समूह को उस व्यक्ति का नाम बता कर जाएं। एक जवाबदेही समूह को आरम्भ करने और सप्ताह में एक बार आपके साथ मिलने के लिए उस व्यक्ति तक पहुँचे।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करे कि परमेश्वर उसके लिए आपके आज्ञाकारी होने में आपकी सहायता करे और आप में और आपके इर्द-गिर्द है उन में उसे काम का निमंत्रण दें!

सत्र 02

इस सत्र में, आपका समूह ईश्वर के राज्य में उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच अंतर सीखेंगे। आप शिष्यों के गुणात्मक वृद्धि करने के लिए दो और सरल उपकरण भी सीखेंगे और अभ्यास करेंगे।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक को दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आपको S.O.A.P.S बाइबिल पठन ढंग का और एक प्रतिदिन लिखित विवरण रखने के लिए कहा गया था।
2. आप एक जवाबदेही समूह आरम्भ करने के लिए किसी तक पहुँचने के लिए उत्साहित किए गए थे। यह देखने के लिए कि समूह ने कैसे किया कुछ समय निकालें।

प्रार्थना करें

समूह में किसी से पूछें कि क्या उनके पास कोई विशेष प्रार्थना विनती है जिसके लिए वह प्रार्थना करवाना चाहते है। किसी को प्रार्थना करने और जिस क्षेत्र के बारे समूह ने कहा उसमें परमेश्वर को सहायता करने के लिए कहें।

परमेश्वर का धन्यवाद करने के लिए निश्चित रहे कि वह अपने वचन में जब उसके लोग प्रार्थना करते सुनने और कार्य करने का वायदा करता है। और जैसा कि, सदैव होता है, एक साथ, पवित्र आत्मा को अपने समय की अगुवाई करने के लिए कहें।

उत्पादक बनाम उपभोक्ता

देखें/पढ़े और चर्चा करें {15 मिनट}

उसने अपनी परिपक्क योजना में, परमेश्वर ने हमें संतुलन में रहने के लिए उत्पन्न करने और उपभोक्ता होने के लिए, बनाने और इस्तेमाल करने के लिए, बाहर उडेंलेने और भरने के लिए ताकि हम फिर से उडेंल सके। पर हमारे इस टूटे संसार में, लोगों ने परमेश्वर की योजना को रद्द किया है, और बहुत से लोग परमेश्वर के सिद्ध समीकरण के भाग से बाहर जीवन व्यतीत करते अपनी ऊर्जा को समाप्त कर रहे है।

वह सीखते तो है पर वह बताते नहीं है। वह भरते तो है पर वह कभी भी उडेंलते नहीं है। वह खर्च करते पर वह उत्पादन नहीं करते है। अगर हम ने वो शिष्य बनाने है जो गुणात्मक वृद्धि करते है, तब हमें उन्हें बताना होगा कि कैसे वह उपभोक्ता नहीं पर उत्पादक हो सकते है। यह ऐसे किया जा सकता है-

परमेश्वर अपने लिखित वचन का-जिसे हम वचन या बाइबिल कहते है-आत्मिक तौर पर वृद्धि करने के लिए इस्तेमाल करते है।

प्रत्येक शिष्य को वचन को सीखने, अनुवाद करने और लागू करने की आवश्यक्ता है। हजारों सालों से और भिन्न-भिन्न लेखको के द्वारा, परमेश्वर अपने वचन को वफादार मनुष्यों के हृदय में बोलता है जिन्होंने जो सुना उसे समझा और बाँटा था। वचन हमें परमेश्वर की कहानी, उसकी योजनाएं, उसके हृदय उसके मार्गो को सिखाता है।

पहले के एक सत्र में, आपने दो साधारण साधनों को सीखा था- S.O.A.P.S बाइबिल पठन और जवाबदेही समूह। एक आने वाले सत्र में आप एक और साधारण साधन को सीखेंगे-3/3 के समूह। यह तीन साधन नए शिष्यों को परमेश्वर के लिखित वचन को सीखने, अनुवाद करने और लागू करने में तैयार होने में सहायता करते है।

वह केवल परमेश्वर के वचन को सुनने वाले ही नहीं पर उसको बाँटने वाले भी होंगे।

परमेश्वर अपने मौखिक वचन को भी-जो कि हम प्रार्थना के द्वारा जान सकते-हमें आत्मिक तौर पर वृद्धि करने के लिए इस्तेमाल करता है।

प्रार्थना परमेश्वर से बोलना और सुनना है। प्रार्थना हमें परमेश्वर को अच्छी तरह जानने और उसके दिल, उसकी इच्छा और उसके मार्गो को समझने में सहायता करती है। प्रार्थना हमारे प्रचार करने और अन्यों की सेवा करने में सहायता करती, यह हमें विशेष ढंगों में हमारी सीखाने और बाँटने में सहायता करती जो कि व्यक्तियों या समूह को परमेश्वर को अच्छी तरह जानने और वृद्धि करने में सहायता करता है।

दो साधारण साधन-प्रार्थना चलन और प्रार्थना चक्र शिष्यों को एक व्यक्तिगत जीवन को विकसित करने और उन ढंगो में प्रार्थना करना सीखने में सहायता करता जो अन्यों की सेवा करते है। यह साधन निरंतर प्रार्थना करने की आदत को विकसित करने और जो केवल हम देख सकते उस पर निर्भर रहने की बजाए एक आत्मिक दृष्टिकोण से संसार को देखने में सहायता करता है।

जब इन का निरंतर उपयोग किया जाता वह यीशु के अनुयायी की सहायता करते, प्रार्थना के लिए उनकी योग्यता को बढ़ाते और परमेश्वर से सुनने और जो सुना उसे बाँटने के लिए उनकी योग्यता को बढ़ाते है।

परमेश्वर विश्वासियों की अपनी देह को-जिसे हमें कलीसिया या यीशु के अनुयायी कहते को-आत्मिक रूप में वृद्धि करने के लिए इस्तेमाल करना है।

विश्वासियों का एक समूह होते हुए, हम एक दूसरे के साथ जुड़े हुए है। परमेश्वर का वचन कहता है कि यीशु में-हम एक ही देह के कई अंग है, और हम एक दूसरे के साथ सम्बंधित है। दूसरे शब्दों में, हम केवल परमेश्वर के साथ ही जुड़े हुए नहीं है-हम एक दूसरे के साथ भी जुड़े हुए है।

परमेश्वर हमें एक दूसरे को समर्पित होने के लिए कहता है। परमेश्वर हमें एक दूसरे की सेवा करने के लिए कहता है।

हम में से प्रत्येक के पास भिन्न-भिन्न ताकत और भिन्न-भिन्न कमजोरियां है। परमेश्वर हम से अन्यों की जो कमजोर हो सकते की सहायता करने के हमारी ताकतों को इस्तेमाल करने की उम्मीद करता है। और हम से उम्मीद करता कि जो ताकत उस ने अन्यों को दी है उसे हमारी कमजोरी में सहायता करने के लिए हम अन्यों को अनुमति दें।

परमेश्वर का वचन कहता है कि परमेश्वर ने आप में से प्रत्येक को कुछ विशेष योग्यताएं दी है; एक दूसरे की सहायता करने के लिए उनका इस्तेमाल करने, परमेश्वर की बहुत सी किस्म की आशीषों को अन्यों को सौंपने के प्रति निश्चित रहें।

साधारण साधन जैसा कि 3/3 समूह जवाबदेही समूह और समकर्मी सलाह हमारी सहायता करते है। केवल जो परमेश्वर हमें करने के लिए बताता उसमें सहायता करते हुए नहीं पर इसके साथ ही जो हमने अन्यों के साथ सीखा को बाँटने के लिए ढंगो को हमारी खोजने में सहायता करने के द्वारा एक दूसरे को प्रेम करने और भले कार्य करने के लिए उत्साहित करते है।

परमेश्वर सताव और दु:खों को भी-बलिदान और घाटा जिसे हम यीशु के बदले सहन करते हमारे-आत्मिक रूप में वृद्धि करने के लिए उपयोग करता है।

जब लोग हमें दबाते और दु:ख पहुँचाते इस लिए क्योंकि हम यीशु से प्रेम करते और उसका आज्ञा पालन करते, या अब हम यीशु को प्रेम करते और आज्ञा मानते तब भी बुरी बातें हम से होती है, परमेश्वर इन सताव और दु:खों को हमारे चरित्र को निर्मल करने और हमें ज्यादा यीशु के समान बनाने के लिए इस्तेमाल करता है।

वह हमारे चरित्र को विकसित करता, हमारे विश्वास को बल देता और शुद्ध करता, सेवकाई के लिए तैयार करता और एक विशेष ढंग में वह जो दु:ख में है उनकी सेवा करने की अनुमति देता-यह सब करते वह स्वयं को ज्यादा स्पष्टता के साथ जानने वाला बनाता है उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जो हमारे दर्द को देखता और जानता है।

यीशु ने कहा - *परमेश्वर तुम्हें आशीष देगा जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें, और सताएं और झूठ बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बातें कहें। तब आन्निदत और मगन होना! क्योंकि तुम्हारे लिए स्वर्ग में बड़ा फल है। इसलिए कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीति से सताया था।*

साधारण साधन जैसा कि 3/3 समूह और जवाबदेही समूह यीशु के शिष्य को सताव और दु:ख जिनका वह अनुभव करते को बाँटने का एक अवसर देते है।

यह समूह आपको शिष्यों को यह सीखाने का एक अवसर देते कि परमेश्वर का वचन कहता है कि हमें मुश्किल समयों की उम्मीद रखनी चाहिए और उन्हें तैयार करना चाहिए कि जब हालात बुरे होते है तब भी परमेश्वर के प्रेम पर भरोसा करने के द्वारा कैसे अच्छा प्रत्युतर देना है।

वचन।

प्रार्थना का जीवन।

देह का जीवन।

सताव और दु:ख।

यह सब वो ढंग है जिन में परमेश्वर हमें और ज्यादा उसके सिद्ध पुत्र, यीशु के समान बढ़ने में सहायता करता है।

साधारण साधन इन अच्छी वस्तुओं के जो परमेश्वर ने हमें दी है केवल उपभोक्ता होने वाले ही नहीं पर उत्पादक और इन्हें बाँटने वाला बनने में भी सहायता करते है।

क्रिया {10 मिनट} -अपने समूह के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेः

1. ऊपर दिए गए चार क्षेत्रों में से (प्रार्थना, परमेश्वर का वचन, आदि), किसका आप पहले से ही अभ्यास करते है?
2. किसके बारे आप अनिश्चित महसूस करते है?
3. जब अन्यों को प्रशिक्षण देने की बात आती है तो आप कितने तैयार महसूस करते है?

_____

_____

_____

_____

_____

प्रार्थना चक्र

सुनें/पढ़े और चर्चा करे {75 मिनट}

यीशु ने अक्सर अपने शिष्यों को प्रार्थना का उद्देश्य, अभ्यास और वायदे सिखाए थे।

यीशु ने कहा - *माँगो तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूंढो तो तुम पाओगे; खटखटाओं तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा। क्योंकि जो कोई माँगता है उसे मिलता हैः और जो ढूंढता है वो पाता है; और जो खटखटाता है; उसके लिए खोला जाएगा।*

यीशु ने अपने शिष्यों को सिखाया कि प्रार्थना सार्वजनिक प्रशंसा, एक स्वार्थी इच्छाओं की सूची या एक असंबध्द भाषण नहीं है जिसे हम बार-बार दोहराते है। यीशु ने हमें दिखाया कि प्रार्थना में शक्ति होती है क्योंकि यह स्वर्ग में हमारे पिता के साथ एक सीधा और चलता आ रहा वार्तालाप है जो हम से प्रेम करता है।

किसी भी अच्छे वार्तालाप के समान ही, एक अच्छी प्रार्थना का अर्थ दोनों तरफ से सुनना-और बोलना है। पर उस परमेश्वर से बोलना जिसने विश्व को उत्पन्न किया डरावना प्रतीत होता है। और असल में वापस कुछ सुनना-ज्यादातर लोगों के लिए एकदम दहशतपूर्ण हो सकता है।

सुसमाचार यह है कि प्रार्थना में उत्तम होना-उस परमेश्वर के साथ एक उत्तम और गहन बातचीत यही असल में परमेश्वर चाहता है-केवल संभव ही नहीं है-पर यही असल में परमेश्वर चाहता है। पर जब प्रार्थना लगभग एक नई भाषा सीखने जैसा प्रतीत होता है-तो हम कैसे उत्तम होते है? उत्तर साधारण है-आपका अभ्यास।

प्रार्थना चक्र प्रार्थना का अभ्यास करने के लिए एक साधारण साधन है जो कि आप स्वयं इस्तेमाल कर सकते और किसी शिष्य के साथ बाँट सकते है। केवल 12 कदमों में-प्रत्येक 5 मिनट की-प्रार्थना चक्र सहायक उन बारह ढंगो में आपकी अगुवाई करता जिनमें बाइबिल हमें प्रार्थना करना सीखाती है। अंत में, आपने एक घंटे के लिए प्रार्थना की होगी।

बाइबिल हमें बताती है - *निरंतर प्रार्थना करो।* बहुतेरे हम में से नहीं कह सकते कि हम करते है। पर इस प्रार्थना की घड़ी के बाद-आप एक कदम निकट होंगे।

क्रिया {60 मिनट} - प्रार्थना चक्र का अभ्यास करें

1. निम्नलिखित अभ्यास को एक गाईड करके इस्तेमाल करते हुए, व्यक्तिगत, प्रार्थना में 60 मिनट खर्च करें।
2. समूह के लिए वापस आने और पुनः एक साथ होने का समय निर्धारित करें। प्रत्येक के लिए एक शांत स्थान को खोजने और समूह में वापस अपने मार्ग को बनाने दोनों के लिए कुछ अतिरिक्त मिनट जरूर रखें।

प्रशंसा: परमेश्वर की स्तुति करके अपनी प्रार्थना का समय शुरू करें। उन चीजों के लिए उसकी प्रशंसा करें जो अभी आपके दिमाग में हैं। एक विशेष बात के लिए उसकी स्तुति करें जो उसने पिछले हफ्ते आपके जीवन में किया है। अपने परिवार के प्रति उसकी भलाई के लिए उसकी प्रशंसा करें।

प्रतीक्षा: परमेश्वर की प्रतीक्षा में समय बिताएं। चुप रहो और उसे आपके लिए प्रतिबिंब खींचने दें।

अंगीकार: पवित्र आत्मा से अपने जीवन में ऐसी चीजें दिखाने के लिए कहें जो उसके लिए अप्रिय हो। उससे पूछो कि आप ऐसे ऐसे व्यवहारों को दिखाये हैं जो गलत हैं, साथ ही साथ उन विशिष्ट कृत्यों के लिए जो आपने अभी तक स्वीकार नहीं की है। अब प्रभु के सामने कबूल करें कि तुम शुद्ध हो जाओ।

वचन पढ़ें: भजन, भविष्यवक्ताओं और नये नियम की किताबों में प्रार्थना के बारे में पढ़ने का समय व्यतीत करना।

माँगना: अपने आप की ओर से अनुरोध करें

मध्यस्थता: दूसरों की ओर से अनुरोध करें

बाइबिल से शब्द प्रार्थना करें: प्रार्थना में विशिष्ट भागों की प्रार्थना करें। शास्त्रीय प्रार्थनाओं और कई भजन इस प्रयोजन को अच्छी तरह से पेश करते हैं.

धन्यवाद: अपने परिवार की ओर से और अपने चर्च की ओर से, अपने जीवन की बातों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें।

गायन: स्तुति, या आराधना, अन्य भजन या आध्यात्मिक गीतों के गाने गाएं

मनन करना: परमेश्वर ने आपसे बात करने के लिए अनुरोध करें। उन चीजों को लिखने के लिए एक कलम और कागज़ तैयार रखें जो वह आपको बताएंगे।

सुनना: आपने जो चीजें पढ़ी हैं, उन चीजों के बारे में सोचने में समय व्यतीत करते हैं, जो आपने प्रार्थना की हैं और जिन बातों को आपने गाया है आप देखेंगे कि परमेश्वर आपसे बात करने के लिए सभी को एक साथ लाते हैं।

प्रशंसा: उस समय के लिए परमेश्वर की स्तुति करो, जा समय आपने उसके साथ बिताया है और इस समय के दौरान उसने आपको उन सभी चीजों के बारे में बताया है। उसकी गौरवशाली विशेषताओं के लिए उसकी प्रशंसा करें।

क्रिया {10 मिनट} - अपने समूह के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेः

1. प्रार्थना में एक घण्टा खर्च करने के लिए आपकी प्रतिक्रिया क्या है?
2. आप कैसा महसूस करते है?
3. क्या आप कुछ सीखते या सुनते है? अगर हां तो, क्या?
4. अगर आप इस प्रार्थना को अपनी एक नियमित आदत बनाते है तो कैसा होगा?

_____

_____

_____

_____

_____

100 की सूची

सुने/पढ़े और अभ्यास करे {35 मिनट}

यीशु ने कहा - *जाओ और शिष्य बनाओ. . .* और उसके शिष्यों ने ऐसा किया।

वह अपने परिवार के पास गए। वह अपने मित्रों के पास गए। वह शहर में जिन लोगों को जानते थे उनके पास गए। वह जिन लोगों के साथ कार्य करते उनके पास गए। वह गए।

यीशु ने कहा "जाओ" और उन्होंने आज्ञा पालन किया। और परमेश्वर का परिवार बढ़ता गया।

परमेश्वर ने पहले से ही "चेले बनाने के लिए" रिश्तों को हमें दे दिया है। ये हमारे परिवार, दोस्त, पड़ोसी, सह कार्यकर्ता और सहपाठी हैं - जिन लोगों को हम जानते हैं या हाल ही में मिले हैं। चेलों को गुणात्मक वृद्धि करने में एक महान पहला कदम है कि परमेश्वर ने पहले ही हमें दे चुके लोगों के अच्छे प्रबंधक बनए हैं। यह एक सूची बनाने के सरल चरण से शुरू हो सकता है।

क्रिया {30 मिनट} - अपने समूह में सभी को नीचे दिए गए फार्म का उपयोग करके अपनी खुद के रिश्तों की सूची 100 बनाने के लिए 30 मिनट का समय दें।

प्रत्येक पंक्ति में एक नाम लिखें और फिर उस व्यक्ति की आध्यात्मिक स्थिति को या तो, "शिष्य" [कोई व्यक्ति जिसे आप मानते हैं कि पहले से ही यीशु का अनुयायी है], "अविश्वासी [कोई ऐसा व्यक्ति जिसे आप मानते हैं कि यीशु का अनुयायी नहीं है] या "अज्ञात" के रूप में चिह्नित करें।

अगर वहाँ कोई 30 मिनट के अंत में अपनी सूची पूरा नहीं कर पाए, तो वे इसे बाद में पूरा कर सकते हैं।

याद रखें - आपके 100 लोगों की सूची में वे लोग होना चाहिए जिन्हें आप जानते हैं कि कैसे संपर्क करें और आप लंबे समय तक के संबंध में हैं।

बधाई हो! आपने सत्र 2 को पूरा कर लिया।

यहां पर तैयारी के लिए निम्नलिखित कुछ कदम दिए गए है।

आज्ञा पालन करना

जिन लोगों की आपने 100 की सूची बनाई है जिनसे आप ने एक "अविश्वासी" या "अज्ञात" करे लिखा था में से पाँच लोगों के लिए प्रार्थना करते समय व्यतीत करें। परमेश्वर से कहें कि उसकी कहानी के लिए उनके हृदयों को तैयार करे।

बाँटना

परमेश्वर से पूछे कि वह किससे चाहता है कि आप 100 की सूची को बाँटे। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसका आज्ञाकारी होने में आपकी सहायता करें और आप में और आपके इर्द-गिर्द जो है में कार्य करने में उसे निमंत्रण दें।

100 की सूची

1. जॉन दोए _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

1. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
2. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
3. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
4. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
5. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
6. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
7. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
8. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
9. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
10. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
11. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
12. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
13. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
14. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
15. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
16. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
17. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
18. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
19. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
20. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
21. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
22. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
23. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
24. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

25. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
26. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
27. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
28. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
29. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
30. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
31. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
32. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
33. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
34. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
35. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
36. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
37. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
38. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
39. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
40. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
41. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
42. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
43. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
44. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
45. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
46. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
47. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
48. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
49. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
50. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
51. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

52. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
53. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
54. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
55. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
56. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
57. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
58. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
59. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
60. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
61. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
62. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
63. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
64. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
65. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
66. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
67. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
68. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
69. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
70. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
71. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
72. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
73. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
74. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
75. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
76. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
77. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात
78. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

79. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

80. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

81. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

82. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

83. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

84. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

85. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

86. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

87. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

88. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

89. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

90. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

91. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

92. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

93. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

94. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

95. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

96. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

97. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

98. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

99. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

100. _____ • शिष्य • अविश्वासी • अज्ञात

सत्र 03

इस सत्र में, हम सीखेंगे कि परमेश्वर की आध्यात्मिक अर्थव्यवस्था कैसे काम करती है। परमेश्वर उन लोगों में अधिक निवेश कैसे करता है जो वफादार हैं। हम चेले बनाने के लिए दो और उपकरण भी सीखेंगे - "ईश्वर की कहानी सृजन से लेकर अंतिम निर्णय तक" कैसे साझा करें, और बपतिस्मा।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आपको 100 की सूची में से जिनको आपने “अविश्वासी “ या “अज्ञात” करके चिन्हित किया में से पाँच लोगों के लिए प्रार्थना करने को कहा गया था।
2. आपको किसी अन्य के साथ 100 की सूची को बाँटने के लिए उत्साहित किया गया था।

यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करें और परिणाम के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और उसके पवित्र आत्मा को आपकी एकसाथ अगुवाई करने का निमंत्रण दें।

आत्मिक अर्थव्यवस्था

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

इस टूटे हुए संसार में, लोग ईनाम पाए महसूस करते जब उन्हें मिलता, जब वह प्राप्त करते, और जब उन्हें उनके आस-पास के लोगों से ज्यादा मिलता है।

अपने वचन में परमेश्वर अपने लोगों को कहता है - *मेरे विचार आपके विचार नहीं है, ना ही तुम्हारे मार्ग मेरे मार्ग है।* परमेश्वर उसके राज्य की अर्थव्यवस्था में हमें दिखाता है कि जो हमें मिलता है हम उसके द्वारा ईनाम नहीं पाए जाते है-पर उस में जो हम देते है।

परमेश्वर कहता है - *मैं तुम्हें बचाऊँगा, और तुम एक आशीष होंगे।*

यीशु ने कहा - *लेने से देना ज्यादा उत्तम है।*

जो परमेश्वर हमें देता है वो देना और अन्यों को आशीषित करना उस आत्मिक श्वासन की नींव है जो हम ने पहले सीखा था। हम अन्दर साँस लेते और परमेश्वर से सुनते है। हम साँस बाहर छोड़ते और जो हम ने सुना उसको दूसरों के साथ बाँटने में आज्ञा मानते है। जब हम आज्ञा मानते और जो प्रभु ने हमारे साथ बाँटा उसे अन्यों के साथ बाँटने में वफादार होते है, तब वह और भी ज्यादा बाँटने का वायदा करता है।

यीशु ने कहा - *जो थोड़े में वफादार रहता है उसे ज्यादा दिया जाएगा।*

यह गहन अन्तरदृष्टि, गहन निकटता और वह भरपूर जीवन व्यतीत करने का मार्ग है जो परमेश्वर ने हमारे व्यतीत करने के लिए उत्पन्न किया था। इसी ढंग में हम परमेश्वर के भले कार्यो में चल सकते है जो उसने हमारे करने के लिए पहले से ही तैयार किए थे।

अगर आप परमेश्वर के महान ईनाम को पाना चाहते है, तब हमें उन दो बातों का अभ्यास करना है जिन्हें वह आशीषित करने का वायदा करता है। हमें -

आज्ञा मानना और बाँटना है
करना और सीखना है
अभ्यास करना और आगे सौंपना है

-सब कुछ जो परमेश्वर हमें करने के लिए कहता है।

अगर हम चाहते है कि अन्य भी परमेश्वर के ईनाम को प्राप्त करें, तब हमें उन्हें भी दिखाना है कि कैसे उन्हीं बातों को करना है। यह शिष्य होने का बड़ा हिस्सा है और शिष्य बनाने का एक बड़ा हिस्सा है।

हम अनुयायी और अगुवे भी है।
हम सीखने वाले और सीखाने वाले है
हम आशीषित है और एक आशीष है

परमेश्वर नहीं चाहता कि हमारे आज्ञा मानने और बाँटना आरम्भ करने से पहले सब कुछ जानने तक हम इंतजार करें। वो दिन कभी नहीं आएगा। परमेश्वर यह उम्मीद नहीं रखता कि गुणात्मक वृद्धि करने से पहले हम पूरी तरह सिद्ध हों। वह चाहता है कि हम अभी से वृद्धि करना आरम्भ कर दें।

परमेश्वर चाहता है कि जो हम पहले से जानते उसका आज्ञा पालन करना आरम्भ कर दें और जो पहले से सुना उसे बाँटना आरम्भ कर दें। और फिर वह चाहता है कि हम दूसरों को भी सिखाना आरम्भ कर दें। क्योंकि-यह आज्ञा पालन करना और बाँटना ही है जो उसने पहले से हमें करने के लिए कहा है। यह परिपक्ता और वृद्धि की तरफ मार्ग है।

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. परमेश्वर की आत्मिक अर्थव्यवस्था और पृथ्वी पर हमारे बातों को करने के ढंग के बीच फर्क क्या है?

_____

_____

_____

_____

_____

परमेश्वर की कहानी [सुसमाचार]

पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *"जब पवित्र आत्मा तुम्हारे ऊपर आएगा, तो आपको शक्ति मिलेगी। तुम मेरे साक्षी होगे, और हर जगह लोगों को मेरे बारे में बताओगे- यरूशलेम में, यहूदिया में, सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक। "*

यीशु ने अपने अनुयायियों में इतना विश्वास किया, उन्होंने अपनी कहानी बताने के लिए उन पर भरोसा किया। फिर उसने उन्हें ऐसा करने के लिए दुनिया भर में भेजा। अब, वह हमें भेज रहा है।

परमेश्वर की कहानी [जिसे सुसमाचार भी कहा जाता है] को बताने के लिए कोई भी "सर्वोत्तम तरीका" नहीं है, क्योंकि सबसे अच्छा तरीका इस पर निर्भर करेगा कि आप किसके साथ साझा कर रहे हैं। प्रत्येक शिष्य को परमेश्वर की कहानी को ऐसे तरीके से बताना सीखना चाहिए जो पवित्रशास्त्र के अनुसार सही है और वे दर्शकों के लिए प्रासंगिक हैं।

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. जब आप परमेश्वर की “उसके गवाह” होते और उसकी कहानी के आदेश को सुनते तो आपके मन में क्या आता है?
2. आप क्या सोचते है कि क्यों यीशु ने उसके सुसमाचार को बाँटने के लिए किसी और ढंग की बजाए साधारण लोगों को चुना था?
3. परमेश्वर की कहानी को ज्यादा अरामदायक ढंग से बताने के लिए आपको क्या चाहिए होगा?

_____

_____

_____

_____

_____

परमेश्वर की कहानी - सृष्टि से लेकर अंतिम निर्णय तक

देखें/पढ़ें और चर्चा करें और अभ्यास करें {60 मिनट}

परमेश्वर का समाचार साझा करने का एक तरीका है परमेश्वर की कहानी को सृष्टि से लेकर अंतिम निर्णय तक - मानव जाति की शुरुआत से लेकर इस युग के अंत तक।

जब हम इस तरह से परमेश्वर की कहानी बताते हैं, हम इसे लंबा या छोटा, विस्तृत या व्यापक बना सकते हैं, लेकिन हमेशा इसे सुनते रहने वाले लोगों की संस्कृति से जुड़ा रखें।

नोट – विभिन्न संस्कृतियों और विश्व के विचारों में अपनी कहानी बताने में मदद करने के लिए, आप हाथों के गतियों का उपयोग भी कर सकते हैं जो सीखना और सिखाना आसान बनाते हैं।

> यहां पर "सुसमाचार" की परमेश्वर की कहानी है –
>
> "शुरुआत में, परमेश्वर ने पूरी दुनिया और उसमें सब कुछ बनाया। उसने पहले आदमी और प्रथम महिला को बनाया। उसने उन्हें एक सुंदर बगीचे में रखा उन्होंने उन्हें अपने परिवार का हिस्सा बना दिया और उनके साथ एक घनिष्ट सम्बन्ध था। उसने उन्हें हमेशा के लिए जीवित बनाया। मृत्यु जैसी कोई चीज नहीं थी।
>
> "यहां तक कि इस सही जगह पर, मनुष्य ने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया और पाप और पीड़ा दुनिया में आए। परमेश्वर ने बगीचे से मनुष्य को हटा दिया। मनुष्य और परमेश्वर के बीच संबंध टूट गया था। अब मनुष्य को मृत्यु का सामना करना पडा।
>
> "सैकड़ों वर्षों से, परमेश्वर ने अपने भविष्यवक्ताओं को दुनिया में भेजा। उन्होंने मनुष्य को अपने पापों को याद दिलाया, लेकिन उन्होनें परमेश्वर की सत्यता और उस उद्धारकर्ता को दुनिया में भेजने का वादा किया था उसे याद दिलाया।
>
> उद्धारकर्ता परमेश्वर और मनुष्य के बीच घनिष्ट संबंध को पुनर्स्थापित करेगा। उद्धारकर्ता मृत्यु से मनुष्य का बचाव करेगा। उद्धारकर्ता अनतंकाल का जीवन देगा और हमेशा के लिए मनुष्य के साथ होगा।
>
> "परमेश्वर हमें इतना प्यार करता है कि जब समय सही था, उसने अपने बेटे को उस उद्धारकर्ता होने के लिए दुनिया में भेजा।
>
> "यीशु परमेश्वर का पुत्र था वह एक कुंवारी के माध्यम से दुनिया में पैदा हुआ था। वह एक परिपूर्ण जीवन जी रहे थे। उसने कभी पाप नहीं किया। यीशु ने लोगों को परमेश्वर के बारे में सिखाया। उन्होंने अपनी महान शक्ति को बहुतेरे चमत्कारों द्वारा दर्शाया। उसने कई बुरी आत्माओं को निकाल दिया। उसने कई लोगों को चंगा किया। उसने अंधे लोगों को दृष्टि दी। उसने बहिरों को सुनने की शक्ति दी। उसने लंगड़े लोगों को चलाया। यीशु ने मरे हुओं को जिंदा किया।
>
> यीशु के कारण कई धार्मिक नेताओं को डर और ईर्ष्या हो रही थी। वे उसे मारना चाहते थे। चूंकि उसने कभी पाप नहीं

किया, इसलिए यीशु को मरना नहीं था। लेकिन उन्होंने हमारे सभी के लिए एक बलिदान के रूप में मरने का फैसला किया। उनकी दर्दनाक मौत ने मानव जाति के पापों को ढांप किया। इसके बाद, यीशु को एक कब्र में दफना दिया गया।

"परमेश्वर ने यीशु के बलिदान को देखा और स्वीकार कर लिया। परमेश्वर ने तीसरे दिन मृतकों से यीशु को जिला कर स्वीकृति को दिखाया।

यदि हम अपने दिलों में विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया है, और हम उसे अपने प्रभु के रूप में स्वीकार करते हैं - हमारे शासक और राजा – हमारा उद्धार होगा। विश्वासियों के रूप में, हम अपने पापपूर्ण जीवन से दूर हो जाते हैं और यीशु के नाम से बपतिस्मा लेते हैं, पानी में दफन होते हैं, हमारे पुराने जीवन के लिए मर चुके हैं, और पानी से जिलाए गए हैं जैसे यीशु को मृतकों से जिलाया गया था, एक नई जिंदगी जीने के लिए उसके बाद परमेश्वर ने हमारे सभी पापों को माफ कर दिया और हमारे भीतर रहने के लिए पवित्र आत्मा को भेज दिया ताकि हम परमेश्वर का अनुसरण करने में सक्षम हो, और हमें फिर से अपने परिवार में वापस लाने के लिए।

"जब यीशु को मरे हुओं में से जी उठाया गया था, उसने पृथ्वी पर 40 दिन बिताए। यीशु ने अपने अनुयायियों को हर जगह जाना सिखाया और कि उद्धार का सुसमाचार बताएं।

"यीशु ने कहा - जाओ और हर देश के लोगों को अपने चेलों बनाओ, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा दें; और उन्हें उन सभी का पालन करने के लिए सिखाओ जो मैंने आज्ञा दी है। मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा- यहां तक कि इस युग के अंत तक। तब यीशु को उनकी आंखों के सामने स्वर्ग में ले जाया गया।

"एक दिन, यीशु फिर से उसी तरह आएगा जैसे वह चला गया। वह उन लोगों को दंडित करेगा, जिन्होंने उसे प्यार नहीं किया और उसका पालन नहीं किया। वह उन लोगों को प्रतिफल देगा जिन्होंने प्रेम किया और उसकी आज्ञा मानी। हम उसके साथ हमेशा एक नई स्वर्ग और नई पृथ्वी पर रहेंगे।

"मैं विश्वास करता हूं और अपने पापों के लिए यीशु के बलिदान को स्वीकार करता हूं। उसने मुझे परमेश्वर के परिवार के हिस्से के रूप में स्वच्छ और बहाल किया है। वह मुझे प्यार करता है, और मैं उससे प्यार करता हूं और हमेशा उसके राज्य में उनके साथ रहूंगा।

"परमेश्वर तुम्हें प्यार करता है और चाहता है कि आप इस उपहार को प्राप्त करें, साथ ही साथ। क्या आप अभी ऐसा करना चाहते हैं?

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. इस कहानी से आप मानवजाति/लोगों के बारे क्या सीखते है?
2. आप परमेश्वर के बारे क्या सीखते है?
3. क्या आप सोचते है कि इस तरह एक कहानी बताने के द्वारा परमेश्वर की कहानी को बताना मुश्किल होगा?

_____

_____

_____

_____

क्रिया [45 मिनट] - अपने आप को दो या तीन के समूह में विभाजित करें और अगले 45 मिनट के लिए परमेश्वर की कहानी का वर्णन करें। आपकी 100 की सूची में से 5 लोग चुनें जिन्हें आपने "अविश्वासी" या "अज्ञात" के रूप में चिह्नित किया है। किसी को इन पांच लोगों में से प्रत्येक भूमिका निभाने दो। परमेश्वर की कहानी को ऐसे तरीके से बताएं जो आपको लगता है कि उस विशेष व्यक्ति को आसानी से समझा जा सकता है।

आप निर्माण से लेकर अंतिम न्याय तक कहानी या किसी अन्य तरीके का उपयोग कर सकते हैं जो आपको लगता है कि साझा करने वाले के लिए अच्छी तरह से काम करेगा। अभ्यास करने के बाद आप स्विच कर सकते हैं। आप किसी और की सूची में के पांच लोगों में से एक हो सकते हैं। जब आप सब कुछ पूरा कर लेंगे, तो आप परमेश्वर की कहानी साझा करने के लिए तैयार होंगे।

बपतिस्मा

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *"जाओ और लोगों को अपने चेले बनाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दें ..."*

बपतिस्मा - या मूल यूनानी भाषा में बैप्टिज़ो - मतलब ड्रेन्चिंग या डूबने वाला। यह बिल्कुल कपड़े की तरह है जिसे रंग लगाया जा रहा है, जो रंग में भिगोया जाता है, जो अंततः परिवर्तित हो जाता है। बपतिस्मा हमारे नए जीवन की एक तस्वीर है, जो यीशु की छवि में भिगो और परमेश्वर की आज्ञाकारिता में बदल गया है। यह पाप के लिए मरने की तस्वीर है, जैसे यीशु हमारे पापों के लिए मर गया; हमारे पुराना जीवन दफन हो गया, जैसे यीशु दफनाया गया था; मसीह में एक नए जीवन के लिए एक पुनर्जन्म, यीशु की तरह पुनरुत्थान किया गया था और वह अब भी जीवित है।

यदि आपने कभी किसी को बपतिस्मा नहीं दिया है, तो यह डरावना हो सकता है, लेकिन यह नहीं होना चाहिए। यहां कुछ सरल कदम हैं।

1. कुछ जगह खोजें जहां स्थिर पानी है। सुनिश्चित करें कि यहाँ पानी गहरा है ताकि नये शिष्य उसमें जलमग्न हो। यह एक तालाब, नदी, झील या सागर हो सकता है यह एक बाथटब या पानी इकट्ठा करने का दूसरा तरीका हो सकता है।

2. सहायता के लिए शिष्य का हाथ पकड़ो और दूसरी ओर उनकी पीठ पर हाथ रखो।

3. यह सुनिश्चित करने के लिए प्रश्न पूछें कि वे अपने फैसले को समझें,
   जैसे "क्या आप मानते हैं कि यीशु मसीह आपका स्वामी और उद्धारकर्ता है?"
   "क्या आप उसको राजा मानेंगे और उसकी सेवा करेंगे?"

4. यदि वे दोनों के लिए "हां" का उत्तर देते हैं, तो ऐसा कुछ कहें।
   "क्योंकि आपने प्रभु यीशु में अपने विश्वास का दावा किया है, अब मैं आपको पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देता हूं।"

5. उन्हें पानी में पूरी तरह से डूबने में सहायता करें, फिर उन्हें वापस ऊपर उठाएं।
   बधाई! आपने यीशु का एक नया अनुयायी बपतिस्मा लिया - स्वर्ग का एक नया नागरिक - अनन्त परमेश्वर का एक नया बच्चा। यह जश्न मनाने का वक्त है!

महत्वपूर्ण अनुस्मारक — क्या आपके समूह में सब ने बपतिस्मा लिया है? क्या आपने लिया है? अगर नहीं, तब हम आपको इस प्रशिक्षण से एक सत्र पहले इसकी योजना बनाने के लिए उत्साहित करते है। अपने समूह को इस महत्वपूर्ण दिन का एक हिस्सा बनने का निमंत्रण दें जब आप यीशु को “हां” कहने का जश्न मानते है।

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. क्या आपने कभी किसी को बपतिस्मा दिया है?
2. क्या आप इसके बारे विचार करेंगे?
3. अगर महान आदेश यीशु के प्रत्येक शिष्य के लिए है, तो क्या इसका यह अर्थ है कि यीशु का प्रत्येक शिष्य अन्यों को बपतिस्मा दे सकता है? क्यों या क्यों नहीं?

_____

_____

_____

_____

_____

बधाई हो! आपने सत्र 03 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले सत्र की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

इस सप्ताह परमेश्वर की कहानी का अभ्यास करते समय खर्च करें, और तब कम से कम आपकी 100 की सूची में से जिनको आपने "अविश्वासी" या "अज्ञात" करके चिन्हित किया था एक के साथ इसे बाँटे।

बाँटना

परमेश्वर से पूछे कि वह किससे चाहता है कि आप 100 की सूची को बाँटे। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसका आज्ञाकारी होने में आपकी सहायता करें और आप में और आपके इर्द-गिर्द जो है में कार्य करने में उसे निमंत्रण दें।

महत्वपूर्ण अनुस्मारकः आपका समूह सत्र 04 में प्रभु भोज का जश्न मना रहा होगा। वस्तुओं को लाना याद रखें (रोटी और दाखरस/जूस)

सत्र 04

इस सत्र में, हम यह सीखेंगे कि प्रत्येक अनुयायी के लिए परमेश्वर की योजना गुणात्मक वृद्धि करना है! हमें पता चल जाएगा कि कभी-कभी सबसे वफादार अनुयायी उन जगहों से आते हैं जिनसे हम कम से कम उम्मीद करते हैं। और, हम यह सीखेंगे कि अन्य लोगों को परमेश्वर के परिवार में आमंत्रित करने के लिए एक और महान उपकरण हमारी कहानी कहने की तरह सरल है।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले, कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। पिछले सत्र के अंत में आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगो में आपको चुनौती देगा।

1. आपके 100 की सूची में से जिनको आपने “अविश्वासी “ या “अज्ञात” करके चिन्हित किया में से पाँच लोगों के लिए प्रार्थना करने को कहा गया था।
2. आपको किसी अन्य के साथ सृष्टि से अंतिम न्याय की कहानी (या परमेश्वर की कहानी बताने का कोई और ढंग) बाँटने के लिए कहा गया था।

यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करें और परिणाम के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और उसके पवित्र आत्मा को आपकी एकसाथ अगुवाई करने का निमंत्रण दें।

---

3 मिनट की गवाही

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने अपने अनुयायियों को बताया - *"आप इन बातों के गवाह हैं।"*

यीशु के अनुयायी होने के नाते, हम "गवाह" हैं, हम भी हमारे जीवन पर यीशु के प्रभाव के बारे में गवाही देते हैं। परमेश्वर के साथ आपके संबंध की आपकी कहानी को आपकी गवाही कहा जाता है। हम सबकी एक कहानी है। अपनी गवाही साझा करना तुम्हारा अभ्यास करने का एक मौका है।

आपकी कहानी को आकार देने के अंतहीन तरीके हैं, लेकिन यहां कुछ तरीके हैं जो अच्छी तरह से काम करते हैं।

- **एक सरल वक्तव्य** - आप एक साधारण बयान साझा कर सकते हैं कि आपने यीशु को क्यों चुना। यह एक नए विश्वासी के लिए अच्छी तरह से काम करेगा।
- **पहले और बाद में** - आप अपने "पहले" और "बाद" को साझा कर सकते हैं। उनको बताएं कि इससे पहले कि आप यीशु को जानते हैं और आपके जीवन में बदलाव क्या हुआ, आपकी ज़िंदगी कैसी थी? सरल और शक्तिशाली।
- **साथ और बिना** - आप अपनी "साथ" और "बिना" कहानी साझा कर सकते हैं-आप अपने जीवन के बारे में बता सकते हैं कि "यीशु के साथ" क्या है और यह "उसके बिना" कैसा होगा। आपकी कहानी का यह संस्करण अच्छी तरह से काम करता है यदि आप एक युवा उम्र में विश्वास करना शुरू कर चुके हैं।

जब आप अपनी कहानी साझा कर रहे हैं, तो यह वास्तव में सहायक है यदि आप उसे तीन-भाग की प्रक्रिया के भाग के रूप में लेते हैं।

- **उनकी कहानी** - आप जिस व्यक्ति से बात कर रहे हैं उसे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बताएं।
- **आपकी कहानी** - फिर अपनी गवाही को उस तरीके से साझा करें जो उनके अनुभव के साथ मिलती है।
- **परमेश्वर की कहानी** - अंत में परमेश्वर की कहानी को उस तरीके से साझा करें कि यह उनकी विश्व-दृश्य, मूल्यों और प्राथमिकताओं से जुड़ा हो।

क्रिया [45 मिनट] - अपने आप को दो या तीन के समूह में विभाजित करें और अगले 45 मिनट के लिए अपनी गवाही साझा करने का अभ्यास करें। आपकी 100 की सूची में से 5 लोगों को चुनें जिन्हें आपने "अविश्वासी" या "अज्ञात" के रूप में चिह्नित किया है। किसी को उन पांचों लोगों में से एक की भूमिका निभाओ, और अपनी गवाही का अभ्यास उस तरीके से करें, जिसे आपको लगता है कि उस विशेष व्यक्ति के लिए और अधिक समझदार होगा ।

आप ऊपर वर्णित पैटर्न में से किसी का उपयोग कर सकते हैं। आप किसी अन्य तरीके का उपयोग भी कर सकते हैं जो आपको लगता है कि जिस व्यक्ति के साथ आप अभ्यास कर रहे हैं उसके लिए अच्छी तरह से काम करेंगे। अभ्यास करने के बाद, स्विच करें। अपनी सूची में से किसी और के पांच लोगों में से एक बनें। अंत में, आप अपनी गवाही को लगभग 3 मिनट या उससे कम समय में बता पाएंगे।

परमेश्वर की सबसे बड़ी आशीष

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

जब कोई यीशु के पीछे चलना चुनता है, तो आप सही मार्ग पर उन्हें चलने में कैसे सहायता करते है? आप कैसे परमेश्वर के राज्य में एक उत्पादक और ना कि एक अन्य उपभोक्ता बनने में, उनकी सहायता कर सकते है? आप कैसे वह सभी आशीषें प्राप्त करने में उनकी सहायता कर सकते जो परमेश्वर देने का इच्छुक है? आप उन्हें यह बनाने के द्वारा आरम्भ कर सकते है. . .

यीशु के पीछे चलना एक आशीष है।

अन्यों को यीशु के पीछे चलने में अगुवाई करना एक बड़ी आशीष है।

एक नया आत्मिक परिवार आरम्भ करना एक महान आशीष है।

अन्यों को नए आत्मिक परिवारों का आरम्भ करने के लिए तैयार करना एक महानतम आशीष है।

आपने यीशु के पीछे चलना चुनना है और इसलिए परमेश्वर ने आपको आशीषित किया है। मैं चाहता हूँ कि आप परमेश्वर की बड़ी आशीष, महान आशीष और महानतम आशीष को प्राप्त करें। मैं आपको बताऊँ कि कैसे?

अगर वह और जानना चाहते है तो, मैं उन्हें पहले से जिन लोगों को वो जानते की एक 100 की सूची बनाने के लिए कहता हूँ। फिर मैं उन्हें उन सूचीयों में से पाँच को चुनने के लिए कहता हूँ-पाँच लोग जो यीशु को नहीं जानते है-पाँच लोग जिनसे वह जाकर अभी बताना चाहते है।

यीशु के पीछे चलना एक आशीष है। आप किसी ओर के साथ इस आशीष को बाँटना चाहते है?

मैं उन्हें उनकी गवाही बताने के लिए सीखाता हूँ-जो परमेश्वर उनके जीवन में कर रहा है उसकी कहानी। मैं उन्हें सुसमाचार बताना सीखाता हूँ-जो परमेश्वर संसार में कर रहा है उसकी कहानी। मैं उन्हें परमेश्वर की बड़ी महान और महानतम आशीष के बारे बाँटना सीखाता हूँ।

मैंने उन्हें पाँच लोगों में से प्रत्येक पर इस का अभ्यास करने को दिया था जिनको उन्होंने चुना था। पहले उनकी कहानी। फिर परमेश्वर की कहानी। फिर परमेश्वर की आशीषें। प्रत्येक बार, मैं उस सूची में से पाँच में से एक व्यक्ति होने का दिखावा करता हूँ।

प्रत्येक बार, वह अपनी कहानी बाँटते। वह परमेश्वर की कहानी बाँटते है। वह मुझे यीशु का एक शिष्य बनने का निमंत्रण देते है। वह परमेश्वर की बडी, महान और महानतम आशीष के बारे सीखाते है। प्रत्येक बार, मैं उन्हें प्रश्न पूछता और वह टिप्पणीयां करता हूँ जो मैं सोचता कि सही हो सकता है।

हमारे अभ्यास करने के बाद, मैं उनसे फिर मिलने के लिए कहता हूँ-अगर संभव हो तो दो दिन बाद-यह देखने के लिए यह कहानी बाँटना कैसे चल रहा है। मैं उन्हें सूची में से पाँच से मिलने के लिए काफी समय देता हूँ। पर मैं उन्हें इतना ज्यादा समय नहीं देना चाहता कि वह इसे भूल ही जाएं।

मैं सदैव फोन नंबर, या ईमेल या संपर्क करने के किसी अन्य ढंग को उनसे माँगता हूँ।

मैं उनके साथ प्रार्थना करता हूँ कि जैसे कि उन्हें मेरे साथ बाँटा है परमेश्वर उन्हें सही शब्द दे।

दो दिन के बाद, हम एक बार फिर मिलते और बात करते कि गवाही बाँटना कैसे चल रहा है।

अगर उन्होनें किसी को नहीं बताया तो मैं एक बार फिर उनके आगे अभ्यास करने की पेशकश करता हूँ। मैं उन्हें उसी समय उन पाँच में से कोई जो उपलब्ध हो उस के पास जाने के लिए कहता हूँ। मैं बताना आरम्भ करने के लिए उनकी सहायता करने को सब कुछ करता हूँ। पर मैं नई बातों के बारे बात नहीं करना चाहता हूँ। मैं जो उन्होंने पहले से सीखा है उसमें वफादार होने के लिए उन्हें उत्तम अवसर देना चाहता हूँ।

अगर वह इन्कार करते या बहाना बनाते है, तो मैं परमेश्वर से पूछता हूँ कि क्या यह अच्छी "भूमि" है जो उसके राज्य के लिए वफादार होगी या कोई और है जिसमें मुझ को निवेश करना चाहिए।

अगर वह बाँटते है-तो हम जश्न मनाते है!

अगर उन की सूची में से कोई भी विश्वास नहीं करता तो भी, मैं उत्साहित हूँ कि उन्होंने सुना आज्ञा पालन की और बताया। वह वफादार होना है। और क्योंकि वह थोड़े के साथ वफादार रहे है, मैं उन्हें ज्यादा बताने के लिए प्रस्न्न हूँ।

मैं बपतिस्में के बारे में बताता हूँ और उन्हें एक और स्रोत देता हूँ जिसे वह प्रार्थना चलन या जवाबदेही समूह के समान ही इस्तेमाल कर सकते है। मैं उन्हें 100 की सूची में से कुछ अन्य लोगों को चुनने के लिए कहता हूँ-लोग जो यीशु को नहीं जानते या उसके पीछे नहीं चलते है।

और फिर मैं उनके साथ अभ्यास करता हूँ-पहले के समान ही-उनकी कहानी के साथ, परमेश्वर की कहानी के साथ और परमेश्वर की आशीष के साथ। और हम प्रार्थना करते है।

अब अगर वह बाँटते है और उनकी सूची में कोई विश्वास करता है, हम सचमुच जश्न मनाते है।

परमेश्वर का परिवार बढ़ रहा है।

मैं सदैव उनसे पूछता हूँ कि क्या उन्होंने बड़ी, महान और महानतम आशीष के बारे बताया, क्योंकि यही परमेश्वर के परिवार को बढ़ाता है।

अगर उन्होंने परमेश्वर की आशीष के बारे नहीं बताया है, हम पुनः इसे आरम्भ करते है-आशीषों को, कैसे एक नया यीशु का शिष्य एक सूची बना सकता-कैसे वह अपनी कहानी बाँट सकते, परमेश्वर की कहानी बाँट सकते और आशीष को बाँट सकते है-यह सब इसलिए ताकि यीशु के नए शिष्य भी इसे बाँटना सीख सकें।

हमारे अभ्यास करने के बाद, मैं उन्हें नए विश्वासी के पास वापस भेजता हूँ ताकि वह भी निरंतर बताना जारी रख सकें।

पर उनके बारे में क्या जिन्होंने बताया और उनकी सूची में से किसी ने विश्वास किया और उन्होंने आशीष को बाँटा?

जब ऐसा होता है तो मैं आनन्द से भर जाता हूँ।

यह वो व्यक्ति है जिसे परमेश्वर का वचन "अच्छी भूमि" कहता है-कोई जो परमेश्वर के परिवार में उन ढंगो में बढ़ेगा जो कि मैंने जो कभी देखा उससे बड़े है। जब कभी भी मैं किसी ऐसे को खोजता हूँ, मैं अक्सर उनसे मिलने की योजनाएं बनाता हूँ। मैं उनके आत्मिक विकास में भारी निवेष करता हूँ।

मैं बपतिस्मा के समान नए पाठ को बनाता हूँ और यह कि कैसे वह एक तीन बटे-तीन का समूह आरम्भ कर सकते है। अब वह एक आत्मिक परिवार की वृद्धि करना आरम्भ कर सकते है-यीशु के उन नए शिष्यों के साथ आरम्भ करते हुए।

क्योंकि वह बेहद वफादार रहे थे, मैं जितना भी बाँट सकता वह बाँटने के लिए उत्साहित हूँ और यह देखने के लिए कि परमेश्वर आगे क्या करता है। जो वह जानते है उन्हें सदैव सीखने, आज्ञा पालन और बाँटने का अवसर देते हुए।

मैं सदैव इस व्यक्ति के लिए-जब भी मैं कर सकता-परमेश्वर का मुझे उनके साथ बाँटने और सीखने की अनुमति देने और सदैव उस की बड़ी आशीष उन्हें देने को माँगता उनके लिए प्रार्थना करता हूँ।

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. क्या यह ढंग जब आपने पहले यीशु के पीछे चलना आरम्भ किया तब आपको सिखाया गया था? अगर नहीं, क्या फर्क था?
2. आपके विश्वास में आने के बाद, आप के अन्यों को शिष्य बनाना आरम्भ करने से पहले कितना समय लगा था?
3. अगर नए शिष्य तुरन्त, अन्यों को शिष्य बनाना और बनाना आरम्भ कर देगे तो क्या होगा?

_____

_____

_____

_____

_____

देखने के लिए आँखे

देखें/पढ़ें और चर्चा करें {15 मिनट}

मनुष्य होते हुए, हम उन बातों के बारे सोचते, ध्यान लगाते और कार्य करते जिन्हें हम देख सकते है। हम इसे असलियत कहते है। जैसा कि वस्तुएं है। पर राज्य तब तेजी के साथ बढ़ता है जब हम उन बातों पर ध्यान लगाते जिन्हें हम देख नहीं सकते है। वह वस्तुएं जो वहां पर नहीं है। या, वह वस्तुएं जो अभी तक वहां पर है ही नहीं।

यहां पर हमारे इर्द-गिर्द ऐसे स्थान है जहां पर परमेश्वर की इच्छा पृथ्वी पर ऐसी नहीं होती जैसी कि स्वर्ग में होती है-बड़ा खाली स्थान जहां पर टूटापन, दर्द, सताव, दु:ख और यहां तक कि मृत्य भी आम, प्रतिदिन के जीवन का एक भाग है।

प्रत्येक शिष्य - यीशु मसीह के प्रत्येक शिष्य को ना सिर्फ जहां परमेश्वर का राज्य है वह स्थान देखने की आवश्यक्ता ही नहीं पर वह भी जहां परमेश्वर का राज्य नहीं है। राज्य का काम उन खाली स्थानों में और उन अन्धकार के स्थानों में प्रवेश करना है और पृथ्वी पर हमारे समय के दौरान वहां जीवन और ज्योति को लाना है।

हम दो ढंगो में जहां परमेश्वर का राज्य नहीं वहां देख सकते है-जो लोग हम पहले से जानते उनके द्वारा और जिन लोगों को हम अभी तक मिले नहीं उनके द्वारा।

पहला ढंग उन लोगों द्वारा है जिनको हम जानते है-मित्रों और परिवारों, सहकर्मियों, सहपाठियों और अन्य के साथ हमारा चलता आ रहा संबंध। इसी ढंग से परमेश्वर की कहानी तेज चलती है हम उन लोगों से प्रेम और इनकी देखरेख करते है। यह स्वाभाविक है।

यीशु ने एक स्वार्थी धनी व्यक्ति के बारे में कहानी बताई-जीवन में घमण्डी और अब वह नर्क में सजा पा रहा था। धनी व्यक्ति ने विनती की-"लाज़र को मेरे पिता के घर भेज। उसे मेरे पाँच भाईयों को चेतावनी देने दे ताकि वह इस भयानक स्थान पर ना आएं। यीशु ने हमें दिखाया कि कैसे स्वार्थी और दु:खी व्यक्तियों के पास भी उनके लिए कुछ प्रेम और चिंता है जो उनके निकट होते है।

लोग जिन्हें हम जानते वह हमारे जीवन में आते है क्योंकि परमेश्वर हम से प्रेम करता और चाहता है कि हम उन्हें प्रेम करें। हमें प्रेम और धैर्य और सहनशीलता के साथ उन संबंधों के अच्छे भण्डारी होना चाहिए।

शिष्य तब गुणात्मक वृद्धि करते है जब वह उन लोगों की चिंता करते जिन्हें परमेश्वर ने उनके इर्द-गिर्द रखा है और उनके पास इसके बारे कुछ करने की योग्यता है। आप केवल कुछ कदमों में गुणात्मक वृद्धि करने की एक साधारण योजना बना सकते और उनकी देखभाल को बढ़ा सकते है। यहां पर बताया गया है कि कैसेः-

उन्हें एक 100 लोगों की सूची लिखने दें जिन्हें वह पहले से जानते है। उन्हें उस सूची को तीन श्रेणियों में बाँटने दे-

- -वह जो यीशु के पीछे चलते
- वह जो यीशु के पीछे नहीं चलते।
- वह जो निश्चित नहीं कि वह यीशु के पीछे चलते है या नहीं।

अनुयायीयों के लिए-शिष्य उन्हें ज्यादा फलदायक और वफादार होने के लिए तैयार और उत्साहित कर सकते है

जो अनुयायी नहीं है, उनके लिए-शिष्य उन्हें कैसे एक प्रेमी परमेश्वर के बारे बताना और परिचय देना सीखा सकते है।

वह जो निश्चित नहीं है-शिष्य अपने समय का निवेश करना सीख सकते है और ज्यादा सीख सकते है

यहां पर एक और हम ढंग देखते जहां पर परमेश्वर का राज्य उन लोगों के द्वारा नहीं जिनके द्वारा हम मिले नहीं है।

यहां पर हमारे संबंध से बाहर लोग है-लोग जिन्हें हम जानते नहीं है, पड़ोसी जिन्हें हमने "नमस्कार" से ज्यादा कभी बोला ही नहीं; स्त्रियां और व्यवसायिक पुरूष जो गली से गुजरते, प्रत्येक गाँव में अजनबी, शहर या गाँव जहां हम अभी तक गए ही नहीं है।

यीशु ने कहा, *सभी जातियों को चेला बनाओं। यीशु ने कहा-आप मेरे बारे में यरूशलेम में, सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।*

जिन लोगों को हम जानते उन के साथ बाँटना ही वह ढंग है जिसके द्वारा परमेश्वर की कहानी तेजी से फैलती है। जिन लोगों को हम नहीं जानते उनके साथ बाँटना फिर भी वह ढंग है जिनके द्वारा परमेश्वर की कहानी और भी तेजी के साथ फैलती है।

यहां पर एक और भी ढंग हम देखते जहां पर परमेश्वर का राज्य उन लोगो के द्वारा नहीं जिन्हें हम मिले नहीं होते है।

शिष्य तब गुणात्मक वृद्धि करते जब वह उन लोगों की चिंता करते जिनको पमरेश्वर ने उनके जीवनों में कहीं पास में भी नहीं रखा। पर तब भी उन्हें एक योजना की आवश्यक्ता होती है।

आप अन्यों के लिए एक शिष्य की देखभाल की वृद्धि में सहायता कर सकते और उन्हें उन लोगो को देखने के लिए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से उन्हें सुनने के लिए तैयार किया उन्हें प्रशिक्षण देने के द्वारा गुणात्मक वृद्धि की साधारण योजना का निर्माण कर सकते है।

यीशु ने कहा - *जैसे ही आप एक घर में प्रवेश करें, कहना, "परमेश्वर इस घर को शांति की आशीष दे।" अगर वह लोग शांति के प्रेमी है, तो आपकी शांति की प्रार्थना उन्हें आशीषित करेगी। पर अगर वह शांति-प्रेमी नहीं है, तो तुम्हारी प्रार्थना वापस तुम्हारे पास लौट आएगी।*

हम उस व्यक्ति को जिसको परमेश्वर ने पहले से सुनने के लिए तैयार किया कल्याणकारी व्यक्ति कहते है-वह जो परमेश्वर के सन्देश का जवाब देता और उसकी आज्ञा मानने और अन्यों के साथ बाँटने के लिए वफादार है।

एक ऐसे स्थान पर जहां हम जानते कि केवल कुछ, हमारे मित्रों, परिवारों, सहकर्मियों, सहपाठियों और पड़ोंसियो के साथ बताने की बजाए, हम एक शांति के व्यक्ति को अन्यों तक पहुँचने का प्रशिक्षण देते है।

पर उत्तम परिणाम हमेशा तब आता है जब हम वफादारी पर केन्द्रित होते है। याद रखें वफादारी जो परमेश्वर हमें बताता वह पालना करने और इसे अन्यों के साथ बाँटने के द्वारा प्रदर्शित होती है। वफादार लोग जो जिसके बारे यीशु ने बात की।

यीशु ने कहा - *कुछ बीज अच्छी भूमि पर गिरा जो तीस या साठ था एक सौ गुणा फल को लेकर आया।*

वफादार लोगों के पास कठोर हृदय नहीं होता जो परमेश्वर के वचन को रद्द करता है। वफादार लोग जब सताए जाते या जब समय कठिन होता तो गिरते नहीं है। वफादार लोग इस संसार या धन जो कायम नहीं रहता के द्वारा ध्यान भंग नहीं किए जाते है।

वफादार लोग गिरासेनिया में दुष्ट आत्मा के आजाद हुए एक व्यक्ति के समान है जिसने यीशु की आज्ञा का पालना किया और साझा किया जो उसने बताया। एक वफादार मनुष्य जिसने आज्ञा पालन की और बाँटा ने बहुत से लोगों को उत्पन्न किया जो यीशु को और ज्यादा जानना चाहते थे।

जहां राज्य नहीं है उसके लिए हमारी आँखो को खोलना और जिन लोगों को हम जानते और जिन्हें हम नहीं जानते के द्वारा पहुँचना ही वह ढंग है जिसके द्वारा शिष्य गुणात्मक वृद्धि करते है और परमेश्वर का राज्य दूर तक और तेजी से बढ़ता है।

क्रिया {8 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. किन लोगो के साथ आपको बाँटना आसान है-लोग जिन्हें आप पहले से जानते या लोग जिनको आप अभी मिले नहीं हो?
2. आप ऐसा क्यों सोचते हो?
3. जिन लोगों के साथ आप ज्यादा आरामदायक नहीं उनके साथ बाँटने में आप कैसे और उत्तम बनते है?

_____

_____

_____

_____

_____

प्रभु भोज

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *"मैं जीवित रोटी हूं जो स्वर्ग से नीचे आई है। जो भी इस रोटी को खाता है वह हमेशा के लिए जीवित रहेगा। यह रोटी मेरी देह है, जिसे मैं दुनिया के जीवन के लिए दे दूंगा। "*

पवित्र भोज या प्रभु भोज हमारे अंतरंग संबंध और यीशु के साथ हमारा संबंध का जश्न मनाने का एक तरीका है। यहां जश्न मनाने का एक आसान तरीका है ।

जब आप यीशु के अनुयायी के रूप में इकट्ठा होते हैं, तो शांत ध्यान में समय बिताएं, चुपचाप विचार करें और अपने पापों को कबूल करें। जब आप तैयार हों, तो किसी को इन छंदों को पढ़ने के लिए कहें-

क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची, और मैं ने तुम्हें भी पहुंचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात वह पकड़वाया गया रोटी ली। और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा; कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये है। मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।

1 कुरिन्थियों 11:23-24

जिस रोटी को आप अपने समूह के लिए अलग रखा है उसे पारित करें, और खाएं। पढ़ना जारी रखें -

इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और कहा; यह कटोरा मेरे लोहू में नई वाचा है। जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।

1 कुरिन्थियों 11:25

अपने समूह के लिए जो रस आपने अलग रखा है उसे साझा करें, और पीयें। आखिरी भाग पढ़ें-

क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।

1 कुरिन्थियों 11:26

प्रार्थना या गायन में जश्न मनाएं। आपने प्रभु भोज में भाग लिया है। आप उसके हैं, और वह आपका है!

क्रिया [10 मिनट] - अगले 10 मिनट में अपने समूह के साथ प्रभु भोज का जश्न मनाएं।

बधाई हो! आपने सत्र 04 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

आपकी 3 मिनट की गवाही को बाँटने का इस सप्ताह अभ्यास करें और तब कम से कम आपकी 100 की सूची में से जिनको आपने "अविश्वासी" या "अज्ञात" करके चिन्हित किया था एक के साथ इसे बाँटे।

बाँटना

परमेश्वर से पूछे कि किसके साथ चाहता कि आप आपके 3 मिनट की गवाही साधन को बाँटे। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसका आज्ञाकारी होने में आपकी सहायता करें और आप में और आपके इर्द-गिर्द जो है में कार्य करने में उसे निमंत्रण दें।

सत्र 05

इस सत्र में, हम सीखेंगे कि कैसे "प्रार्थना चलन" एक शक्तिशाली तरीका है कि कैसे पड़ोस को यीशु के लिए तैयार किया जाए। हम प्रार्थना के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली पैटर्न सीखेंगे जो हमें मिलने और रास्ते में नए चेले बनाने में मदद करेंगे।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आप को आपकी 100 की "अविश्वासी" या "अज्ञात की सूची में से कम से कम एक व्यक्ति के साथ आपकी 3-मिण्ट की गवाही बाँटने के लिए कहा गया था।
2. आपको किसी अन्य के साथ 3-मिनट के गवाही साधन को बाँटने के लिए प्रशिक्षण करने को कहा गया था।

कुछ पल यह देखने के लिए निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करें और परिणाम के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और उसके पवित्र आत्मा को आपकी एकसाथ अगुवाई करने का निमंत्रण दें।

प्रार्थना चलन

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {5 मिनट}

परमेश्वर का वचन कहता है कि हमें सभी लोगों के लिए, *"राजाओं और अधिकारियों के लिए प्रार्थना और धन्यवाद देना चाहिए" कि हम सभी भक्ति और पवित्रता में शांतिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। यह अच्छा है और यह परमेश्वर, हमारे उद्धारकर्ता जो सभी लोगों को बचाना चाहता है और सच्चाई के ज्ञान में आने के लिए चाहता है, को प्रसन्न करता है।*

प्रार्थना चलन दूसरों के लिए प्रार्थना करने के परमेश्वर के आदेश का पालन करने का एक आसान तरीका है। और यह बस ऐसा ही लगता है जैसे घूमते हुए परमेश्वर से प्रार्थना करना!

हमारी आँखों को बंद करने और हमारे सिर झुकने के बजाय, हम अपनी आंखों को उन जरूरतों के प्रति खुले रख देते हैं जो हम अपने आस-पास देख सकते हैं और हम नम्रता से परमेश्वर से हस्तक्षेप करने के लिए पूछने के लिए हमारे दिल को झुकाते हैं।

आप दो या तीन के छोटे समूहों में प्रार्थना चलन कर सकते हैं या आप भी खुद से प्रार्थना चलन कर सकते हैं।

यदि आप एक समूह में जाते हैं तो सभी को एक बड़ी आवाज में प्रार्थना करने के लिए कहें। यह सभी के बारे में परमेश्वर के साथ एक बातचीत हो, जो सभी देख रहे हैं और उन चीजों की जरूरत है जो परमेश्वर अपने दिल में डाल रहे हैं। यदि आप अपने आप से जाते हैं तो आप चुपचाप प्रार्थना करते हैं जब आप अकेले हैं और ज़ोर से बोलते हैं, जब आप किसी के साथ जिससे आप मिले, प्रार्थना करते हैं।

यहां चार तरीके हैं जिन्हें आप प्रार्थना चलन के दौरान प्रार्थना कर सकते हैं।

निरीक्षण - आप क्या देखते हैं? यदि आप किसी बच्चे का खिलौना देखते हैं, तो आपको पड़ोस के बच्चों, परिवारों के लिए या क्षेत्र के स्कूलों के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

अनुसंधान - तुम्हें क्या पता है? यदि आपने पड़ोस के बारे में पढ़ा है, तो आप वहां रहने वाले लोगों के बारे में कुछ जानते हैं या वह क्षेत्र अपराध या अन्याय से ग्रस्त है। इन बातों के बारे में प्रार्थना करो और परमेश्वर से कार्य करने के लिए कहें।

प्रकाशन- पवित्र आत्मा आपके दिल से बात कर सकता है या वह किसी विशेष ज़रूरत या प्रार्थना क्षेत्र के बारे में सोचने के लिए एक विचार दे सकता है। सुनो - और प्रार्थना करो!

शास्त्र वचन - जब आप पैदल चलने की तैयारी कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने बाइबिल से आपके मन में हिस्सा लिया हो। उस छंद के बारे में प्रार्थना करें और उस क्षेत्र में लोगों पर इसका प्रभाव कैसे हो सकता है।

यहां प्रभाव के पांच क्षेत्र हैं जिन पर आप अपनी प्रार्थना चलन के दौरान ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

सरकार - ऐसे न्यायालयों, कमीशन भवनों या कानून प्रवर्तन कार्यालयों जैसे सरकारी केंद्रों की तलाश करें और उनके लिए प्रार्थना करें। क्षेत्र के संरक्षण, न्याय के लिए और उसके नेताओं के लिए ईश्वरीय ज्ञान के लिए प्रार्थना करो।

व्यवसाय और वाणिज्य - वित्तीय जिलों या शॉपिंग क्षेत्र जैसे वाणिज्यिक केंद्रों की तलाश करें और उनके लिए प्रार्थना करें। धर्मार्थ निवेश और संसाधनों के अच्छे प्रबंधन के लिए प्रार्थना करें। आर्थिक न्याय और अवसर और उदारता और उपहार देने वालों के लिए प्रार्थना करें जो ईश्वरीय हैं और जिनके मुनाफे की तुलना में लोग अधिक महत्वपूर्ण हैं।

शिक्षा - स्कूलों और प्रशासनिक इमारतों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों, सामुदायिक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों जैसे शैक्षणिक केंद्रों की तलाश करें और उनके लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर की सच्चाई को सिखाने और अपने छात्रों के दिलों की रक्षा के लिए धर्मार्थ शिक्षकों के लिए प्रार्थना करो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर झूठ या भ्रम को बढ़ावा देने के हर प्रयास में हस्तक्षेप करेगा। प्रार्थना करें कि ये स्थान ऐसे बुद्धिमान नागरिकों को भेजेंगे जिनके पास सेवा करने और नेतृत्व करने के लिए दिल है।

संचार - रेडियो स्टेशनों, टीवी स्टेशनों और समाचारपत्र प्रकाशकों जैसे संचार केंद्रों की तलाश करें और उनके लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करो कि परमेश्वर की कहानी और उनके अनुयायियों की गवाही पूरे शहर और दुनिया भर में फैल जाए। प्रार्थना करें कि उनका संदेश उनके माध्यम से उनके बहुसंख्यक लोगों तक पहुंचाया जाता है। ताकि हर जगह परमेश्वर के लोग परमेश्वर के काम देखेंगे।

आध्यात्मिकता - चर्च की इमारतों, मस्जिदों या मंदिरों जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की तलाश करें और उनके लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि हर आध्यात्मिक साधक को यीशु में शांति और आराम मिल जाएगा। और किसी भी झूठे धर्म से विचलित या भ्रमित नहीं हो।

B.L.E.S.S प्रार्थना

पढ़ों और अभ्यास करो {20 मिनट}

अंत में, यहां पांच तरीके हैं जिनसे आप अपनी प्रार्थना चलन के दौरान मिलने वाले लोगों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।

जब आप चलते हैं और प्रार्थना करते हैं, तो अवसरों के लिए सचेत रहें और परमेश्वर की आत्मा से रास्ते में आने वाले व्यक्तियों और समूहों के लिए प्रार्थना करने के लिए सुने जाएं।

आप कह सकते हैं, "हम इस समुदाय के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, क्या कुछ खास बात है कि हम आपके लिए प्रार्थना कर सकते हैं?" या आप यह कह सकते हैं, "मैं इस क्षेत्र के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। क्या हमें कुछ विशेष रूप से प्रार्थना करनी चाहिए? "उनके जवाब सुनने के बाद आप उन्हें अपनी आवश्यकताओं के बारे में पूछ सकते हैं अगर वे साझा करते हैं, तो तुरंत उनके लिए प्रार्थना करें अगर परमेश्वर आपको बताता है, तो आप अन्य जरूरतों के बारे में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

आप प्रार्थना करने के 5 अलग-अलग तरीकों को याद रखने में मदद करने के लिए शब्द B.L.E.S.S का प्रयोग करें।

- BODY शारीरिक स्वास्थ्य]
- LABOUR श्रम [नौकरी और वित्त]
- Emotional भावनात्मक [मनोदशा]
- Social सामाजिक [रिश्ते]
- Spiritual आध्यात्मिक [अधिक जानने और परमेश्वर को प्यार]

ज्यादातर मामलों में, लोग आभारी होते हैं क्योंकि आप उनके लिए प्रार्थना करना चाहते हैं।

अगर वह व्यक्ति ईसाई नहीं है, तो आपकी प्रार्थना आध्यात्मिक बातचीत के लिए दरवाजा खोल सकती है और यह आपकी कहानी और परमेश्वर की कहानी साझा करने का अवसर हो सकता है। आप उन्हें बाइबिल अध्ययन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं या उन्हें उनके घर में भी रख सकते हैं।

यदि वह व्यक्ति ईसाई है तो आप उन्हें अपनी प्रार्थना में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं या उन्हें प्रशिक्षित कर सकते हैं कि वे कैसे प्रार्थना कर सकते हैं और प्रभाव के क्षेत्रों या B.L.E.S.S. परमेश्वर के परिवार को बढ़ने की प्रार्थना

क्रिया [15 मिनट] - अपने आप को दो या तीन के समूह में विभाजित करें और अगले 15 मिनट के लिए "B.L.E.S.S प्रार्थना" का अभ्यास करें। किसी के लिए "B.L.E.S.S प्रार्थना" के 5 क्षेत्रों के लिए प्रार्थना करने का अभ्यास करें और अभ्यास करें कि आप दूसरों को B.L.E.S.S प्रार्थना करना सिखाएगें।

प्रार्थना चलन का अभ्यास करें

अभ्यास {60-90 मिनट}

क्रिया {60-90 मिनट} दो या तीन के समूह में जाएं और प्रार्थना चलन के अभ्यास के लिए समुदाय में जाएं। एक स्थान को चुनना आपके वर्तमान सत्र या एक मंजिल की योजना बनाने और प्रार्थना करने से बाहर चल कर जाने जैसा ही होता है। जैसा परमेश्वर अगुवाई करता, और इस क्रिया पर 60-90 मिनट बिताने की योजना बनाएं।

बधाई हो! आपने सत्र 05 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

बाहर अकेले जाने के द्वारा या कम से कम एक छोटे समूह के साथ जाने के द्वारा प्रार्थना चलन के द्वारा अभ्यास करने में समय बिताएं।

बाँटना

परमेश्वर से पूछते समय खर्च करें कि आपके समूह के पुन: मिलने से पहले वह किसके साथ चाहता है कि आप प्रार्थना चलन को बाँटे। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

आपकी प्रार्थना चलन क्रिया पर जाने से पहले, अपना समय आपके समूह के साथ अंत करने के लिए प्रार्थना करने के प्रति निश्चित रहें। परमेश्वर का धन्यवाद कि वह खोए हुओ से अंतिम और छोटे से छोटे भी जिस में हम भी है-प्रेम करता है। आपका

दिल तैयार करने के लिए और उनका जिनको आप उसके कार्य के लिए खुला होने की चलन के दौरान मिलेंगे को दिल को तैयार करने के लिए कहें।

सत्र 06

इस सत्र में, हम सीखेंगे कि ईश्वर विश्वासयोग्य अनुयायियों का उपयोग कैसे करता है, भले ही यह वफादार अनुयायी नयें हों। उन अनुयायियों की तुलना में जो बहुत ज्ञान और प्रशिक्षण लेते हैं, परन्तु परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानेंगे। हम एक दूसरे के साथ मिलने के लिए एक नई विधि समझेंगे जो शिष्यों को गुणात्मक रिती द्वारा तेजी से बढ़ने मे मदद करेगी।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आपको कुछ समय प्रार्थना चलन पर खर्च करने के लिए कहा गया था।
2. आपको किसी अन्य के साथ प्रार्थना चलन साधन को बाँटने के लिए उत्साहित किया गया था।

कुछ पल यह देखने के लिए निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करें और परिणाम के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और उसके पवित्र आत्मा को आपकी एकसाथ अगुवाई करने का निमंत्रण दें।

वफादारी

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *प्रत्येक जो मेरे यह शब्द सुनता और करता उस एक बुद्धिमान पुरूष जैसा है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।*

यहां पर दो विचार है जिन्होंने आज, कलीसिया में कई समस्याओं को कारण दिया है!

पहला यह विचार है कि किसी की आत्मिक परिपक्ता इससे संबंधित है कि कितना वह परमेश्वर के वचन के बारे जानते है। वह ऐसे कार्य करते जैसा सही विश्वास-या कट्टरपंथिता किसी भी विश्वास का अच्छा माप है।

दूसरा यह विचार है कि अगुवाई करने के लिए किसी की योग्यता के लिए सेवकाई में उनके आरम्भ करने से पहले एक "पूर्ण प्रशिक्षण" की माँग करता है। वह ऐसे कार्य करते जैसा कि पूर्ण ज्ञान-सेवा करने के लिए किसी की योग्यता का एक अच्छा माप है।

पहले विचार के साथ समस्या - कट्टरपंथिता पर निर्भरता-या "सही विश्वास" के साथ यह है कि शैतान, स्वयं, किसी भी मनुष्य से ज्यादा वचनों को जानता है। परमेश्वर का वचन कहता है-आप विश्वास करते कि परमेश्वर एक है। अच्छा है! यहां तक कि दुष्ट आत्माएं भी उस पर विश्वास करती और थरथराती है।

किसी भी आत्मिक परिपक्ता का एक अच्छा माप ओर्थोपरैक्सी-"सही अभ्यास" है।

जो हम जानते है पर अधारित परिपक्ता के माप की बजाए हमें आज्ञा मानने और बाँटने में वफादारी के प्रति ज्यादा चितिंत होना चाहते है।

दूसरे विचार के साथ समस्या कि किसी के अगुवाई करने से पहले उसे पूरी तरह प्रशिक्षित होना आवश्यक है वह यह कि कोई भी पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं है। यीशु ने उन युवा अगुवों को बाहर भेजने के द्वारा नमूना दिया जिन को अभी भी राज्य में सबसे महत्वपूर्ण कार्य में से कुछ सीखना था।

परमेश्वर का वचन कहता है - *यीशु ने उसके बाराह शिष्यों को एक साथ बुलाया और उन्हें सभी दुष्टाअत्माओं और बीमारियों पर शक्ति दी। तब उसने उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने और बीमारों को चंगा करने के लिए भेजा।*

यह मनुष्य इससे पहले कि पतरस ने अपने विश्वास को बाँटा कि यीशु उद्धारकर्ता है भेजे गए थे-कुछ जो हमने विश्वास की एक पहली रूकावट करके गिना है और भेजे जाने के बाद यीशु ने कई बार पतरस को उसकी गलतियों के लिए डाँटा था और पतरस अभी भी बाद में, पूरी तरह यीशु का इन्कार कर देता है। अन्य शिष्यों ने इस बात पर बहस की कि उन में से बड़ा कौन है और वह परमेश्वर के भविष्य के राज्य में क्या भूमिका रखेगा।

उन सब को अभी बहुत कुछ सीखना था पर यीशु ने उन्हें जो वह पहले से जानते थे उसे बाँटने के कार्य के लिए भेजा।

वफादारी-ज्ञान से भी ज्यादा-कुछ वह है जो तब ही शुरू हो जाती जब कोई यीशु के पीछे चलना आरम्भ करता है।

वफादारी-प्रशिक्षण से भी ज्यादा कुछ वह है जो हमें जो दिया गया उसके साथ क्या करते के द्वारा मापी जा सकती है।

अगर हम उसका आज्ञा पालन करें और बाँटे जो कि हम दूसरो से सूनते है, हम वफादार होते है। अगर हम सुनते पर हम आज्ञा पालन करने और बाँटने से इन्कार करते, हम बेवफा है।

जब हम शिष्यों की गुणात्मक वृद्धि करते, आओ हम इस बात को सुनिश्चित करें कि हम बातों को सही ढंग से माप रहे है।

क्रिया {12 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

उन परमेश्वर की आज्ञाओं के बारे सोचे जिन्हें आप पहले से ही जानते है। उन बातों की आज्ञा पालन करने और बाँटने से आप कितने वफादार है?

_____

_____

_____

_____

_____

3/3 समूह प्रारूप

सुनो/पढ़ो और अभ्यास करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *"जहां दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे हुए हैं, मैं उनके बीच में हूं।"*

यह एक शक्तिशाली वादा है यह एक वादा है कि जो यीशु के हर अनुयायी ने उसका लाभ उठाना चाहिए। लेकिन जब आप एक समूह के रूप में एक साथ आते हैं, तो आपको अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहिए?

एक 3/3 समूह वह है जो अपने समय को 3 भागों में विभाजित करता है, ताकि वे कुछ महत्वपूर्ण चीजें जो यीशु के आदेशों का पालन करते हैं, का पालन कर सकें।

यह इस तरह से काम करता है।

पीछे देखें [1/3 अपना समय]

देखभाल और प्रार्थना। समूह में प्रत्येक व्यक्ति को उन चीज़ों के बारे में बताएं जिनके लिए वे आभारी हैं। उसके बाद प्रत्येक व्यक्ति कुछ साझा करता है जिसके साथ वे संघर्ष कर रहे हैं। अपने दाहिने हाथ पर बैठे व्यक्ति को अपने द्वारा साझा किए गए चीजों के बारे में प्रार्थना करने के लिए कहें। अगर कोई ऐसा व्यक्ति है जो उस चीज़ से जूझ रहा है जिसके लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है तो उस व्यक्ति की देखभाल करने के लिए उसके साथ रहें।

Vision: एक साथ गायन में समय व्यतीत करें। परमेश्वर से प्रेम करने, दूसरों को प्यार करने, यीशु को दूसरों के साथ साझा करने, नए समूहों को शुरू करने, और दूसरों की मदद करने के लिए शब्दों के साथ गाने गाएं। लोग एक वैकल्पिक के रूप में, बाइबिल के उन अंशों को साझा कर सकते हैं जो इन विषयों को संवाद करते हैं।

चेक इन: प्रत्येक व्यक्ति को यह साझा करने के लिए कहें कि वे पिछले हफ्ते से अपनी वचनबद्धता कैसे लिखी हैं।

1. आपने जो कुछ सीखा है, उसका पालन कैसे किया?
2. आपने क्या सीखा है में आपने किसको प्रशिक्षित किया है?
3. किसके साथ आपने अपनी कहानी या परमेश्वर की कहानी साझा की है?

यदि वे इन प्रतिबद्धताओं को भूल गए या उनके पास ऐसा करने का अवसर नहीं था, तो पहले सप्ताह से उन प्रतिबद्धताओं को इस सप्ताह की प्रतिबद्धताओं में जोड़ा जाना चाहिए। अगर कोई उन चीज़ों का पालन करने से इंकार करता है जो स्पष्ट रूप से परमेश्वर से सुनें हैं तो इसे चर्च अनुशासन के मुद्दे के रूप में माना जाना चाहिए।

ऊपर देखो [1/3 अपना समय]

प्रार्थना। एक सरल तरीके से परमेश्वर से बात करें, संक्षेप में। परमेश्वर से आपको बाइबिल के इस भाग को सिखाने के लिए कहें।

पढ़ें और चर्चा करें। बाइबिल से इस सप्ताह के वचन का पढ़ें। निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें।

1. बाइबिल से आपको इस शास्त्र के बारे में क्या पसंद आया?
2. बाइबिल से इस वचन के बारे में आपको क्या समझना मुश्किल हुआ?

इस हफ्ते का हिस्सा फिर से पढ़ें।

3. बाइबिल से इस वचन में लोगों के बारे में हम क्या सीख सकते हैं?
4. बाइबिल से इस वचन में हम ईश्वर के बारे में क्या सीख सकते हैं?

आगे देखो [अपने समय का 1/3]

आज्ञा का पालन। प्रशिक्षण। साझा करना । मौन प्रार्थना में कम से कम पांच मिनट का समय लें। समूह में सभी को पवित्र आत्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि वे इन सवालों के जवाब कैसे दें, फिर प्रतिबद्धताएं करें। हर किसी को अपनी वचनबद्धता लिखनी चाहिए ताकि वे लोगों के लिए जानबूझकर प्रार्थना कर सकें और उन्हें उत्तरदायी बना सकें। वे हर सप्ताह प्रत्येक प्रश्न से संबंधित कुछ नहीं सुन सकते हैं।

उन्हें ध्यान देना चाहिए कि यदि वे कोई प्रतिक्रिया साझा करते हैं जो उन्हें यकीन नहीं है कि यह परमेश्वर की ओर से है, लेकिन उन्हें लगता है कि एक अच्छा विचार हो सकता है क्योंकि जवाबदेही उस मामले में एक अलग स्तर पर नियंत्रित की जाएगी।

5. मैं इस वचन को कैसे लागू और पालन करूंगा?
6. मैं इस शास्त्र को किसके साथ प्रशिक्षण या साझा करुंगा?
7. इस सप्ताह परमेश्वर मुझे अपनी कहानी [गवाही] या परमेश्वर की कहानी या दोनों किसके साथ साझा कराना चाहते हैं?

अभ्यास। दो या तीन के समूह में, अभ्यास करें जो आपने प्रश्न 5, 6 या 7 उदाहरण के लिए, एक कठिन बातचीत या प्रलोभन का सामना करने के बारे में भूमिका निभाएं; आज का बाइबिल शास्त्रभाग, या सुसमाचार को साझा करने का अभ्यास करें।

परमेश्वर से बात करें। दो या तीन के एक ही समूह में, प्रत्येक सदस्य के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर से उन लोगों के दिलों को तैयार करने के लिए कहें जो इस सप्ताह यीशु के बारे में सुनेंगे। अपनी प्रतिबद्धताओं के लिए आज्ञाकारी होने के लिए आपको शक्ति और ज्ञान देने के लिए उससे पूछें यह बैठक का निष्कर्ष है

अंत में, आप प्रभु भोज में हिस्सा ले सकते हैं या एक साथ भोजन खा सकते हैं।

नोट - अध्ययन के लिए 3/3 समूहों के लिए गाइडबुक परिशिष्ट में कुछ अनुक्रमित श्रृंखलाएं हैं

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. क्या आपने एक 3/3 समूह और एक बाइबिल अध्ययन या छोटा समूह जिसका आप अतीत में एक हिस्सा रहे (या उसके बारे सुना) के बीच किसी फर्क पर ध्यान दिया था? अगर हां तो इन भिन्नताओं ने समूह पर कैसा प्रभाव डाला?
2. क्या एक 3/3 समूह को एक साधारण कलीसिया माना जा सकता है? क्यों या क्यों नहीं?

_____

_____

_____

_____

_____

एक नमूना 3/3 समूह को देखें

देखों {80 मिनट}

क्रिया {60-90 मिनट}- www.ZumeProject.com पर जाएं और सत्र 6.4 को खोजें। यहां पर आपको एक विडियों मिलेगी जहां पर एक नमूना 3/3 समूह एकत्र होते और इस प्रारूप का अभ्यास करते है।

3/3 समूह यीशु के शिष्यों का इकट्ठा होने, प्रार्थना करने, सीखने, वृद्धि करने, बढ़ने, संगति करने और जो उन्होंने सीखा है उसका आज्ञा पालन करने और बाँटने का एक ढंग है। इस ढंग में एक 3/3 समूह एक साधारण छोटा समूह नहीं पर एक साधारण कलीसिया है।

आपकी झूमे (ZÚME) गाईड पुस्तक में ऊपर 3/3 समूह प्रारूप भाग को खोजें और जब आप वीडियों देखते तो साथ में उसे जाँचे।

बधाई हो! आपने सत्र 06 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

इस सप्ताह परमेश्वर की आज्ञाएं जो आप जानते उन में से कम से कम एक का आज्ञा पालन करते और बाँटने के द्वारा वफादारी का अभ्यास करें।

बाँटना

इस सत्र में आपने वफादारी के बारे जो सुना और सीखा है उसके बारे सोचे, और परमेश्वर से पूछें कि वह किसके साथ चाहता है कि इसे बाँटा जाए। आपके जाने से पहले समूह को इस व्यक्ति का नाम बताएं।

प्रार्थना करना

परमेश्वर का उसकी वफादारी के लिए धन्यवादी करें-उस प्रत्येक वायदें को पूरा करने के लिए जो उसने किए थे। आपकी और जो समूह आपने को उसके लिए और वफादार बनने में सहायता करने के लिए उसने कहें।

सत्र 07

इस सत्र में, हम एक प्रशिक्षण चक्र सीखेंगे जो चेलों को एक से कई तक जाने में मदद करता है और एक मिशन को एक आंदोलन में परिवर्तित कर सकता है। हम 3/3 समूह फ़ॉर्मेट का भी अभ्यास करेंगे और सीखेंगे कि बैठक का तरीका आपके द्वारा गुणा के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकता है।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आप परमेश्वर की आज्ञाओं में से एक की आज्ञा मानने और पालना करने के द्वारा वफादारी का अभ्यास करने के लिए कहे गए थे।
2. आप किसी अन्य के साथ वफादारी की महत्ता को बाँटने के लिए उत्साहित किए गए थे।

यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

यीशु के पीछे चलने के लिए समूह के समर्पण के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें और धन्यवाद करें और एक साथ आपके समय को अगुवाई करने के लिए पवित्र आत्मा को कहें।

प्रशिक्षण चक्र

सुनो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा - *पुत्र स्वयं से कुछ नहीं कर सकता, जब तक वह कुछ पिता को करता हुआ नहीं देखता, क्योंकि जो भी पिता करता है, वही पुत्र भी करता है. . .*

क्या आपने कभी साईकिल चलाना सीखा है? क्या आपने कभी किसी और की सीखने में सहायता की है? अगर हां, तो यह संभव है कि आप पहले से ही प्रशिक्षण चक्र का जानते है।

प्रशिक्षण चक्र मॉडल, सहायता, देखने और छोड़ना है ।

पीछे की तरफ सोचें-आपके कभी भी साईकिल चलाने से पहले, आपने पहले किसी को पहले चलाते देखा था। वह नमूना बनना है।

नमूना बनें, सहायता करें, नज़र रखना और छोड़ दें।

नमूना बनना साधारण किसी अन्य को उदाहरण देना है कि यह कैसे किया जाता है।

जब एक बच्चा पहले किसी और को साईकिल चलाता देखता है, वो तुरन्त समझ जाता है। नमूना बनना भी वैसा ही है-यह अक्सर नहीं किया जाना है, और आम तौर पर यह केवल एक बार किया जाना है।

वह पहली बार साईकिल चलाने के बारे सोचें। क्या आप केवल देखना ही चाहते थे? या आप भी साईकिल पर चढ़ कर एक बार प्रयास करना चाहते थे? अगर कोई भी आपको अवसर ना देता तो क्या होता?

बहुत ज्यादा नमूना बनना असल में प्रशिक्षण प्रक्रिया को नुक्सान पहुँचा सकता है। नमूना बनना किसी अन्य को थोड़ा सा कर के दिखाना है-और फिर उन्हें स्वयं कोशिश करने देना है।

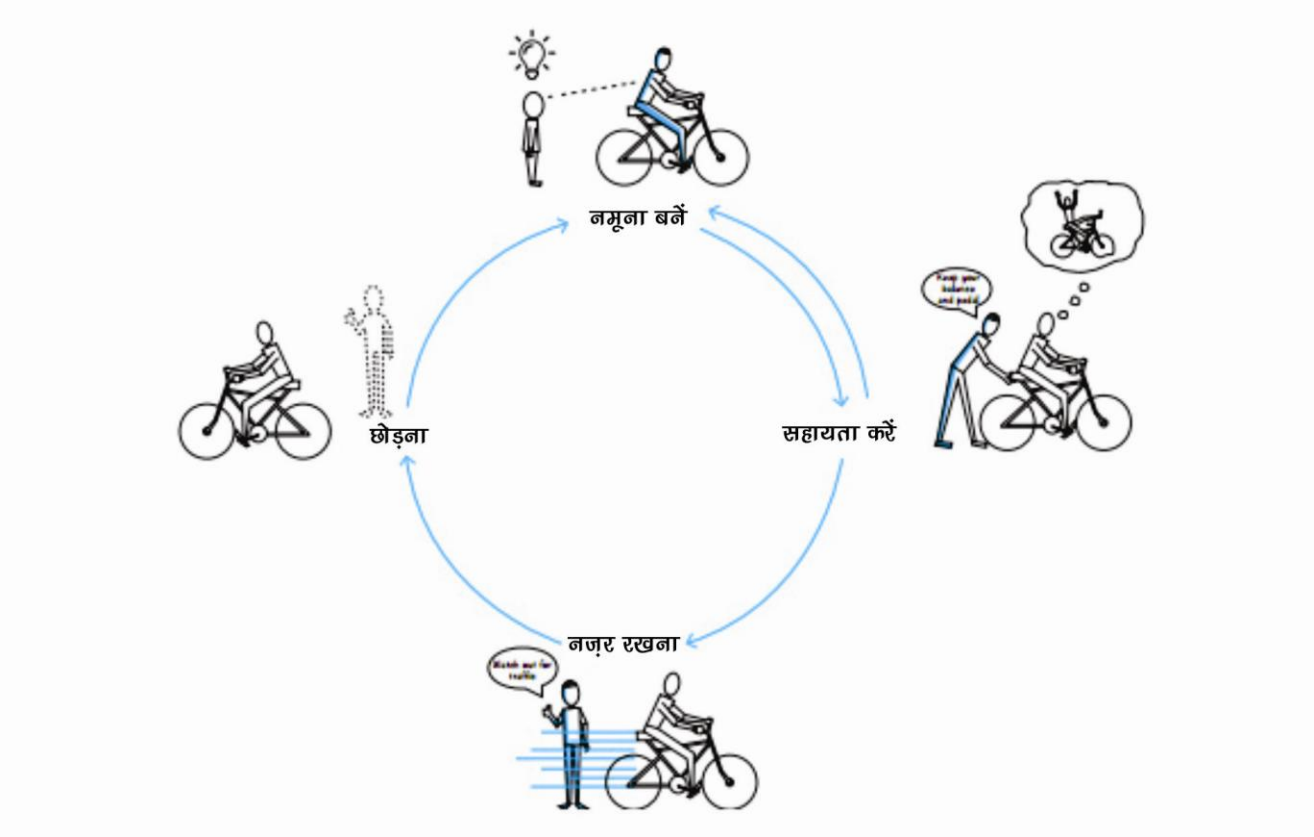

इस तरह पहली साईकिल चलाने के साथ का हुआ, क्या उन्होंने आपको साईकिल पकड़ाई और चले गए?

संभव ही नहीं।

जब कोई भी पहली बार साईकिल चलाना सीखता है, तो कोई वहां पर उसके कुछ पैडल के लिए वहां पर होता है, साथ चलने के लिए और आपको मार्ग पर बनाए रखने के लिए।

वह सहायता करना है।

नमूना बनें, **सहायता करें,** नज़र रखना और छोड़ दें।

सहायता करना एक सीखने वाले को एक कौशल का अभ्यास करने देना है पर यह सुनिश्चित करना है कि गिरना ज्यादा मुश्किल नहीं है।

सहायता करना नमूना बनने से लम्बा होता है। पर ज्यादा लम्बा नहीं। इसके लिए कुछ देर तक हाथ पकड़ना कुछ दिशा-निर्देश और कुछ कोचिंग की जरूरत होती है, पर यह केवल बुनियादी बातों को ही सीखाना है। यह किसी को परिपक्क बनाना नहीं है। यह उन्हें कुछ पैडल मारने देना है।

क्या आपने कल्पना की कि आप किसी के साथ दौड़ रहे जब आपने पैडल मारना आरम्भ किया और फिर कुछ गति पकड़ ली? वह ज्यादा देर तक नहीं टिकेंगे, और आप भी अपना संतुलन बनाना नहीं सीख पाएंगे।

सहायता करना किसी को चलते रखना और उनके अपने आप कुछ करने को प्रेरित करना है। और जब वह चलना आरम्भ करते, वह असल में मार्ग में अगल शिष्य को नमूना दे रहे है।

यहां तक कि जब किसी और के हाथ साईकिल पर होते है, इसका यह अर्थ नहीं कि आप अकेले है। आम तौर पर यहां पर दूर से कोई आप पर नज़र रखे हुए है।

वह नज़र रखना है।

नमूना बनें, सहायता करें, **नज़र रखना** और छोड़ दें।

नज़र रखना एक शिष्य को तब तक प्रभावित करना है जब तक कि वह अपने कौशल में बिना नियंत्रण की सहायता लिए स्वयं योग्य नहीं हो जाते।

साईकिल चलाने में, कोई उठ सकता और तेजी के साथ आगे बढ़ सकता है, पर इसका यह अर्थ नहीं कि वह सड़क के सभी नियमों को जानते है।

नज़र रखना किसी के लिए यह सुनिश्चित करना है कि वह सुरक्षित रहे-तब भी जब कोई उसके पास नहीं है। नज़र रखना यह सुनिश्चित करना है कि कोई जानता है कि क्या करना है, पर यह भी कि वह इसे करेंगे-चाहे कोई भी नहीं देख रहा है।

इस प्रशिक्षण चक्र के पड़ाव में, शिष्य बढ़ना सीखा सके. . .ताकि वह भी आगे अन्यों को बढ़ना सीखा सकें। शिष्य वो है जो आगे शिष्य बनाते है। यह सब तीसरी और चैथी पीढ़ी तक चलता रहता है।

नज़र रखना यह सुनिश्चित करना है कि एक शिष्य परिपक्क हो और केवल इच्छुक ही नहीं पर दूसरों की सहायता करने के योग्य भी हो। नज़र रखने को कुछ समय लगता है। यह नमूना बनने और सहायता करने से मिलाकर दस गुणा लम्बी हो सकती है। यह लम्बी हो सकती है। पर इंतजार करना मूल्यवान है।

अंत-साईकिल चलाने वाला इसे चलाता है।

यही सब छोड़ना से संबंधित है।

नमूना बनें, सहायता करें, नज़र रखना और **छोड़ दें।**

छोड़ना स्नातक होने का एक प्रकार है, जब शिक्षार्थी गुरु के सहकर्मी बन जाता है। यदि सीखने और संरक्षक एक ही नेटवर्क में हैं, तो नियमित संपर्क और सहकर्मी सलाह जारी रख सकते हैं।

साईकिल चलाने में, वह जो आपको साईकल चलाना सीखाता है प्रत्येक बार जब आप इसे चलाते तो हर बार नहीं सीखाता। कुछ समय तो वह इसे आपके साथ चला सकते है। कई बार आप इसे अलग, या अन्यों के साथ, या अकेले चलाते है। छोड़ना जिस से आप प्रेम करते उसे अंतिम उपहार देना है-आजादी का उपहार।

छोड़ना किसी को उस स्थान के लिए तैयार करना है जहां आप पहले ही जा चुके है पर साथ ही उन्हें जहां आप नहीं गए वहां जाने के लिए उत्साहित करना है।

नमूना बनें, सहायता करें, नजर रखा और छोड दें-एक प्रशिक्षण चक्र

एक से बहुत ज्यादा।

एक मिशन से एक अंदोलन

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. क्या आप कभी एक प्रशिक्षण चक्र का हिस्सा रहे है?
2. आपने किसको प्रशिक्षण दिया? या आपको किस ने प्रशिक्षण दिया?
2. क्या वही व्यक्ति भिन्न-भिन्न सीखने की कौशलता को सीखाते भिन्न-भिन्न प्रशिक्षण चक्र का भाग हो सकता है?
3. किसी ऐसे को सीखाना कैसा लगेगा?

_____

_____

_____

_____

_____

3/3 समूह प्रारूप का अभ्यास करें

पढ़ें और चर्चा करो {90 मिनट}

क्रिया [90 मिनट] - अपने पूरे समूह को पृष्ठ 1 9 -20 पर 3/3 समूह फॉर्मेट अनुभाग में 3/3 समूह फॉर्मेट का अभ्यास करने के लिए अगले 9 0 मिनट का समय दें।

- पीछे देखें - "विश्वासयोग्यता" अभ्यास करने के लिए पिछले सप्ताह से सत्र चुनौतियां का उपयोग करें।
- ऊपर देखें - ग्रुप के पठन शास्त्र के लिए मार्क 5: 1-20 का उपयोग करें। 1- 4 प्रश्नों का उत्तर दें।
- आगे देखें - प्रश्न 5, 6 और 7 का प्रयोग करें, यह जानने के लिए कि आप परमेश्वर, ट्रेनिंग और शेयर का पालन कैसे करेंगे

याद रखें - प्रत्येक अनुभाग को आपके प्रैक्टिस टाइम के लगभग 1/3 [या 30 मिनट] लेना चाहिए।

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. आपने 3/3 समूह के बारे सबसे उत्तम क्या पसंद किया था? क्यों?
2. सबसे चुनौतीपूर्ण क्या था? क्यों?

_____

_____

_____

_____

_____

बधाई हो! आपने सत्र 07 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

इस सप्ताह आज्ञा मानते, प्रशिक्षण देते, और जो 3/3 समूह अभ्यास के दौरान जो समर्पण आपने किए पर आधारित बाँटते हुए समय खर्च करें।

बाँटना

प्रार्थना करें और परमेश्वर से पूछे कि वह आप दोबारा समूह में मिलने से पहले 3/3 समूह प्रारूप को किसके साथ चाहता है कि बाँटा जाएं। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

परमेश्वर का धन्यवाद करें कि वह हमं उसके सबसे महत्वपूर्ण कार्य उसके परिवार की वृद्धि में हमें निमंत्रण देने के लिए काफी प्रेम करता है।

सत्र 08

इस सत्र में, हम यह सीखेंगे कि कम समय में लीडरशिप सेल्स अनुयायियों को जीवनकाल के लिए नेता बनने के लिए तैयार कर सकती है।हम सीखेंगे कि कैसे दूसरों की सेवा करना यीशु की कार्यनीति है। और हम एक बार फिर 3/3 समूह के रूप में अभ्यास करेंगे।

चेक इन

आरम्भ करने से पहलेख् कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आपको 3/3 समूह अभ्यास के दौरान आपके समर्पण पर आधारित आज्ञा मानने, प्रशिक्षण और बाँटने का अभ्यास करने के लिए कहा गया था।
2. आप किसी अन्य के साथ 3/3 समूह प्रारूप को बाँटने के लिए उत्साहित किया गया था।

यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

आपके समूह को ऊर्जा देने के लिए उस केन्द्र और वफादारी के लिए प्रशिक्षण में यहां तक लाने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और प्रार्थना करें। परमेश्वर से कहें कि समूह में प्रत्येक को याद कराएं कि वह उसके बिना कुछ नहीं कर सकते है।

लीडरशिप सेल्स

देखो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

यीशु ने कहा, *जो कोई भी तुम में बड़ा होना चाहे वह आपका दास बनें।*

एक से दो बन गए। दो से चार बन गए। चार से आठ बन गए।

व्यक्तिगत गुणात्मक वृद्धि। पीढ़ी-दर-पीढ़ी वृद्धि। घातांकी वृद्धि।

यही वह नमूना है जो परमेश्वर ने अपनी सृष्टि में निर्माण किया था। यही ढंग था जो परमेश्वर ने उसके परिवार की वृद्धि के लिए चाहा था।

हमने पहले से सीखा है कि 3/3 समूह नमूना जो उपभोक्ताओं को उत्पादकों में, शिष्यों को अगुवों को और शिष्य को शिष्य बनाने वालों में बदलता है।

लीडरशिप सेल्स तब अच्छा कार्य करता जब एक समूह गतिशील है।

खानाबदोश, विद्यार्थी, सैनिक लोग, मौसमी क्षमिक जो पहले से यीशु के पीछे चलते एक लीडरशिप सेल्स में महान कार्य करते है। उनकी संस्कृति के कारण उनके पेशे या जीवन की ऋतु के कारण-उनके पास एक निरंतर समूह स्थापित करने में मुश्किल हो सकती है, पर वह पूर्ण प्रशिक्षित हो सकते है कि प्रत्येक स्थान जहां पर वह यात्रा करते में कैसे समूह को आरम्भ कर सकें।

लीडरशिप सेल्स तब भी अच्छा करते जब एक समूह एक ही समय में विश्वास में आता है। एक परिवार, मित्रों को एक नैटवर्क या एक छोटा समूह थोड़े समय में ही प्रशिक्षण हो कर एक जीवन भर के लिए उत्पादक बन सकते है-यहां तक कि फोलो-अप-या आत्मिक कोंचिग के बिना भी।

पीछे देखें - ऊपर देखें - आगे दिखें

सीखें, आज्ञा पालन करें-बाँटे।

एक साथ मिलने का ढंग व्यक्तिगत विश्वासियों में निरतंर आत्मिक वृद्धि को और यीशु के शिष्यों में निरंतर पुनरूत्पादन वृद्धि को उत्पन्न करता है। उसका नमूना शिष्यों को गुणात्मक वृद्धि करने में सहायता करता है।

पर अगर एक समूह केवल थोड़े समय के लिए ही एक साथ है तब क्या होगा? क्या वह तब भी वृद्धि कर सकते और परमेश्वर के राज्य को पुनरूत्पादन कर सकते है।

लीटरशिप सेल्स एक 3/3 नमूने को कार्य में लाने का एक ढंग है जब आप जानते है कि यहां पर एक समूह को एक साथ कितनी देर तक रखना चाहिए। लीडरशिप सेल्स व्यक्तिगत विश्वासियों को एक थोड़े समय में ही पुनरूत्पादक नमूनों को सीखा सकते जो जीवनभर रहते है।

अगुवाई सैल शिष्यों को अगुवे बनने में सहायता करते जो बाद में एक नया समूह आरम्भ करेंगे, नई कलीसिया को प्रशिक्षण देंगे और परमेश्वर के परिवार की वृद्धि के लिए ज्यादा लीडरशिप सेल्स आरम्भ करेंगे।

अगुवाई सैल शिष्यों को एक थोड़े समय में जीवनभर अगुवा बनने के लिए तैयार करते है।

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. क्या यहां पर यीशु के शिष्यों का समूह है जिसे आप जानते कि वह पहले से मिल रहा या झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण को सीखने के लिए मिलने और एक लीडरशिप सेल्स बनाने का इच्छुक होगा।
2. उन्हें एक साथ लाने के लिए क्या चाहिए होगा?

_____

_____

_____

_____

_____

नोटः लीडरशिप सेल्स 3/3 समूह है जो केवल एक सीमित और पुर्व-निधार्रित समय के लिए {झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण पाठ्क्रम के समान} मिलता है। उद्देश्य एक लोगों के समूह को बाहर जाने और उनका अपना समूह स्थापित करने और प्रशिक्षण समय की समाप्ति पर एक और लीडरशिप सेल्स की स्थापना होगा।

3/3 समूह प्रारूप का अभ्यास करें

अभ्यास करें और चर्चा करें {90 मिनट}

क्रिया {90 मिनट}-अपने पूरे समूह को अगले 90 मिनट 3/3 का अभ्यास करते हुए व्यतीत करने दें।

अगले 90 मिनट के लिए अपने पूरे समूह को अपने झूमे (ZÚME) गाइडबुक में पेज 19 -20 पर प्रतिरूप का उपयोग करते हुए 3/3 समूह प्रारूप का अभ्यास करें।

इस समयः

- पीछे देखें - एक दूसरे के साथ चेक-इन करने के लिए पिछले सत्र के आज्ञा पालन, प्रशिक्षित करना और साझा चुनौतियों का उपयोग करें।
- ऊपर देखें - एक समूह के रूप में पढ़ने के लिए प्रेरितों 2:42-47 का उपयोग करें प्रश्न 1-4 का उत्तर दें।
- आगे दिखें - विकसित करने के लिए आप कैसे सिखे, साझा करे और पालन करने के लिए प्रश्न 5,6 और 7 का इस्तेमाल करें।

पूरे सत्र में समूह में नेतृत्व को प्रसारित करें ताकि प्रत्येक व्यक्ति को नेतृत्व, प्रार्थना, या प्रश्न पूछने का मौका मिले। जो कुछ भी सही हो रहा है, उसमें एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें और कोच करें और थोड़ा अभ्यास के साथ बेहतर क्या किया जा सकता है, और समूह के प्रत्येक सदस्य के लिए और भी बढ़ने के लिए एक अच्छा अगला कदम क्या होगा।

याद रखें - प्रत्येक अनुभाग को आपके अभ्यास टाइम के लगभग 1/3 [या 30 मिनट] लेना चाहिए।

बधाई हो! आपने सत्र 08 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

इस सप्ताह आज्ञा मानते, प्रशिक्षण देते, और जो 3/3 समूह अभ्यास के दौरान जो समर्पण आपने किए पर अधारित बाँटते हुए समय खर्च करें।

बाँटना

प्रार्थना करें और परमेश्वर से पूछे कि वह आप दोबारा समूह में मिलने से पहले 3/3 समूह प्रारूप को किसके साथ चाहता है कि बाँटा जाएं। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

यीशु मसीह को हमें यह दिखाने के लिए असली अगुवे ही असली दास है भेजने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। यीशु को सबसे बड़ी उपलब्ध सेवा अन्यों के लिए हमारे अपने जीवन देना है को सीखाने के लिए धन्यवाद करें।

सत्र 09

इस सत्र में हम सीखेंगे कि रैखिक पैटर्न राज्य के विकास में एक बाधा है और यह कि अनुक्रमिक सोच एक ऐसा कारक हो सकती है जो आपको चेलों को गुणात्मक वृद्धि में सहायता करती है। हम सीखेंगे कि शिष्य बनाने की प्रक्रिया में समय कितना महत्वपूर्ण है और आप गति तेज कैसे करें। हम सीखेंगे कि यीशु के अनुयायी दो चर्चों का एक हिस्सा हो सकते हैं, ताकि वफादार, आध्यात्मिक परिवारों को विश्वासियों के एक बढ़ते समूह में बदल सकें। अंत में हम यह सीखेंगे कि एक साधारण 3 महीने की योजना कैसे परमेश्वर के परिवार को बढ़ाने में हमारे प्रयासों तथा ध्यान केंद्रित करने और हमारी प्रभावशीलता को बढ़ाना में उपयोगी होगा।

चेक इन

आरम्भ करने से पहले कुछ समय चेक-इन के लिए निकालें। अंतिम सत्र के अंत में, आपके समूह में प्रत्येक दो ढंगों में चुनौती दी गई थी।

1. आपको 3/3 समूह अभ्यास के दौरान आपके समर्पण पर अधारित आज्ञा मानने, प्रशिक्षण और बाँटने का अभ्यास करने के लिए कहा गया था।
2. आप किसी अन्य के साथ लीडरशिप सेल्स बाँटने के लिए उत्साहित किया गया था।

यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि आपके समूह ने कैसे किया।

प्रार्थना करें

प्रार्थना करें और परमेश्वर का धन्यवाद करें कि उसके मार्ग हमारे मार्ग नहीं और उसके विचार हमारे विचार नहीं है। उससे कहें कि आपके समूह के प्रत्येक सदस्य को वह मसीह का मन दे-सदैव उसके पिता के कार्य पर केन्द्रित। पवित्र आत्मा से कहें कि एक साथ आपके समूह में पवित्र आत्मा से अगुवाई करे और इसे अभी तक का सबसे उत्तम सत्र बनाएं।

गैर-अनुक्रम

देखें/पढ़े और चर्चा करें {15 मिनट}

एक रेखागत ढंग में सोच की आदत को तोड़ना राज्य की वृद्धि बढ़ाने का एक ढंग है।

ऐसे शिष्य बनाना जो और तेजी के साथ शिष्य बनाते, हमें यह मन में रखना है कि गुणात्मक बातें एक ही समय में हो सकती और यहां पर एक निश्चित क्रम है जिस में उन्हें होना चाहिए।

हमें गैर-अनुक्रम वृद्धि की शक्ति को सीखने की आवश्यक्ता है।

जब लोग शिष्य की गुणात्मक वृद्धि के बारे सोचते है, वह अक्सर इसे कदम-दर-कदम प्रक्रिया करके इसे सोचते है।

पहले प्रार्थना। फिर तैयारी, फिर परमेश्वर के सुसमाचार को बाँटना। फिर शिष्य का निर्माण करना। फिर कलीसियाओं का निर्माण करना। फिर अगुवों को विकसित करना। फिर पुनरूत्पादन करना। जब हम इस ढंग में सीखते है, राज्य की वृद्धि का अनुसरण करना असान प्रतीत होता है, रेखागत और अनुक्रम प्रक्रिया।

एक समस्या यह है कि हमेशा इस तरह से यह कार्य नहीं करता है। एक बड़ी समस्या यह है कि यह अक्सर ऐसे कार्य नहीं करता है।

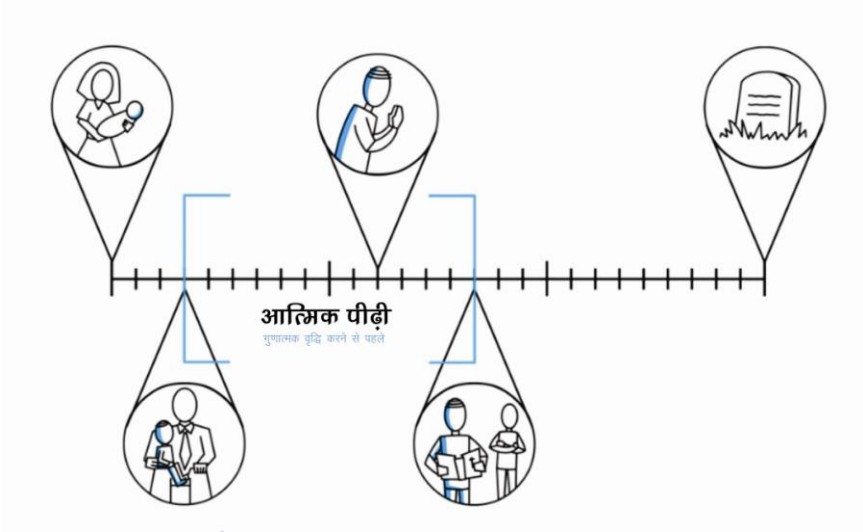

यह रेखागत एक व्यक्ति के जीवन को प्रतिनिधित्व करता है। यहां पर जन्म है। यहां पर पहला समय जब वह सुसमाचार सुनते है। यहीं पर वह यीशु के पीछे चलना चुनते है। यहां पर ही पहली बार अपनी कहानी को और परमेश्वर की कहानी को बाँटते और गुणात्मक वृद्धि को और परमेश्वर की कहानी को बाँटते और गुणात्मक वुद्धि करना आरम्भ करते है। और यही पर उनके जीवन का अंत होता है।

इसलिए यीशु के बारे पहली बार सुनने से लेकर पहली बार यीशु को बाँटने तक ही हम एक आत्मिक पीढ़ी करके मानते है। यह गुणात्मक वृद्धि करने से पहले समय की मात्रा है। यह परमेश्वर के परिवार की वृद्धि से पहले समय की मात्रा है। यहीं चेलापन आम तौर पर सिखाया जाता है।

पर जब हम सबसे बड़ी आशीष के नमूने का इस्तेमाल करते है-देखो क्या होता है।

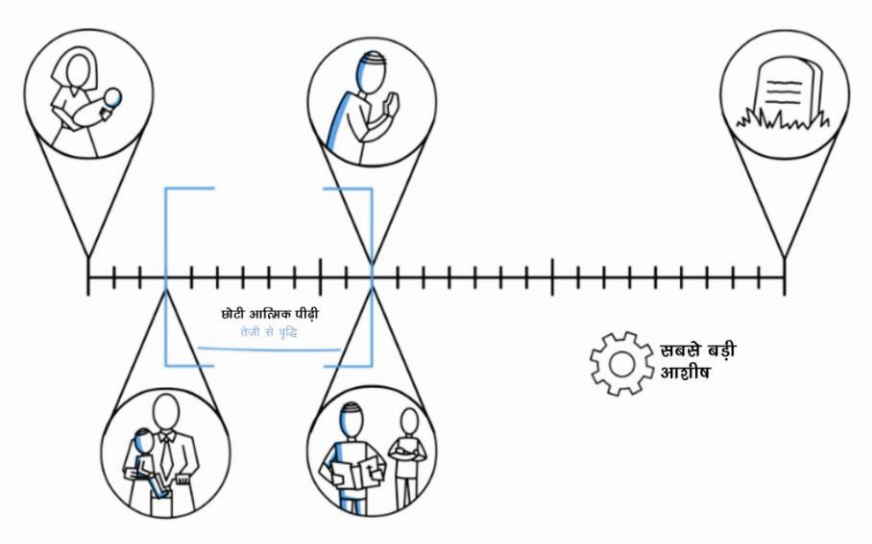

अब एक नया शिष्य तुरन्त गुणात्मक वृद्धि करना आरम्भ करता है। आत्मिक पीढ़ी संक्षप्ति होती है। कोई शीघ्र ही सुसमाचार को सुनाता है। परमेश्वर का परिवार तेजी के साथ बढ़ता है। ज्यादा लोग अनन्त काल के लिए बचाये जाने है।

और यह सब-साधारण चलते रहने के द्वारा होता जब वह गुणात्मक वृद्धि करते है।

पर अगर हम आगे ही बढ़ते रहे तो क्या होता है?क्या अगर कोई इस से भी शीघ्र गुणात्मक वृद्धि करना आरम्भ करता है? क्या होगा अगर वह आपके विश्वास करने से पहले के बाद की बजाए पहले ही बाँटना आरम्भ करते है? कुछ एक समूह को यीशु को "हां" कहने से पहले ही एकत्र करने और जो उन्होंने परमेश्वर के वचन से सीखा अपने मित्रों और परिवार को बाँटने के लिए खुले होते है।

अगर हम इन लोगों को दिखाएं कि कैसे एक समूह को एकत्र करना और जो उन्होंने सीखा को बाँटना और दूसरों को करना सीखाना कि कैसे करना है, परमेश्वर का परिवार और भी तेजी के साथ बढ़ता है।

अब शिष्यता यीशु की तरफ एक मार्ग है नाकि कुछ वह जो हम उद्धार के बाद बाँटते है। यह एक परिवार या मित्रो का ढंग है या यहां तक कि एक गाँव भी यीशु के पीछे चलने के लिए आ सकता है।

पर क्या होगा अगर कोई शीघ्र ही गुणात्मक वृद्धि करना आरम्भ कर दें? क्या होगा अगर कोई परमेश्वर के पुत्र को मिलने से पहले ही परमेश्वर के मार्गों को बाँटना आरम्भ कर दें!

कई बार एक समूह तुरन्त परमेश्वर के सुसमाचार को सुनने के लिए अयोग्य या तैयार नहीं हो सकता है।

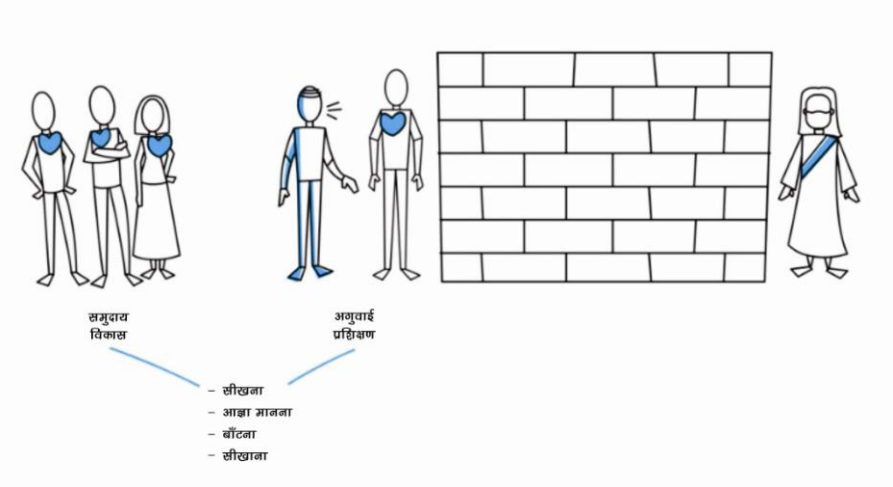

पर यह समूह अभी भी परमेश्वर के ढंगो को सीख सकता है-प्रयास जैसे कि समुदाय विकास या अगुवाई प्रशिक्षण। यह समूह परमेश्वर के नमूनों की गुणात्मक वृद्धि को आरम्भ कर सकता है-सीखना-आज्ञा पालन करना-बाँटना और अन्यों को उनके यीशु के बारे सुनने से पहले ही वही करना सीखाना भी।

जब ऐसा होता है, परमेश्वर के मार्ग इच्छुक हृदयों में अंकित हो जाते है। उसके नमूने समुदाय और व्यक्तिगत जीवनों में बुने जाते है। तब जब परमेश्वर उसके मार्ग को तैयार करता है-परमेश्वर का सुसमाचार उस सच्चाई को प्रकट कर सकता जो वह अब तक प्राप्त कर रहे थे।

इसी ढंग से एक संस्थान, एक समुदाय या एक देश भी यीशु के पीछे चलने के लिए आते है।

गैर-अनुक्रम वृद्धि के लिए अभी वह "क्या आवश्यक है?" सोच चाहिए होती है। चाहे प्रक्रिया कोई भी है – सबसें बडा प्रश्न वही होगा – कौन अच्छी भूमी है जो वफादार होगी? कौन सीखेगा और अभ्यास करेगा और परमेश्वर के मार्गों को बाँटेगा?

इस अच्छी भूमि से परदा हटाना-इन अच्छे हृदयों को खोजना-हमारे समय और ऊर्जा और प्रयास के लिए मूल्यवान होता है। यही वो है जिनके के लिए हमारे जीवनो को उडेंल देते है।

यही वो है जो परमेश्वर के राज्य की उत्तम वृद्धि करते है।

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. इस वीडियों में कौन सा सबसे उत्साहित करने वाला विचार है जो आपने सुना? क्यों?
2. सबसे चुनौती भरा विचार क्या है? क्यों?

_____

_____

_____

_____

_____

गति

देखें/पढ़े और चर्चा करें {15 मिनट}

गति समय के बारे में है-कैसे तेजी के साथ या धीमा गति से बातें होती है। गति मायने रखती है क्योंकि जहां हम सभी अपना अस्तित्व व्यतीत करेंगे-एक अस्तित्व जो समय से आगे जाता-उस संक्षप्ति समय में निधार्रित होता जिसे हम "जीवन" कहते है।

परमेश्वर का वचन हमें बताता है कि परमेश्वर हमारे साथ धीरज रखता है-वह नहीं चाहता कि कोई नाश हो, पर प्रत्येक मन फिराए और उसके पीछे चले।

परमेश्वर हमें ज्यादा समय देता है क्योंकि वह जानता है कि जो उसने करने के लिए हमें बुलाया वह करने के लिए और सब जिन तक उसने हमें पहुँचने के लिए बुलाया पहुँचने के लिए केवल थोड़ा समय ही बाकी है।

ज्यादा निकटता से यीशु के पीछे चलने के लिए हमें और शिघ्रता से उसके लोगो तक पहुँचना होगा। हम हमारा अपना समय ले सकते है। हमें हमारी गति बढ़ानी होगी।

विश्वव्यापी कलीसिया-यीशु के सभी शिष्य एक साथ-पहले से अब कहीं ज्यादा अधिक है। विश्वव्यापी कलीसिया-यीशु के सभी शिष्य एक साथ पहले से कहीं ज्यादा के साथ भी-विश्व्यापी कलीसिया का एक बड़ा भाग है। पर उस बड़ी गिनती के साथ भी-विश्वव्यापी कलीसिया संसार की जनसंख्या से तेज वृद्धि नहीं कर रही है।

उसका अर्थ यह है कि जबकि हम यहां पर और भी ज्यादा है जो कि पहले से कहीं ज्यादा यीशु के पीछे नहीं चल रहे और उससे अलग होकर अनन्त काल को व्यतीत करेंगे-पहले से कहीं ज्यादा अब।

शिष्य बनाना जो वृद्धि करते मायने रखता है।

केवल एक शिष्य के साथ आरम्भ करें। अगर वह गुणात्मक वृद्धि करते और प्रत्येक 18 महीने के बाद एक नया शिष्य बनाते है-एक पूरा साल और एक आधा-और फिर वही शिष्य-10 सालों में वैसा ही करते है, तो यहां पर 64 नए यीशु के शिष्य होगे। 64 लोग अपना अनन्तकाल परमेश्वर को प्रेम करते हुए खर्च करेंगे।

पर अगर वह थोड़ा तेजी के साथ कार्य करते है? अगर वह अपनी गति बढ़ाते है?

अगर वह चार महीनों में साल का एक चैथाई भाग-18 महीनों की बजाए-गुणात्मक वृद्धि करते है, और वही शिष्य करते है-10 सालों में, तो यहां पर एक अरब यीशु के शिष्य होंगे।

उसके बारे में सोचें।

100 से कम की बजाए, 1,000,000,000 से ज्यादा है। सिर्फ गति बढ़ाने से।

18 महीने से चार महीनों में जाने का अर्थ हम चार गुना ज्यादा तेजी के साथ वृद्धि कर रहे है। पर वह गति उस प्रत्येक शिष्य पर 10 सालों के पाठ्क्रम पर लागू होती का अर्थ यह है कि परमेश्वर का परिवार 15 लाख गुणा तेजी के साथ बढ़ रहा है। एक सौ से कम या एक अरब से ज्यादा गति से फर्क पड़ता है। गति मायने रखती है।

हमारी कहानी और परमेश्वर की कहानी को बाँटना और किसी की यीशु के पीछे चलने में अगुवाई करना परमेश्वर के परिवार को बढ़ाता है। एक नए विश्वासी के साथ यह बाँटना कि कैसे ठीक वैसा ही करना है परमेश्वर के परिवार को एक जंगली आग के समान बढ़ाता है।

घातांकी।

साने हुए आटे में खमीर के समान।

झूमे (ZÚME) के समान।

सब गति के कारण है।

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. गति क्यों महत्वपूर्ण है?
2. आपकी सोच में, आपकी क्रियाशीलता में, या आपके व्यवहार में गति के लिए परमेश्वर की प्राथमिक्ता के साथ मेल में उत्तम होने के लिए आपको क्या बदलने की आवश्यक्ता है।
3. वह एक कौन सी बात है जो इस सप्ताह करना आरम्भ कर सकते जो फर्क बनाएगी?

_____

_____

_____

_____

_____

दो कलीसिया का भाग

देखो/पढ़ो और चर्चा करो {15 मिनट}

परमेश्वर के वचन में-हम सीखते है कि हमारे लिए उसकी परिपक्क योजना एक आत्मिक परिवार होकर जीवन व्यतीत करना है। बाइबिल तीन रूप में एक कलीसिया करके इस परिवार के बारे बात करती है।

विश्वव्यापी कलीसिया-सभी विश्वासियों का इकट्ठा होना जो थे, जो है और जो होंगे।

क्षेत्रीय या शहरी कलीसिया-एक शहर या एक देश का भाग करके सभी विश्वासियों का इकट्ठा होना।

साधारण कलीसिया-उन विश्वासियों का इकट्ठा होना जो एक ईमारत या एक घर में एकत्र होते है।

सबसे छोटा समूह-मौलिक कलीसिया-वह आत्मिक परिवार है जो एक साथ जीवन को व्यतीत करता और यह तब उत्तम कार्य करता जब परिवार एक समय पर महीनों या सालों तक मिल सकता और एक साथ कार्य कर सकता है।

इसी के साथ ही, यीशु ने अपने शिष्यों को निर्देश दिया कि उन्हें निरंतर नए परिवारों को आरम्भ करते रहना, उन्हें और ज्यादा यीशु के समान बढ़ाना और कैसे उन्हें भी, आत्मिक परिवारों को आरम्भ करना सीखने में सहायता करना है।

यीशु ने हमें बताया - *सभी जातियों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो, और सब जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी उनका पालन करना सिखाओ।*

इस तरह यह दोनों बाते एक साथ कैसे होती है-कैसे हम एक कलीसिया का हिस्सा हो सकते और नई कलीसिया की स्थापना की प्रक्रिया में भी साथ ही हो सकते है?

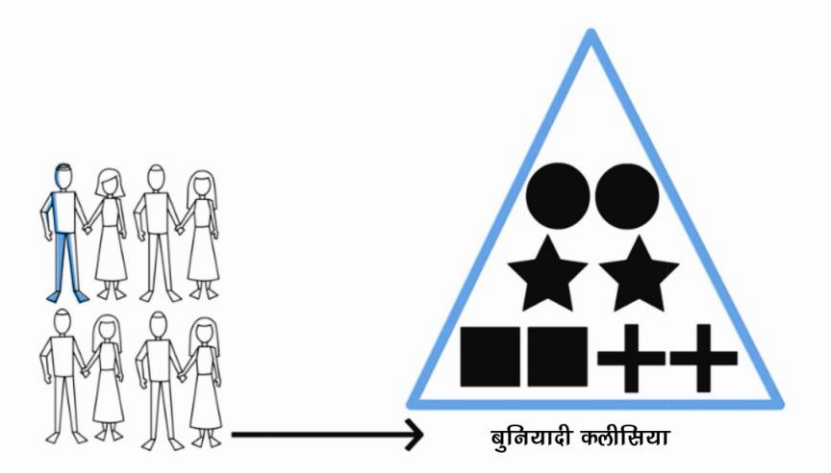

प्रत्येक बुनियादी कलीसिया की कल्पना करें-केवल चार परिवार। प्रत्येक जोड़ा एक भिन्न जोड़े का प्रतिनिध करता जो अपने घर से अगुवाई करते है। सभी जोड़े एक ही कलीसिया का हिस्सा है-यह उनका जारी रहने वाला आत्मिक परिवार है। इन्हीं के साथ वह जीवन व्यतीत करते है-भाई और बहनें जो उन्हें प्रेम में और अच्छे कार्यों के लिए उत्साहित करते है।

पर यही जोड़े एक नए आत्मिक परिवार को आरम्भ करने के लिए भी कार्य कर रहे है। वह उसी ढंग में भाग नहीं ले रहे जैसा कि वह उनके अपने छोटे समूह के परिवार में करते है, पर वह एक नए आत्मिक परिवार को आरम्भ होने और बढ़ने में नमूना बनने और सहायता करने के लिए सहायता कर रहे है।

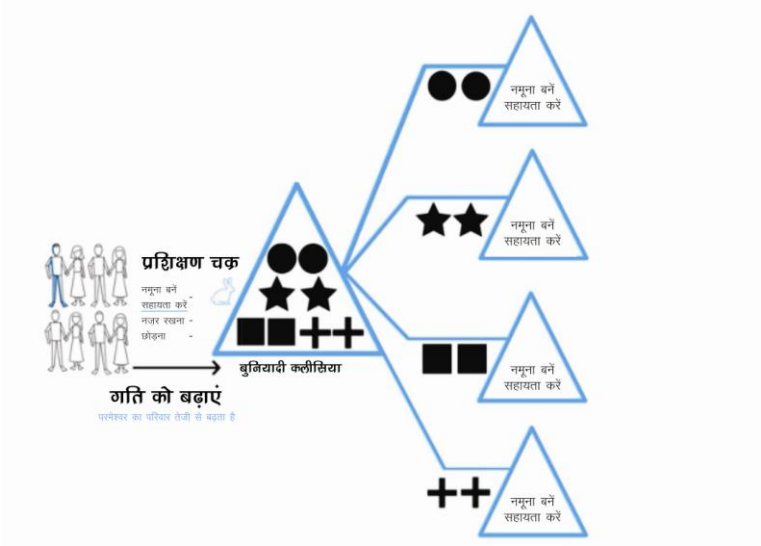

इस की कल्पना करें-एक कलीसिया ठीक साथ ही चार नई कलीसियाओं को आरम्भ करती हुई। इसी तरह से ही तेजी के साथ परमेश्वर उसके परिवार को बढ़ा सकता है। इसी तरह से कलीसिया उसकी गति को बढ़ा सकती है।

एक आरम्भ के सत्र में, हमने प्रशिक्षण चक्र के बारे सीखा था-नमूना बनना, सहायता करना, नज़र रखना और छोड़ना और हम इन पहले दो चरणों के बारे जानते है कि -नमूना बनना और सहायता करने का अर्थ तेजी के साथ आगे बढ़ता है-नए शिष्यों को उनके विश्वास में सेहतमंद और वृद्धि करते रखना।

इस तरह प्रारम्भिक कलीसिया और चार कलीसियाएं जिनका उन्होंने आरम्भ किया के साथ क्या होता?

नमूना बनाने और सहायता करने के द्वारा, उस जोड़ो ने इन नई कलीसियाओं को नमूना बनाने और सहायता करने में भी सहायता की है।

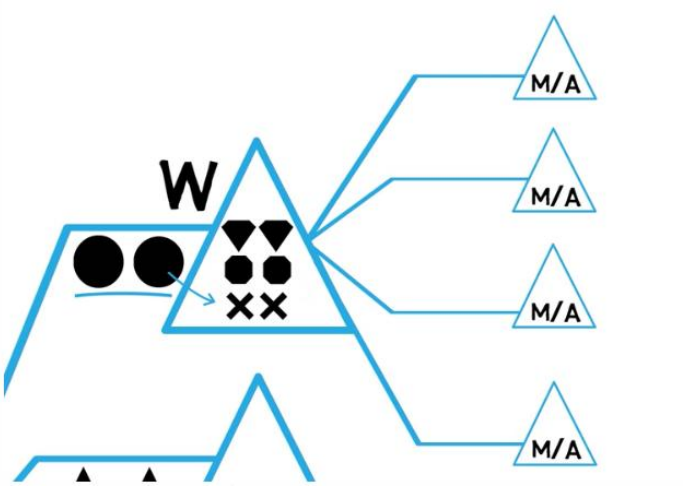

इन चार नई कलीसियाओ के लिए, हमारे जोड़े अब नज़र रखने के चरण में है-इन नई कलीसियाओं की उन्नित पर एक नज़र रखना और जब हम नई कलीसियाओं के लिए नमूना बनते और सहायता करते तो उन्हें कोचिंग देना अपने आप करने में सहायता कर सकता है।

ज्यादातर लोग एक ही समय एक भी अन्य परिवार से ज्यादा के लिए नमूना बनाने और सहायता करने के योग्य नहीं होंगे। पर वह नज़र रख सकते और नई कलीसियाओं को कोचिंग दे सकते और कुलीन शिक्षको के साथ जुड़ने में सहायता कर सकते जैसे-जैसे वह बढ़ते है। इसको अर्थ एक अकेला आत्मिक परिवार-एक छोटा कलीसिया समूह ठीक उस समय ही अन्य छोटी समूहिक कलीसियाओं को आरम्भ करने का हिस्सा हो सकता है।

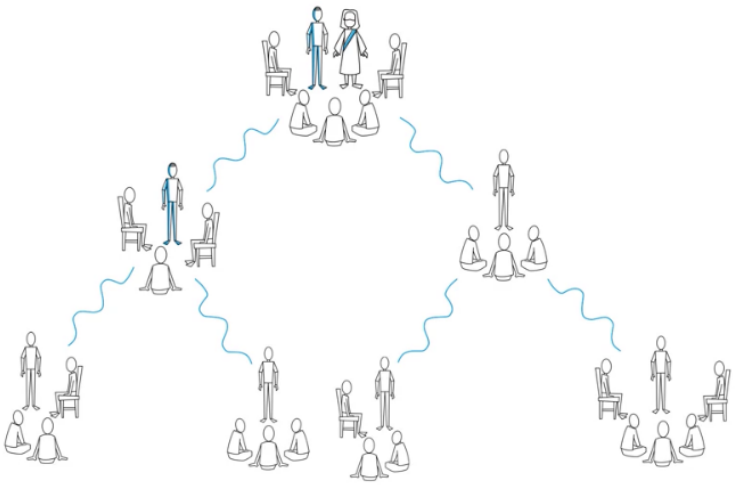

यह बहुत ज्यादा फल है।

इस तरह इन सभी कलीसियाओं के साथ क्या होता जब वह वृद्धि करते और नई कलीसियाएं आरम्भ करते जो आगे नई कलीसियाओं को आरम्भ करती और जो आगे नई कलीसियाओं को आरम्भ करते है? वह कैसे आपस में जुड़ी रहती है? कैसे वह एक विस्तारित आत्मिक परिवार की तरह जीवन व्यतीत कर सकते है?

उत्तर यह है कि यह सभी साधारण कलीसियाएं एक बढ़ रहे शरीर में कोशिका के समान है और वह एक साथ जुड़ी हुई और एक शहर या क्षेत्रिय कलीसिया में नैटवर्क में है। वह नए उसी आत्मिक डि.एन.ए (DNA) को बाँटते है। यह सभी उसी पहली गुणात्मक परिवार से बाहर जुड़े होते है।

और अब-कुछ मार्गदर्शन के साथ-वह और भी ज्यादा करने के लिए एक बड़ी देह करके आते है।

दो कलीसियाओं का भाग होना वृद्धि को बढ़ा सकता और एक वृद्धि करते शहर में विश्वासियों की व्यापक देह-एक वफादार आत्मिक परिवार बनने में सहायता कर सकती है।

क्रिया {10 मिनट}-निम्नलिखित प्रश्न की अपने समूह के साथ चर्चा करेः

1. एक निरंतर आत्मिक परिवार को कायम रखने के जो निरंतर वृद्धि वाले परिवार और इसे वृद्धि करने के लिए विदारक करने की बजाए नई को जन्म देती और वृद्धि करती और गुणात्मक वृद्धि करती को जन्म देती के क्या लाभ है?

_____

_____

_____

3-महीने की योजना

पढ़ो/प्रार्थना करो और पूरा करो {30 मिनट}

बाइबिल में, परमेश्वर कहते है - *जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन् कुशल ही की है, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।*

परमेश्वर योजनाएं बनाता है, और वह हम से भी उम्मीद रखता है कि हम भी योजनाएं बनाएं। वह अपने वचन के द्वारा और उसके कार्य के द्वारा एक उत्तम कल को देखने, कैसे वहां पर पहुँचना की योजना बनाने, और वह स्रोत तैयार करने जो हमें मार्ग में चाहिए होंगे को सिखाता है।

एक 3 महीने की योजना एक वह साधन है जिसे आप आपके ध्यान और प्राण को केन्द्रित करने और शिष्य बनाने जो गुणात्मक वृद्धि करते के लिए परमेश्वर की प्राथमिक्ताओं के साथ मेल में रखने में सहायता करने के लिए इस्तेमाल कर सकते है।

क्रिया {30 मिनट}- अगले 30 मिनट आप आपकी झूमे (ZÚME) पुस्तिका में 3-महीने योजना भाग में सूची दिए गए सर्मपणों के लिए प्रार्थना करते, उन्हें पढ़ते और पूरा करते खर्च करें।

आपके आरम्भ करने से पहलेः

- **प्रार्थना करें**-परमेश्वर से पूछे कि वह आपके बुनियादी शिष्य बनाने के साधनों और तकनीको के द्वारा जो कि आप ले इन पिछले नौ सत्रो में सीखे है के साथ विशेष तौर पर क्या चाहता है कि आप करें। वफादारी के बारे उसके शब्दों को याद रखें।
- **सुनो**-जितना शांत आप हो सकते वह होने के लिए कम से कम 10 मिनट लें और जो परमेश्वर ने कहना है और जो वह प्रकट करना चाहता को ध्यान से सुनें। उसकी आवाज सुनने का एक प्रयास करें।
- **पूरा करें**-अपना बाकी का समय 3 महीने की योजनाशीट को पूरा करने के लिए बाकी का समय इस्तेमाल करें। आपको हर एक बात के लिए समर्पित नहीं होना है, और यहां पर पहले से जो सूची में है के अतिरिक्त अन्य वस्तुओं के लिए अकसर है। जो आपने परमेश्वर को उसकी इच्छा के बारे प्रकट करने के लिए परमेश्वर से सुना के लिए आपके समर्पण को मिलाने में आपका उत्तम करें।

मेरी 3 महीने की योजना

- मैं अपनी कहानी [गवाही] और परमेश्वर की कहानी [सुसमाचार] निम्नलिखित लोगों के साथ साझा करूँगा।
- मैं निम्नलिखित लोगों को मेरे साथ एक जवाबदेही समूह शुरू करने के लिए आमंत्रित करूंगा।
- मैं इन लोगों को अपने स्वयं के जवाबदेही समूहों को शुरू करने की चुनौती देता हूं और उन्हें यह कैसे करना है के बारे में प्रशिक्षित करूगां।
- 3/3 समूह शुरू करने के लिए मैं निम्नलिखित लोगों को आमंत्रित करूंगा।
- निम्नलिखित लोगों के लिए अपने स्वयं के 3/3 समूह शुरू करने के लिए मैं एक चुनौती रखूंगा और उन्हें प्रशिक्षित करूँगा कि यह कैसे करना है।
- मैं निम्नलिखित लोगों को 3/3 आशा या डिस्कवर समूह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करूंगा [परिशिष्ट देखें]।
- मैं निम्नलिखित लोगों को मेरे साथ प्रार्थना चलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करूंगा।
- मैं निम्नलिखित लोगों को उनकी कहानी और परमेश्वर की कहानी साझा करने के लिए तैयार करूँगा और अपने रिलेशनल नेटवर्क में 100 लोगों की सूची बनाऊंगा।

- मैं निम्नलिखित लोगों को आवधिक तरीके से प्रार्थना चक्र उपकरण का उपयोग करने के लिए चुनौती देता हूं।
- मैं हर [दिन / सप्ताह / महीने] प्रार्थना चक्र उपकरण का उपयोग करूँगा।
- मैं प्रत्येक [दिन / सप्ताह / महीने] में "प्रार्थना चलान" करूँगा।
- मैं लीडरशिप सेल का हिस्सा बनने के लिए निम्नलिखित लोगों को आमंत्रित करूंगा, जिन्हें मैं नेतृत्व करूंगा।
- मैं निम्नलिखित लोगों को यह झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।
- अन्य प्रतिबद्धताएं

_____

_____

_____

_____

_____

अपनी 3-महीने की योजना को बाँटे

बाँटना और योजना बनाना {60 मिनट}

क्रिया {15 मिनट} दो या तीन लोगों के समूह में चले जाएं।

- **बाँटना**-एक दूसरे के साथ तीन महीने की योजना को बारी-बारी से बाँटे। जिन बातों को आप योजनाओं के बारे नहीं समझते और कैसे वह उनके समर्पणों को पूरा करेंगे के बारे प्रश्न पूछने के लिए समय निकालें। आपके लिए और आपकी योजना के लिए उन्हें वही करने के लिए कहें।
- **सहयोगी**-एक प्रशिक्षित पार्टनर को ढूंढे जो आपकी उन्नति पर रिर्पोट और चुनौतियों पर जाँचने और 1,2, 3, 4, 6, 8, और 12 सप्ताह के बाद प्रश्न पूछने का इच्छुक हो, उनके लिए भी वही करने को समर्पित हो।

क्रिया {15 मिनट}- आपके पूर्ण प्रशिक्षण समूह के साथ वापस जुड़े।

- **चर्चा करें**-आपके क्षेत्र में कम से कम दो नए 3/3 समूह या झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण समूह को आरम्भ करते के लिए एक समूह योजना को विकसित करें या चर्चा करें। याद रखो आपका लक्ष्य साधारण कलीसियाओं को आरम्भ करना है जो गुणात्मक वृद्धि करती है। 3/3 समूह और झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण समूह करने के दो ढंग है।
- **नैटवर्क**-चर्चा करें और निर्णय करें कि क्या यह नए समूह एक स्थानीय कलीसिया या नैटवर्क के साथ जुड़ेंगी या आपके झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण समूह से बाहर एक नए नैटवर्क को आरम्भ करेगी।

क्रिय {15 मिनट} -अपने कोच के साथ जुड़े।

- सपंर्क सूचना-इस बात को सुनिश्चित करें कि समूह का प्रत्येक सदस्य जानता हो कि कैसे झूमे (ZÚME) कोच के साथ संपर्क करना जो कि आपके समूह के साथ नियुक्त किया गया है ताकि आपको और ज्यादा प्रशिक्षण चाहिए या कोई प्रश्न है तो आप उनसे संपर्क कर सके। आपके कोच के साथ आपकी 3-महीने योजना को बाँटना याद रखे, ताकि वह अपना लक्ष्य समझ सकें।
- **दर्शन** -किसी अन्य स्थानों की चर्चा करें जहां आपके समूह के सदस्य नए 3/3 समूह या झूमे (ZÚME) प्रशिक्षण समूह आरम्भ करने में सहायता कर सकें।
- **प्रार्थना करें**-एक समूह के रूप में प्रार्थना करने के लिए सुनिश्चित रहे और इन योजनाओं और समर्पणों से जितना संभव हो वह सारी भलाई को लाने के लिए परमेश्वर से उसका अनुग्रह माँगे।

क्रिया {15 मिनट} अपनी 3 महीने की योजना को www.ZumeProject.com पर सौंप दें।

- **सौंपना**-आपके समूह में कोई भी व्यक्तिगत अभी इसी समय लॉगइन {अगर आपने पहले नहीं किया} कर सकता और इस वेबफार्म को भरने के द्वारा आपके कोच के लिए अपनी तीन महीने की योजना को भेज सकता है। हम भी आपकी योजना की एक डीजीटल कापी आपको ईमेल करेंगे। आपकी योजना पर चर्चा करने और किसी भी समय कोई प्रश्न पूछने के लिए अपने कोच के साथ संपर्क करने के लिए आजाद महसूस करें।

बधाई हो! आपने सत्र 09 को पूरा कर लिया है।

यहां पर अगले **सत्र** की तैयारी के लिए कुछ अगले कदम है।

आज्ञा पालन करना

इस सप्ताह आज्ञा मानते, प्रशिक्षण देते, और जो 3/3 समूह अभ्यास के दौरान जो समर्पण आपने किए पर आधारित बाँटते हुए समय खर्च करें।

बाँटना

प्रार्थना करें और परमेश्वर से पूछे कि वह आप दोबारा समूह में मिलने से पहले लीडरशिप सेल्स उपकरण को किसके साथ चाहता है कि बाँटा जाएं। समूह के साथ आपके जाने से पहले इस व्यक्ति का नाम बताएं और अगले सत्र से पहले उन तक पहुँचे।

प्रार्थना करना

यीशु मसीह को हमें यह दिखाने के लिए असली अगुवे ही असली दास है भेजने को परमेश्वर का धन्यवाद करें। यीशु को सबसे बड़ी उपलब्ध सेवा अन्यों के लिए हमारे अपने जीवन देना है को सीखाने के लिए धन्यवाद करें।

उन्नत ट्रेनिंग (प्रशिक्षण)

सत्र 10

इस उन्नत प्रशिक्षण सत्र में, हम यह देखते हैं कि हम त्वरित जांच सूची मूल्यांकन के साथ हमारी कोचिंग की ताकत कैसे बढ़ा सकते हैं। हम सीखेंगे कि नेटवर्क के भीतर नेतृत्व छोटे चर्चों के एक बढ़ते समूह को एक साथ काम करने की अनुमति देता है ताकि वे और भी अधिक प्राप्त कर सकें। और हम सीखेंगे कि कैसे सहकर्मी सलाह देने वाले समूह को विकसित करना है जो अगुएं लोग के विकास को नए स्तर तक ले जाता हैं।

कोचिंग चेकलिस्ट

जब यह चेले बनने की बात आती है जो गुणात्मक वृद्धि गुणा करते हैं, तो कोचिंग चेकलिस्ट एक शक्तिशाली साधन है जिसका उपयोग आप अपनी ताकत और कमजोरियों का त्वरित मूल्यांकन करने के लिए कर सकते हैं। यह एक शक्तिशाली उपकरण भी है क्योंकि आप इसका उपयोग दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकते हैं और अन्य लोग आपकी सहायता के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

इस त्वरित [5-मिनट या उससे कम] स्वयं-मूल्यांकन लेने के लिए निम्न चरणों का उपयोग करें।

- **चरण 1** - चेकलिस्ट के बाएं स्तंभ में शिष्य प्रशिक्षण उपकरण पढ़ें
- **चरण 2** - निम्नलिखित विधियों का उपयोग करते हुए प्रत्येक प्रशिक्षण उपकरण को चिह्नित करें।
    - यदि आप अपरिचित हैं या साधन को नहीं समझते हैं - काले कॉलम में एक टिक लगाएं
    - यदि आप कुछ परिचित हैं लेकिन फिर भी साधन के बारे में सुनिश्चित नहीं हैं - लाल कॉलम में एक टिक लगाएं
    - यदि आप समझते हैं और साधन पर मूल बातें प्रशिक्षित कर सकते हैं - पीले कॉलम में एक टिक लगाएं
    - यदि आपको आत्मविश्वास महसूस होता है और साधन को प्रभावी रूप से प्रशिक्षित कर सकता है - तो हरे रंग की कॉलम में एक टिक लगाएं

याद रखें - अपने कोचिंग चेकलिस्ट परिणामों को अपने झूमे (ZÚME) कोच और / या आपके प्रशिक्षण साथी या अन्य संरक्षक के साथ साझा करना सुनिश्चित करें यदि आप कोच या किसी को सलाह देने में मदद कर रहे हैं, तो यह उपकरण साझा करने के लिए सहायता करें कि कौन से क्षेत्रों को आपका ध्यान और प्रशिक्षण की जरूरत है।

कोचिंग चेकलिस्ट

काला नई सूची के साथ सिखाओ और समझ को यकीन बनाओं

लालः रूके और उन के साथ रहें जब तक वह बुनियादी बातों को नहीं समझते

पीलाः निरंतर योग्यता के लिए नज़र रखें

हराः आगे बढ़े और उन को छोड़ दें और विकसित होने के लिए दूसरों को ढूंढे

	नमूना	सहायता करना	नज़र रखनी	छोड़ना
	अज्ञात	अनाड़ी	योग्य	कुशल
	शिक्षक की भूमिका			
	शिक्षक अगुवाई और सूचना देता है	शिक्षक अगुवाई और सहायता करता है	शिक्षक सहायता और प्रोत्साहन देता है	शिक्षक अपडेट प्राप्त करता है
	कैसे योजनाएं बनती है			
प्रशिक्षण साधन	शिक्षक फैसला करता है	शिक्षक/शिष्य चर्चा करता है शिक्षक फैसला करता है	शिक्षक/शिष्य चर्चा करता है शिक्षक फैसला करता है	शिष्य फैसला करता है
डकलिंग (बतख के चुजें) शिष्यत्व				
अपनी कहानी बताएं [गवाही]				
परमेश्वर की कहानी बताएं [सुसमाचार]				
संबंध का भंडारीपन.100 की सूची				
गति				
गैर.अनुक्रमिक सेवकाई				
3 / 3 समूहिक प्रारूप				
साधारण कलीसिया-परमेश्वर / दूसरों को प्रेम, शिष्य				
दो कलीसियाओं का हिस्सा होना				
प्रशिक्षण चक्र				
जवाबदेही समूह				
स्वयं भरण				
• प्रतिदिन वचन पढ़ना [आज्ञा पालन]				
• प्रार्थना.बातचीत करे और सुनें [प्रार्थना]}				
• देह का जीवन, संगति [एक दूसरें के साथ]				
• सताव और दुःख				
जहां राज्य नहीं वहां देखने वाली आँखे				
शांति के मनुष्यों को खोजना [मत्ती 10, लूका 10]				
प्रार्थना चलन				
एक चर्च होनाः				
• संगति [इकट्ठे भोजन खाना, एक दूसरें के साथ]				
• स्तुति और आराधना				
• बाइबिल [आज्ञा पालन, प्रशिक्षण]				

• लोगों को यीशु के बारे में बताना [बाँटना]				
• बपतिस्मा				

सहकर्मी सलाह समूह

कोचिंग चेकलिस्ट एक शक्तिशाली साधन है जिसके द्वारा आप अपनी ताकतो और कमजोरियों को खोज सकते हो जब शिष्य बनाने और गुणात्मक वृद्धि करने की बात आती है। यह अन्यों की “सहायता करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शक्तिशाली साधन है-और अन्य आपकी सहायता करने के लिए इस्तेमाल कर सकते है।

यीशु ने कहा - **"मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं। एक दूसरे से प्यार करो। जैसा कि मैंने तुमसे प्यार किया है, आपको एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। इस से सब लोग जान लेंगे कि आप मेरे चेले हैं, अगर आप एक दूसरे से प्यार करते हैं। "**

एक सहकर्मी सलाह समूह एक समूह है जिसमें 3/3 समूह की अग्रणी और शुरुआत वाले लोग शामिल हैं। यह 3/3 प्रारूप का भी अनुसरण करता है और आपके क्षेत्र में परमेश्वर के काम के आध्यात्मिक स्वास्थ्य का आकलन करने का एक शक्तिशाली तरीका है।

सहकर्मी सलाह समूह, "अगुएं-से-अगुएं" का उपयोग यीशु के अलग-अलग अनुयायी, सरल चर्चों के साथ, संगठनों के साथ या यहां तक कि एक वैश्विक साधारण चर्च नेटवर्क के साथ करते हैं जो दुनिया भर में पहुंचता है।

सहकर्मी सलाह समूह के प्रतिभागियों को अपने काम के लिए यीशु की रणनीति के अनुसरण में उद्देश्य संकेतक को देखना चाहिए और सवाल पूछने और प्रतिक्रिया देने के लिए इन सत्रों का उद्देश्य किसी के अहंभाव को बढ़ाना नहीं है या किसी को भी कम महसूस नहीं करना है। ये निर्देश देने और प्रेरित करने के लिए हैं। इस सरल प्रारूप का प्रयोग करें।

पीछे देखें [अपने समय का 1/3]

पहले एक-तिहाई के दौरान, प्रार्थना और देखभाल में समय बिताएं जैसे आप मूल 3/3 समूह में करेंगे। फिर समूह के उद्देश्य और पिछले प्रतिबद्धताओं में सच्चाई को देखने में समय व्यतीत करें।

आप मसीह के साथ कितनी अच्छी तरह चल रहे हैं? [बाइबिल पढ़ने, प्रार्थना, विश्वास, आज्ञाकारिता, महत्वपूर्ण रिश्ते?] क्या आपके समूह ने पिछले सत्र से आपकी कार्य योजना पूरी की थी? उनकी समीक्षा करें

ऊपर देखें [1/3 अपना समय]

समूह में निम्नलिखित सरल प्रश्नों पर चर्चा की गई है।

1. चार फ़ील्ड आरेख के प्रत्येक अनुभाग में आप कैसे कर रहे हैं?
2. क्या चार फ़ील्ड आरेख अच्छी तरह से काम कर रहा है? आपकी सबसे बड़ी चुनौतियां क्या हैं?
3. अपने वर्तमान पीढ़ी के नक्शे की समीक्षा करें
4. आपको क्या चुनौती पूर्ण लगा या समझने में आपको कड़ी मेहनत लगी?

5. यह क्या है कि परमेश्वर आपको हाल ही में दिखा रहा है?
6. क्या अनुभवी नेताओं या अन्य प्रतिभागियों से कोई सवाल है?

फॉरवर्ड देखो [अपने समय का 1/3]

समूह में हर किसी के साथ चुप्पी में प्रार्थना में समय बिताते हैं, पवित्र आत्मा से यह पूछिए कि इन सवालों का जवाब कैसे दिया जाए।

7. इससे पहले कि हम अगली बार एक साथ मिलें, कार्रवाई की योजनाएं या लक्ष्य क्या हैं जो परमेश्वर चाहते हैं कि मैं अपना उपयोग करना शुरू करूँ? [अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए चार फ़ील्ड साधन का उपयोग करें]

8. मेरे संरक्षक या अन्य समूह के सदस्य इस काम में मेरी मदद कैसे कर सकते हैं?

अंत में, परमेश्वर से बात करने में समय बिताएं

समूह को प्रार्थना करने के लिए कहें ताकि प्रत्येक सदस्य के लिए प्रार्थना की जाए और परमेश्वर को उन सभी के दिलों को तैयार करने के लिए कहें जिन के पास समूह उनके अलग किए गए समय के दौरान पहुँचेगा।

समूह के प्रत्येक सदस्य को जो परमेश्वर ने उनको इस शिक्षण.काल में सीखाया है उसको लागू करने और आज्ञा पालन करने की हिम्मत और ताकत देने के लिए कहें। यदि एक प्रशिक्षित अगुवे विशेषकर एक युवा अगुवे के लिए प्रार्थना करने की जरूरत है तो यह प्रार्थना के लिए सबसे बेहतर समय है।

क्योंकि यह समूह अक्सर दूर इकट्ठे होते है। आपके पास बहुत कम प्रभु.भोज का जश्न मनाने या एक भोजन को बाँटने का अवसर होगा पर सुनिश्चित करें सेहन और परिवार और मित्रों के लिए समय निकालने में।

चार फील्ड नैदानिक आरेख

गुणा करना क्षेत्र। किसके साथ, आप वफादार लोगों के लिए कैसे और कब फ़िल्टर कर रहे हैं और उन्हें लैस करने और प्रजनन के लिए जवाबदेह बनाते हैं?

खाली क्षेत्र। आप कहाँ और किसके साथ [किसके समूह] राज्य का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं?

बिज बोना क्षेत्र आप किसके साथ राज्य के सुसमाचार को साझा कर रहे हैं?आप यह कैसे कर रहे हैं?

बढ़ते क्षेत्र। आप लोगों को कैसे तैयार कर रहे हैं और उन्हें आध्यात्मिक रूप से, व्यक्तिगत रूप से और उनके प्राकृतिक नेटवर्क में भी?

फसल काटने वाले क्षेत्र। नए आध्यात्मिक परिवार कैसे [साधारण चर्च] बन रहे हैं?

वंशावली नक्शे पर साधारण कलीसिया पेशकश प्रारूप

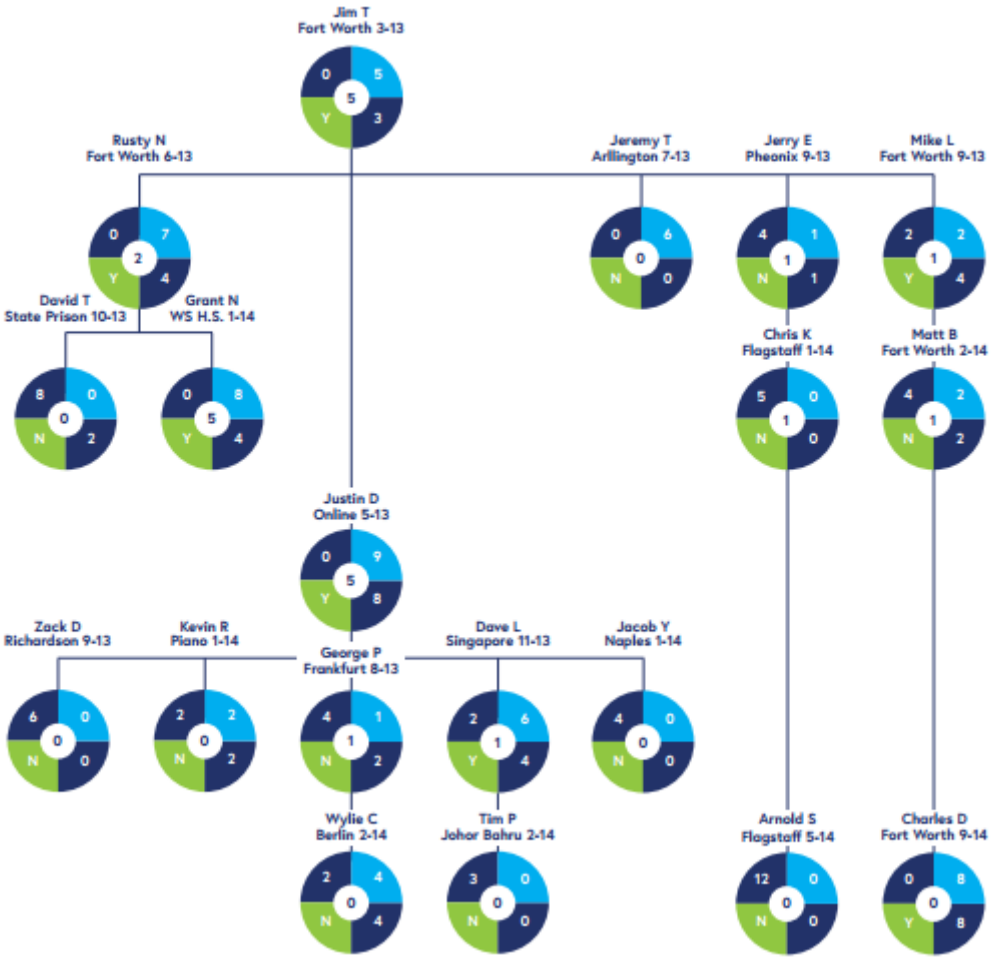

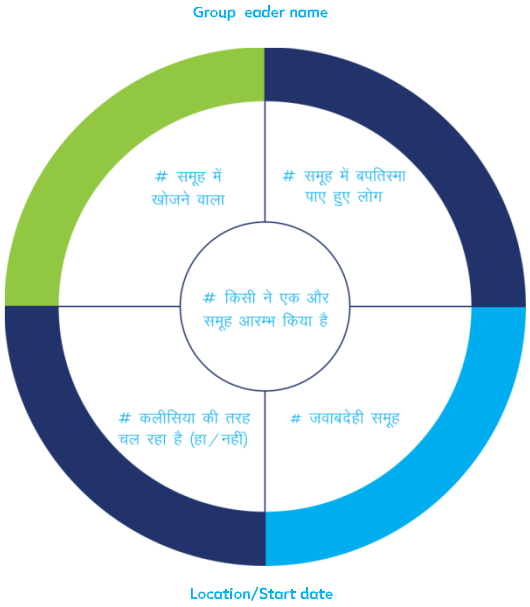

परिशिष्ट

3/3 समूह श्रेणीयां

आशा श्रेणीयां **[खोजनेवालों के लिए]**

नीचे दिए गए भागों को आपके समूह के "ऊपर देखें" भाग के लिए इस्तेमाल करें। आपके समूह को इन में से कुछ भागों के लिए एक से बढ़कर सभाओं की जरूरत होगी।

1. पापीयों के लिए आशाः लूका 18:9-14
2. गरीबों के लिए आशाः लूका 12:13-34
3. भगोड़ों के लिए आशाः लूका 15:11-32
4. खोए हुए के लिए आशाः लूका 19:1-10
5. दुखियों के लिए आशाः यूहन्नाः 11:1-44
6. खोजियों के लिए आशाः यूहन्ना 3:1-21

यूहन्ना के चिन्ह [खोजनेवालों के लिए आशा]

नीचे दिए गए भागों को आपके समूह के "ऊपर देखें" भाग के लिए इस्तेमाल करें। आपके समूह को इन में से कुछ भागों के लिए एक से बढ़कर सभाओं की जरूरत होगी।

1. जल को दाखरस में बदलनाः यूहन्ना 2:1-12
2. राजकर्मचारी के पुत्र को चंगा करनाः यूहन्ना 4:46-54
3. लकवे के रोगी को चंगा करनाः यूहन्ना 5:1-17
4. पाँच हजार को खिलानाः यूहन्ना 6:1-14
5. पानी पर चलनाः यूहन्नाः 6:15-25
6. जन्म के अन्धें को चंगा करनाः यूहन्ना 9:1-41
7. लाज़र को मुर्दों में से जीवित करनाः यूहन्ना 11:1-46

प्रारम्भिक ढंगः पहली 8 सभाएं

यह उन लोगो के लिए अनुकूल है जो पहले से ही मसीही है पर इस किस्म के समूह में पहले आए थे। अभ्यास भाग इन 8 सत्र में निर्देशित किया गया और जातीगत है। व्यक्तिगत अभ्यास क्रमअनुसार सभाओं में शुरू होता है।

1. अपनी कहानी बताएं

देखें: मरकुस 5:1-20। विशेषकर आयतें 18-20 के ऊपर ध्यान दें।

अभ्यासः अपनी कहानी को सुनाने का अभ्यास करे। आपको अपनी कहानी को तैयार करने और लोगों के साथ बाँटने की जरूरत होगी जब आप उनको यीशु के बारे में बताते हो। इस तरह आप अपनी कहानी उनको बता सकते होः

- यीशु के पीछे चलने से पहले अपने जीवन के बारे में बातचीत करें.अपनी भावनाएं [दर्द, अकेलापन] प्रश्न [मृत्य के बाद क्या होगा] यीशु के पीछे चलने से पहले जो संघर्ष था के बारे में वर्णन करे।
- आप कैसे यीशु के चेले बने थे उस के बारें में बातचीत करें. उन्हें यीशु के बारें में बताएं। यीशु की आवश्यक कहानी यह हैः हम सभी ने अपने पापों के द्वारा परमेश्वर को दु:ख पहुँचाया है। हम सभी पापों के कारण मर जाएंगे।
- हम मृत्यु से बचाए जाते है जब हम यीशु में अपना विश्वास रखते हैए जो हमारे पापों के लिए मर गयाए दफनाया गया और मुर्दों में से जीवित हुआ था।
- यीशु के पीछे चलने से पहले अपने जीवन के बारें में बातचीत करें, उन्हें बताएं कि कैसे यीशु ने आपके जीवन को बदल दिया था। आनन्द, शांति, और माफी जो यीशु देता है के बारें में बताएं।
- एक उत्तर को माँगे। आपकी कहानी एक उत्तर की माँग करती हों। एक ऐसे प्रश्न के साथ समाप्त करे जो व्यक्ति की आत्मिक रूची को खोजने में आपकी सहायता करेंगे। कुछ इस तरह पुछें: "क्या आप जानना चाहते है कि आप कैसे माफ किए जा सकते हो" या "क्या आप चाहते है कि परमेश्वर आपके जीवन को बदले"
- इस को संक्षेप रखे [मिनट या कम] आपकी कहानी छोटी और दिलचस्प होनी चाहिए। कहानी उबाऊ ना हो और इतनी देर तक बातचीत न करे कि सुननेवाले दिलचस्पी खो दें।
- अपने समूह में से किसी के साथ अपनी कहानी बताने का अभ्यास करे।
- सुनाने के लिए पाँच लोगों को चुनें। प्रार्थना करे। परमेश्वर को कहें कि वह पाँच लोग दिखाए जिन के साथ आप इस सप्ताह अपनी कहानी बाँटना चाहते हो।

---

2. यीशु की कहानी बताएं

देखें: 1 कुरिन्थियों 15:1-18, रोमियों 3:23, रोमियों 6:23

अभ्यासः अपने समूह में प्रत्येक को इवेंजिकयूब या कोई और साधारण ढंग का इस्तेमाल करने के लिए कहें। अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। हर सप्ताह ऐसे ही करें।

---

3. पीछे चले और मछुए बने

देखेः मरकुस 1:16-20

अभ्यासः एक सूची बनाए.एक खाली कागज लें और 100 लोगों के नाम लिखें जिन को आप जानते हो [परिवार, मित्र, पड़ोसी, सहयोगी, या सहपाठी] जिन को यीशु के बारे में सुनने की आवश्यक्ता है। अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

---

4. बपतिस्मा

देखें: रोमियों 6:3-4, प्रेरितों 8:26-40

अभ्यासः किसी नजदीक के स्थान पर पानी खोजें [नहाने का टब, तलाब, नदी, झील] और सारे नए विश्वासियों को बपतिस्मा दे। जब लोग नए विश्वासी बनते है तो तुरन्त उन्हें बपतिस्मा दें। बपतिस्में के बारें में और ज्यादा सीखने के लिए, देखें प्रेरितों के काम 2:37-41, 8:5-13, 8:36-38, 9:10-19, 10:47-48, 16:13-15, 16:27-34, प्रेरितों के काम 18:5-9 और 1 कुरिन्थियों 1:10-17, प्रेरितों के काम 19:1-5, प्रेरितों के काम 22:14-17।

अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

---

5. बाइबिल

देखें: 2 तीमुथियुस 3:14-16

अभ्यासः याद करें और 7 बाइबिल अध्ययन प्रश्नों को दोहराए [1-7 साधारण मीटिग प्रारूप में]। अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

---

6. परमेश्वर से बातचीत

ऊपर देखें: मत्ती 6:9-13

अभ्यासः अपने हाथां को कैसे परमेश्वर के साथ बातचीत करनी है प्रयोग करना सीखें। एक समूह होते हुए मत्ती 6:9-13 में एक सहायक की तरह अपने हाथां का प्रयोग करते हुए यीशु से प्रार्थना करे।

1 **हथेली = संबंध।** जैसे कि हथेली हमारी ऊँगलीयों और अगुठे के लिए बुनियाद है, सिर्फ परमेश्वर के साथ समय हमारे व्यक्तिगत जीवन की बुनियाद है। "हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है" [मत्ती 6:9]।

2 **अगुँठा = आराधना।** हमारा अगुँठा हमें याद करवाता है कि हमें कुछ भी माँगने से पहले परमेश्वर की आराधना करनी चाहिए। "तेरा नाम पवित्र माना जाए।" [मत्ती 6:9]।

3 **पहली ऊँगली = समर्पण।** इसके बाद हम अपने जीवनां, योजनाओं, परिवार, अर्थ.प्रबंध, भविष्य, सब कुछ को समर्पण करते है। "तेरा राज्य आए, तेरी इच्छा पूरी हो" [मत्ती 6:10]।

4 **बीच वाली ऊँगली = माँगों।** फिर हम परमेश्वर से अपनी जरूरतों के विषय में माँगते है। "हमारी रोज की रोटी हमें दे।" [मत्ती 6:11]।

5 **चौथी ऊँगली = माफी।** अब हम परमेश्वर को हमारे पाप क्षमा करने के लिए कहते है, और हमें दूसरों को क्षमा करना चाहिए। "हमें क्षमा कर जैसे हम दूसरों को क्षमा करते है" [मत्ती 6:12]।

6 **सबसे छोटी ऊँगली =सुरक्षा।** फिर हम सुरक्षा की माँग करते है "हमें परीक्षा में ना डाल, पर बुराई से बचा" [मत्ती 6:13]।

7 **अगुँठा [एक बार फिर] = आराधना।** और जैसे हमने शुरू किया था वैसे ही हम समाप्त करते है. हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर की आराधना करते है. "क्योकि राज्य और शक्ति और महिमा सदा तेरे ही है।" आमीन। [मत्ती 6:13]

अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

---

7. मुश्किल समय

देखेः प्रेरितों के काम 5:17-42, मत्ती 5:43-44

अभ्यासः अपने समूह के साथ उस मुश्किल समय के बारे में बातचीत करें जिसका आपने नए विश्वास में सामना किया था। जिन मुश्किलों का आप सामना कर सकते हो उनके बारें में बातचीत करें। भूमिका निभा कर बताएँ कि आप कैसे उत्तर देंगे, दृढ़ता और प्रेम के साथ, जैसे कि यीशु सिखाता है। जैसे. जैसे जरूरतें आती है प्रार्थना करें। प्रत्येक व्यक्ति के बताने के बाद प्रार्थना करें।

अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

---

8. एक कलीसिया बनो

ऊपर देखेः प्रेरितों के काम 2:42-47, 1 कुरिन्थियों 11:23-34

अभ्यासः इन सत्रों में वर्णन की गई कलीसिया बनने के लिए जो आपके समूह की जरूरतें है उन का वर्णन करें। एक समूह होते हुएए एक खाली कागज पर आपके अपने समूह की अगुवाई करते हुए बिन्दुओं के साथ चक्कर बनाए। इसके ऊपर 3 अंको की सूची दें: वह जो लगातार हाज़िर है [जुड़ी हुई तस्वीर] यीशु में विश्वास करते लोग [क्रूस] और विश्वास के बाद बपतिस्मा पाए हुए [पानी]।

यदि आपका समूह एक कलीसिया होने के लिए समर्पित है तो बिन्दुओं के गोल चक्कर को ठोस बना लें। यदि आप नीचे दिए गए खण्डों में प्रत्येक का नियमित अभ्यास करते हो तो आपके गोल चक्कर के अन्दर खण्डों की एक तस्वीर बनाए। यदि आप उन खण्डों को नहीं करते हो या आप इस को करने के लिए बाहर से किसी की प्रतीक्षा कर रहे हैए तब गोल चक्कर के बाहर इन खण्डों की तस्वीर बनाएं।

1. एक कलीसिया होने के लिए समर्पणः बिन्दुओं वाली रेखा की बजाए ठोस रेखा
2. बपतिस्मा – पानी
3. बाइबिल - पुस्तक
4. यीशु की दाखरस / रोटी और पानी - कटोरे का स्मरण
5. संगति - दिल
6. देना और सेवकाई - धन चिन्ह
7. प्रार्थना - प्रार्थना के हाथ
8. आराधना - ऊपर उठे हुए हाथ
9. लोगों को यीशु के बारे में बताना.एक मित्र का दूसरे मित्र का हाथ पकड़ना। वह विश्वास में लेकर आता है
10. अगुवा-दो मुस्कारतें हुए चेहरे

कौन सी बात है जो कि आपके समूह में नहीं है जो इस को एक सेहतमंद कलीसिया बनाएगी? अपनी कहानी और यीशु की कहानी इस सप्ताह 5 लोगों को बताएं। ऐसा हर सप्ताह करें।

आगे कहाँ?

3/3 को करें मार्ग खोजें या 3/3 मजबूत मार्ग या यूहन्ना या मरकुस जैसी बाइबिल की एक पुस्तक चुनें [एक मीटिंग के लिए सिर्फ एक कहानी चुनें]।

खोज श्रेणीयां

[वह समूह जिन को बाइबिल के पृष्ठभूमि और जान.पहचान की जरूरत है]

नीचे दिए गए भागों को आपके समूह के "ऊपर देखें" भाग के लिए इस्तेमाल करें। आपके समूह को इन में से कुछ भागों के लिए एक से बढ़कर सभाओं की जरूरत होगी।

परमेश्वर को खोजें. परमेश्वर कौन है और वह किसके जैसा है

1. सृष्टि - उत्पत्ति 1
2. लोगों की सृष्टि - उत्पत्ति 2
3. लोगो का आज्ञा न मानना - उत्पत्ति 3
4. नूह और जल प्रल - उत्पत्ति 6:5-8:14
5. नूह के साथ परमेश्वर का वायदा - उत्पत्ति 8:15-9:17
6. परमेश्वर अब्राहाम के साथ बोलता है - उत्पत्ति 12:1-7, 15:1-6
7. दाऊद अब्राहाम के वंश का राजा बन जाता है
8. वंश – 1 शमूएल 16:1-13, 2 शमूएल 7:1-28
9. राजा दाऊद और बतशेबा - 2 शमूएल 11:1-27
10. नाथान की कहानी - 2 शमूएल 12:1-25
11. परमेश्वर का वायदा किया हुआ उद्धारकर्ता आएगा - यशायाह 53

यीशु को खोजें - यीशु कौन है और वह क्यों आया

1. उद्धारकर्ता पैदा हुआ - मत्ती 1:18-25
2. यीशु का बपतिस्मा - मत्ती 3:7-9, 13-15
3. पागल मनुष्य चंगा होता है - मरकुस 5:1-20
4. यीशु कभी भी भेड़ को खोता नहीं - यूहन्ना 10:1-30
5. यीशु अन्धे मनुष्य को चंगा करता है - लूका 18:31-42
6. यीशु और जक्कई - लूका 19:1-9
7. यीशु और मत्ती - मत्ती 9:9-13
8. यीशु ही मार्ग है - यूहन्ना 14:1-15
9. पवित्र आत्मा आ रहा है - यूहन्ना 16:5-15
10. अंतिम भोजन - लूका 22:14-20
11. ग्रिफ्तारी और पेशी - लूका 22:47-53, 23:13-24
12. क्रूस पर चढ़ा दिया जाना - लूका 23:33-56
13. यीशु जीवित है - लूका 24:1-7, 36-47, प्रेरितों के काम 1:1-11
14. विश्वास करना और कार्य - फिलिप्पयों 3:3-9

मजबूत करने की श्रेणी

[नए विश्वासियों या समूह के लिए जिन को अनुशासित एकाग्रता की जरूरत है]

यीशु कहता है. यीशु के बुनियादी नियमों की पालना करना सीखों। अपनी सूची में लोगों के साथ यीशु के बारें में बाँटते रहो।

1.1 सीखें और करें - यूहन्ना 14:15-21!

1.2 पश्चाताप करें। विश्वास करें। पीछे चलें।
- मरकुस 1:14-17, इफि 2:1-10

1.3 बपतिस्मा लें - मत्ती 28:19, प्रेरितों 8:26-38

1.4 परमेश्वर से प्रेम करें। लोगों से प्रेम करें - लूका 10:25

यीशु यह भी कहता है. यीशु के बुनियादी नियमों की पालना करना सीखों। अपनी सूची में लोगों के साथ यीशु के बारें में बाँटते रहो।

2.1 परमेश्वर के साथ बातचीत.मत्ती 6:9-13। यीशु की सिखाई हुई प्रार्थना को करें और सीखें

2.2 याद रखें और यीशु के स्मरण के लिए करें - लूका 22:14-20, 1 कुरि 11:23-32

2.3 देना-प्रेरितों के काम 4:32-37

2.4 इसको आगे सौंपे-मत्ती 28:18-20

जैसे मैं पीछे चलता हूँ वैसे चलें-शिष्य बनाएं। जो आपने सीखा है दूसरों को भी सिखाए। इन लोगों को भी आगे देना सीखाएं।

3.1 एक शिष्य खोजें – 2 तीमु 1:1-14

3.2 इसको आगे सौंपे – 2 तीमु 2:14, 14-16

3.3 दूसरों को सिखाने के लिए उन को सिखाएं – 2 तीमु 3:1-17

3.4 मुश्किल समय – 2 तीमु 4:1-22

अपने 3/3 समूह में गुणात्मक वृद्धि करें-अपने शिष्यों को नए समूह में इकट्ठा करें।

4.1 शुरू करें और एक योजना बनाए लूका 10:1-11 यीशु के निर्देशों को सुनें जब आप एक नया समूह आरम्भ करते हो।

4.2 एक दूसरें के साथ इकट्ठे हो-प्रेरितों के काम 2:14-47

4.3 कल्पणाकारी व्यक्ति का मनुष्य, मरकुस 5:1-20, 6:53-56।
यीशु के बारे में कहानी बाँटने वाले लोगों को खोजें।
उस व्यक्ति और उन के मित्रों और परिवार के साथ एक समूह आरम्भ करें।

4.4 कौन तैयार है. मत्ती 13:1-9, 18-23

अगुवाई. सीखें कि कैसे 3/3 समूह की अगुवाई करनी है।

5.1 नमूना [इस तरह अगुवाई करें] - यूहन्ना 13:1-17

5.2 नमूना [इस तरह अगुवाई न करें] – 3 यूहन्ना 5-14

5.3 सहायता करे - मरकुस 4:35-41

5.4 नज़र रखें -. लूका 10:1-11, 17, 20

5.5 छोड़ दें - मत्ती 25:14-30

जाओः स्थानक-सीखें कि कैसे स्थानक समाज तक पहुँचना है।

6.1 जाओ: स्थानक - प्रेरितों के काम 1:1-8

6.2 गरीबों की सहायता करे। सुसमाचार बाँटे - लूका 7:11-23

6.3 जहां परमेश्वर भेजता है वहां जाएं - प्रेरितों के काम 10:9-48

6.4 एक योजना के साथ जाएं-प्रेरितों के काम 13:1-3, 32-33, 38-39; 4:21-23, 26-27

जाओः विश्व.व्यापी - सीखें कि कैसे पृथ्वी की छोर तक पहुँचना है

7.1 जाओः विश्व.व्यापी - प्रेरितों के काम 1:1-8, मत्ती 28:19-20

7.2 जहां परमेश्वर भेजता है वहां जाओ - प्रेरितों के काम 8:26-38

7.3 परमेश्वर प्रत्येक लोगों के समूह को प्रेम करता है - यूहन्ना 4:4-30, 39-41

7.4 एक योजना के साथ जाएं - प्रेरितों के काम 13:1-3, 32-33, 38-39, 14:21-23, 26-27

बुनियादी बातों को याद रखें। जब आप इकट्ठें होते हो सीखें कि क्या करना है।

8.1 यीशु पहला है - फिलिप्पियों 2:1-11

8.2 परमेश्वर से बातचीत करें - मत्ती 6:9-13

8.3 समाज - इब्रानियों 10:23-25

8.4 बाइबिल - 2 तीमुथियुस 3:10-17

समर्पण करें. दृढ़ बने रहना सीखें और यीशु के पीछे चलते रहे।

9.1 आज्ञा न मानना - योना 1

9.2 समर्पण - योना 2

9.3 आज्ञा पालन - योना 3

9.4 प्रत्येक मार्ग में आज्ञा पालन करें - योना 4

9.5 इस को इस्तेमाल करे या खो दें - मत्ती 25:15-30

इससे आगे कहां?

आपके अपने बाइबिल के सत्रों को चुनें और इकट्ठें होते रहें। वही प्रश्नों और मींटिग प्रारूप को इस्तेमाल करें। इकट्ठा होना न छोड़ें।

गुणात्मक चेलें